आज का विचार

अज्ञानता से अधिक खतरनाक एक जीच है वह है ज्ञान का जरूरत से ज्यादा अहंकार।

दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । बुधवार, 28 मई, 2025 वर्ष 23, अंक 132, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

पाकिस्तान पर प्रधानमंत्री बोले, एक कांटा पूरे शरीर को देता है पीड़ा, हम कांटा निकालकर दम लेंगे

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को देश विभाजन को भारत की पीड़ा का मूल कारण बताते हुए कहा कि 1947 में मां भारती के अंग काट दिए गए, जबकि जंजीरें कटनी चाहिए थीं। उसी रात कश्मीर पर पहला आतंकी हमला हुआ और पाकिस्तान ने मुजाहिदीनों के जरिये भारत का हिस्सा हड़प लिया। अगर तब ही सख्त कार्रवाई की गई होती, तो 75 वर्षों का यह आतंकवाद न झेलना पड़ता। उन्होंने कहा, एक कांटा पूरे शरीर को पीड़ा देता है और हमने तय कर लिया है कि अब वह कांटा निकालकर ही दम लेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज गांधीनगर में गुजरात अर्बन ग्रोथ स्टोरी के 20 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में भाग लिया और शहरी विकास वर्ष 2025 का शुभारंभ किया। वर्ष 2005 में तत्कालीन मुख्यमंत्री के तौर पर उनके द्वारा शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य शहरी ढांचे का नियोजित विकास था। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने शहरी विकास, स्वास्थ्य और जल आपूर्ति से जुड़ी कई परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 22 हजार से अधिक घर समर्पित किए और शहरी निकायों को 3,300 करोड़ रुपये की धनराशि भी जारी की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आतंकवाद का रास्ता प्रॉक्सी वॉर नहीं, बल्कि एक सोची-समझी युद्ध रणनीति है। उन्होंने कहा कि 6 मई की रात को मारे गए आतंकवादियों को सम्मान देना, उनके ताबूतों पर पाकिस्तानी झंडे लपेटे जाना और वहां की सेना का उन्हें सलामी देना यह साबित करता है। उन्होंने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी, आप वॉर ही कर रहे हैं, तो उसका जवाब भी वैसे ही मिलेगा।

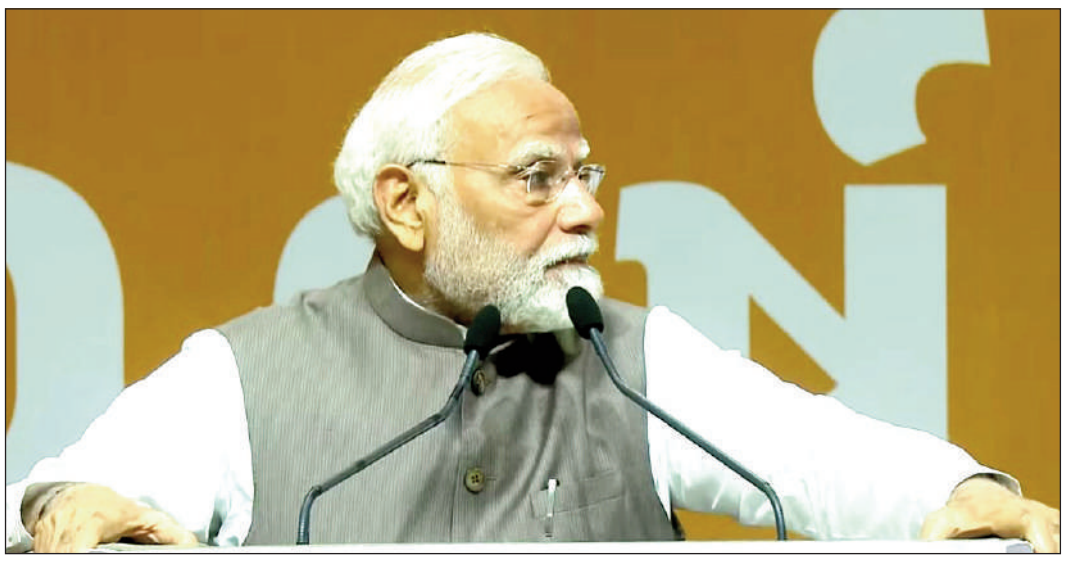

प्रधानमंत्री ने बताया कि पाकिस्तान की ओर से भारत के खिलाफ चलाए जा रहे युद्ध की एक पृष्ठभूमि है। सीधा युद्धों में हार के चलते उसे एहसास हुआ कि वे सीधे युद्ध में भारत से नहीं जीत सकता, इसलिए उन्होंने आतंकवाद को एक रणनीतिक हथियार के रूप में अपनाया। आतंकवादी सिर्फ भाड़े के लड़ाके नहीं हैं। वे पाकिस्तान की सेना से जुड़े और उनके निर्देश पर काम करने वाले लोग हैं। अब जब वे खुले आम युद्ध जैसा व्यवहार कर रहे हैं, तो भारत भी उन्हें उसी तरह निर्णायक और सशक्त जवाब देगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सिंधु जल समझौता भारत के हित को कई तरह से प्रभावित कर रहा था। अभी हमने इसे केवल स्थगित किया है और पाकिस्तान में इसको लेकर घबराहट है। उन्होंने समझौते की शर्तों पर आश्चर्य जताया और कहा कि भारत सबका भला चाहता है। उन्होंने कहा कि 1960 की सिंधु जल संधि में यह तय हुआ था कि जम्मू-कश्मीर की नदियों पर बने बांधों की सफाई नहीं की जाएगी। 60 साल तक इनके गेट नहीं खुले, लेकिन हमने थोड़ी सफाई शुरू की, गेट थोड़े खोले और पाकिस्तान में बाढ़ आ गई। अभी तो हमने पूरी कार्रवाई शुरू ही नहीं की है और वे पहले ही घबरा गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान विदेशी उत्पादों पर निर्भरता छोड़ने का आान किया। उन्होंने कहा कि ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल सिर्फ सेना का नहीं, 140 करोड़ भारतीयों की जिम्मेदारी है। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य पाने के लिए हमें हर दिन इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं में भी ह्यमेक इन इंडियाह्ल को प्राथमिकता देनी होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि छोटे शहर भारत की आर्थिक प्रगति के इंजन हैं। भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है तो शहरी विकास इन शहरों से शुरू होना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पर्यटन भारत की अपार संभावनाओं वाला क्षेत्र है और गुजरात इसका जीवंत उदाहरण है। कच्छ और वडनगर जैसे स्थान आज विश्व मानचित्र पर उभर रहे हैं। कल्पनाओं को धरातल पर उतारने से असाधारण परिणाम मिलते हैं–रिवरफ्रंट, दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी इसी सोच के प्रमाण हैं।

नायब सैनी ने उपायुक्तों को मानसून से पहले ड्रेनों की सफाई को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

मुख्य सचिव 10 जून को प्रगति की करेंगे समीक्षा, लापरवाही के लिए सम्बंधित अधिकारी होंगे जिम्मेवार

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने जिलों में बाढ़ सुरक्षा प्रयासों की निगरानी कर रहे सभी उपायुक्तों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने जिलों में मानसून सीजन से पहले ड्रेनों की सफाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देना सुनिश्चित करें। उन्होंने इस कार्य के लिए उन्हें तुरंत एक शेड्यूल बनाने और कार्य की निगरानी के लिए अपने अधीनस्थ अधिकारियों को नियुक्त करने के निर्देश दिए ताकि ड्रेन की सफाई का कार्य हर हाल में 15 जून, 2025 से पहले पूरा हो सके। इसके अतिरिक्त, फील्ड में कार्यरत सभी अधीक्षण अभियंताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके संबंधित क्षेत्रों में ड्रेनों की सफाई सही तरह से की जाए।

- अधिकारी जलभराव के कारणों की करें पहचान, स्थायी समाधान के लिए लक्षित योजनाएं करें शुरू
- हरियाणा बाढ़ रोकथाम और सिंचाई को बढ़ावा देने हेतु मानसून के पानी के भंडारण के लिए एसवाईएल और हांसी-बुटाना नहरों का उपयोग करने की बना रहा योजना

मुख्यमंत्री आज यहां सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ अल्पकालिक बाढ़ सुरक्षा कार्यों तथा ड्रेनों की आंतरिक सफाई की प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। ड्रेनों की आंतरिक सफाई की वर्तमान गति पर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसून आने में बहुत कम समय बचा है और अभी यह काम शेष है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित करते हुए इस सम्बन्ध में सभी लंबित कार्यों को बिना देरी के पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी अन्य प्रशासनिक सचिवों के साथ 10 जून को फिर से इस कार्य प्रगति की समीक्षा करेंगे। यदि किसी अधिकारी की ओर से कोई लापरवाही पाई जाती है तो उसके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में ली जाएगी।

बाढ़ सुरक्षा के व्यापक उपायों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अधिकारी अल्पकालिक उपायों पर फोकस करते हुए बाढ़ नियंत्रण से संबंधित चल रही योजनाओं को पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को जल निकासी के लिए आवश्यक पंपों की स्थिति और उपलब्धता का आकलन करने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा, उन्होंने अधिकारियों को विशिष्ट क्षेत्रों में जलभराव के कारणों की पहचान करने तथा स्थायी समाधान प्रदान करने के लिए लक्षित योजनाएं बनाने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों और पंचायतों द्वारा अनुशंसित बाढ़ सुरक्षा कार्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए तथा उन्हें जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने टांगरी और मारकंडा नदियों में गाद निकालने के काम की भी समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक के दौरान बताया गया कि सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग मानसून के दौरान जल भंडारण के लिए एसवाईएल और हांसी-बुटाना लिंक नहरों के मौजूदा चैनलों का उपयोग करने के लिए एक महत्वाकांक्षी परियोजना पर काम कर रहा है। इस योजना में ड्रेनों सहित घग्गर नदी के पानी को इन दोनों नहरों में भेजना और पानी को रोकने के लिए अस्थायी अवरोधों का निर्माण करना शामिल है। इस पहल का उद्देश्य न केवल बाढ़ नियंत्रण और भूजल को रिचार्ज करना है, बल्कि सिंचाई की जरूरतों को पूरा करना भी है। बैठक में सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी, मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह एवं राजस्व) श्रीमती सुमिता मिश्रा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के आयुक्त एवं सचिव मोहम्मद शाइन, हरियाणा जल संसाधन प्राधिकरण की चेयरपर्सन केशनी आनंद अरोड़ा, दोनों विभागों के इंजीनियर-इन-चीफ एवं मुख्य अभियंता भी मौजूद थे। जिला उपायुक्त, अधीक्षण अभियंता एवं कार्यकारी अभियंता वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

संसद केवल विधायिका नहीं, जनभावना का प्रतिबिंब: उपराष्ट्रपति धनखड़

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को एक बार फिर संसद के सर्वोच्च होने की बात दोहरायी। उन्होंने कहा कि भारतीय संसद केवल एक विधायी निकाय नहीं है, बल्कि यह 1.4 अरब लोगों की इच्छाओं का प्रतिबिंब है। यह एकमात्र वैधानिक मंच है जो जनता की भावना को पूरी प्रामाणिकता से दशार्ता है। उन्होंने कहा, कार्यपालिका को शासन चलाने के तरीके के बारे में प्राथमिकता प्राप्त है। न्यायपालिका को न्याय प्रणाली के संबंध में प्राथमिकता प्राप्त है, लेकिन संसद को दोनों कारणों से प्राथमिकता प्राप्त है। पहला, उसके पास कानून बनाने का अंतिम अधिकार है। दूसरा, यह कार्यपालिका को जवाबदेह बनाती है। क्योंकि शासन कुछ बुनियादी बातों से परिभाषित होता हैः पारदर्शिता, जवाबदेही, और संस्थानों द्वारा हमारे विकास पथ को गति देने के लिए इष्टतम प्रदर्शन। उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम के सातवें बैच के उद्घाटन अवसर पर युवाओं को संविधान, लोकतंत्र और राष्ट्रनिर्माण के मूल्यों पर आधारित एक प्रेरणादायक संबोधन दिया। धनखड़ ने कहा कि हर नागरिक और संस्था को अपने अधिकार संविधान की सीमाओं में रहकर ही प्रयोग करने चाहिए। संविधान ने हमें मौलिक अधिकार दिए हैं, लेकिन साथ ही कर्तव्यों का पालन भी अनिवार्य किया है। भारत उन चंद देशों में से है जहां नागरिक अपने

मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास जैसे अहम मुद्दों पर उपराष्ट्रपति ने सभी राजनैतिक वर्गों से आग्रह किया कि वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में एकजुट हों। उन्होंने कहा कि आर्थिक राष्ट्रवाद हर नागरिक की जिम्मेदारी है और इसके अंतर्गत हमें स्वदेशी अपनाना चाहिए व स्थानीय उत्पादों के लिए मुखर होना चाहिए। उन्होंने ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल का उल्लेख करते हुए कहा कि इसने राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और जनहित के प्रति हमारे सोचने का तरीका बदल दिया है। आज हम पहले से अधिक राष्ट्रवादी हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि शांति तभी स्थायी होती है जब हमारे पास ताकत हो – जिसमें तकनीकी क्षमता, परंपरागत सैन्य बल और जनसमर्थन शामिल है।

धनखड़ ने स्पष्ट किया कि भारत का जन्म 1947 में नहीं हुआ। यह एक प्राचीन राष्ट्र है जिसकी गौरवशाली परंपराएं हजारों वर्षों पुरानी हैं। इस अवसर पर उन्होंने प्रसिद्ध नेत्र चिकित्सक एवं विद्वान डॉ. एम. एल. राजा को वर्ष 2025-26 के लिए डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन चेयर के लिए नामित किया। डॉ. राजा ने चिकित्सा के साथ-साथ इतिहास, पुरातत्व और शिलालेख विद्या में भी विशिष्ट कार्य किया है। उनके तमिल साहित्यिक योगदानों को तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम के महत्व को रेखांकित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह युवाओं को संसद की कार्यप्रणाली, उसके मूल्यों और लोकतांत्रिक भावना से परिचित कराने का एक अनूठा अवसर है, जो उनमें उत्तरदायित्व की भावना और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा जगाएगा।

आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता की आवश्यक: श्रीलंका

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज आतंकवाद को मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद किसी एक देश का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह पूरी मानव सभ्यता के लिए चुनौती है। उन्होंने सभी देशों से इसके खिलाफ एकजुट होकर खड़े होने की अपील की।

अध्यक्ष बिरला ने आज संसद भवन में श्रीलंका की संसद के डिप्टी स्पीकर और संसद की समितियों के सभापति डॉ. रिजव्री सालीह के नेतृत्व में भारत यात्रा पर आए श्रीलंका के संसदीय शिष्टमंडल के साथ द्विपक्षीय बैठक की। उन्होंने कहा कि भारत और श्रीलंका की मित्रता सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित है। दोनों देशों के बीच बौद्ध धर्म की साझी विरासत को भी उन्होंने गर्व के साथ उल्लेख किया।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत और श्रीलंका के बीच फिनटेक और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में सहयोग बढ़ रहा है। उन्होंने हाल ही में श्रीलंका में यूपीआई-आधारित भुगतान प्रणाली की शुरूआत और पर्यटन के लिए समुद्री रास्तों में सुधार की बात की। बिरला ने भारत की संसद में तकनीकी नवाचारों के महत्व पर जोर दिया। कहा कि संसद डिजिटल और एआई तकनीकों के जरिए पारदर्शिता और जन भागीदारी को बढ़ावा दे रही है। डॉ. रिजवी सालीह ने भारत के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि इससे दोनों देशों के संबंध मजबूत होंगे। इस अवसर पर लोक सभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। श्रीलंका का संसदीय शिष्टमंडल इस समय संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग ले रहा है।

पंचकूला में देहरादून के कारोबारी परिवार के मुखिया समेत सात सदस्यों ने की आत्महत्या

एजेंसी (हि.स.)
चंडीगढ़

हरियाणा के पंचकूला में उत्तराखंड के देहरादून के कारोबारी प्रवीण मित्तल ने अपने परिवार के अन्य छह सदस्यों के साथ आत्महत्या कर ली। पुलिस ने घटनास्थल से सुसाइड नोट बरामद किया है। यह परिवार कुछ समय से पंचकूला में किराये के मकान में रह रहा था। आत्महत्या की वजह आर्थिक तंगी बताई जा रही है। प्रवीण मित्तल देहरादून में टूर एंड ट्रेवल का काम करते थे। इस कारोबार में उन्हें लगातार घाटा हो रहा था। इस वजह से पूरा परिवार परेशान था। बताया गया है कि प्रवीण मित्तल ने परिवार के सदस्यों के साथ सोमवार रात बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री की कथा सुनी। रात करीब 11:00 बजे वापस लौटते समय सेक्टर 27 के पास परिवार ने गाड़ी में ही जहर निगल लिया। कुछ राहगीरों ने पुलिस को सड़के किनारे एक गाड़ी के खड़े होने की सूचना दी। पुलिस तत्काल

मौके पर पहुंची। कार के अंदर का दृश्य देखकर सन्न रह गई। उसने छह लोगों को पास के ही एक निअस्पताल में भर्ती कराया। बेसुध मिले प्रवीण मित्तल को सेक्टर-6 सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने उपचार के दौरान सभी के मरने की पुष्टि की। यह सूचना मिलते ही डीसीपी हिमाद्री कौशिक, डीसीपी (लॉ एंड ऑर्डर) अमित दहिया और फॉरेंसिक टीम के अधिकारी पहुंचे। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में परिवार की आत्महत्या की वजह कारोबार में घाटा लग रहा है। मृतकों में प्रवीण मित्तल, पिता देशराज मित्तल, उनकी मां, पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा शामिल है।

सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत 1,200 जोड़ों के सामूहिक विवाह कार्यक्रम में सम्मिलित हुए, योगी ने नवदम्पतियों को उपहार एवं आशीर्वाद प्रदान किया

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम प्रधानमंत्री के लोक कल्याण के विजन को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के अभियान का एक हिस्सा: योगी

संवाददाता
लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनपद गोरखपुर में समाज कल्याण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत आयोजित 1,200 जोड़ों के सामूहिक विवाह कार्यक्रम में सम्मिलित हुए और नवदम्पत्तियों को उपहार एवं आशीर्वाद प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार वही है, जो जनता के द्वार पर जाकर उनकी समस्याओं के समाधान का रास्ता निकाल सके। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लोक कल्याण के विजन को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के अभियान का एक हिस्सा है। यह ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्ल अभियान की अगली कड़ी है। यह अंधविश्वास, बाल विवाह, बहुविवाह और दहेज जैसी सामाजिक रूढ़ियों व प्रथाओं पर एक प्रहार है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटी को बचाने के लिए उसे पढ़ाना और सशक्त करना तथा उस प्रकार की व्यवस्थाएं बनाना जरूरी है। वर्ष 2017 में जब प्रदेश में हमारी डबल इंजन सरकार बनी, तब हमने अभिभावकों की पीड़ा को ध्यान में रखते हुए यह तय किया कि बेटी के जन्म से लेकर उनके स्नातक तक की पढ़ाई के लिए मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के माध्यम से उन परिवारों को जोड़ने की व्यवस्था करेंगे। आज यह योजना प्रदेश में सफलतापूर्वक लागू है। इसके अन्तर्गत ऐसे गरीब और वंचित परिवार, जिनके पास साधन नहीं थे, उन्हें चिन्हित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना

के माध्यम से हम लगभग 24 लाख बालिकाओं को उनके जन्म लेने से लेकर स्नातक तक विभिन्न चरणों में कुल 25 हजार रुपये उपलब्ध कराने का कार्य कर रहे हैं। बेटी के जन्म होने, उसके 01 वर्ष की होने, बेटी के पहली कक्षा में जाने, बेटी के पांचवी कक्षा पास करने और छठी कक्षा में जाने, बेटी के नवीं कक्षा में प्रवेश लेने तथा इसके उपरांत यदि बेटी पॉलिटेक्निक, आई0टी0आई0 करना चाहती है या आगे की पढ़ाई करना चाहती है, तो हर चरण में एक निश्चित धनराशि उसके खाते में भेज दी जाती है। 25 हजार रुपये की यह धनराशि बेटी की सुरक्षा के लिए उसका संबल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब बेटी विवाह के योग्य हो जाती है, तो इसके लिए अभिभावकों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत स्वयं मुख्यमंत्री, मंत्रिगण, सांसद, विधायक आदि जनप्रतिनिधि उपस्थित होकर कन्यादान के इस कार्यक्रम से जुड़ते हैं और अतिथियों का स्वागत करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी प्राचीन मान्यता रही है कि गांव की बेटी सब की बेटी होती है। स्वाभाविक रूप से हमें कन्यादान के कार्यक्रम से जुड़ने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। यह दहेज, बाल विवाह तथा बहुविवाह तीनों कुप्रथाओं पर प्रहार है। इसी व्यवस्था से जुड़ने के लिए आज हम यहां एकत्रित हुए हैं। इसमें जाति, क्षेत्र, भाषा, मत और मजहब सहित किसी प्रकार का बंधन नहीं है। अपनी-अपनी रीति-रिवाजों के अनुसार जो भी रजिस्ट्रेशन करवाता है, ऐसे दस जोड़ो के रजिस्ट्रेशन होते ही प्रशासन उनके सामूहिक विवाह की व्यवस्था करता है। मुख्यमंत्री ने वर एवं वधु पक्ष को अपनी बधाई देते हुए कहा कि हम एक-एक परिवार को सशक्त और समर्थ बनाए जाने के लिए किए जाने वाले प्रयास का हिस्सा बनकर विकास की इस प्रक्रिया को निरन्तर आगे बढ़ाएंगे। हमें जातिवाद, छुआछूत, अस्पृश्यता, बाल विवाह या दहेज जैसी सामाजिक रूढ़ियां के खिलाफ मजबूत होकर खड़े होने की आवश्यकता है। इस अवस पर गोरखपुर के महापौर डॉ0 मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक श्री विपिन सिंह, श्री महेन्द्रपाल सिंह, श्री धर्मेन्द्र सिंह, श्री फतेहबहादुर सिंह, श्री श्रीराम चौहान, प्रदीप शुक्ला, डॉ0 विमलेश पासवान सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

नर्सों की भर्ती में कोरोना वारियर्स को प्राथमिकता देगी सरकार: सुक्खू

मेडिकल टेक्नोलॉजी पर खर्च कर रहे 1350 करोड़ रुपये: सीएम

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सोमवार सायं यहां आईजीएमसी शिमला व अटल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सुपर स्पेशिलिटी, चमियाणा के फैकल्टी सदस्यों के साथ संवाद करते हुए स्वास्थ्य क्षेत्र में भविष्य की चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर विभिन्न चिकित्सा महाविद्यालयों के विभाग प्रमुखों ने अपनी प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक चिकित्सा महाविद्यालय की आवश्यकताओं के अनुरूप राज्य सरकार हर संभव सहायता प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक वर्ष के भीतर सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में 20 वर्षों से अधिक पुरानी मशीनों और उपकरणों को बदला जाएगा। सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल चमियाणा व टांडा मेडिकल कॉलेज में दो माह के भीतर रोबोटिक सर्जरी की सुविधा को आरंभ कर दिया जाएगा। सभी मेडिकल कॉलेजों में चरणबद्ध तरीके से थ्री टेस्ला एमआरआई मशीनें भी स्थापित की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कोई विशेष ध्यान नहीं दिया, जिसके कारण मरीजों को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार को प्राथमिकता दी है और मेडिकल टेक्नोलोजी पर 1350 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेडिकल की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल बनाने को सरकार धन उपलब्ध करवाएगी और मरीजों के साथ-साथ स्टाफ के लिए भी पार्किंग सुविधा को सुदृढ़ किया जाएगा।

श्री सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न खाली पदों को भरने का प्रयास कर रही है। राज्य सरकार डॉक्टरों के पदों को भर रही है और नर्सों की भर्ती में कोरोना महामारी के समय काम करने वाली नर्सों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा पैरा मेडिकल स्टाफ के साथ-साथ टेक्नीशियन की भर्ती भी की जा रही है। हम अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार डॉक्टर-मरीज अनुपात तथा नर्स-मरीज अनुपात को सुनिश्चित कर रहे हैं ताकि उन्हें काम के लिए बेहतर वातावरण मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश के प्रीमियम स्वास्थ्य संस्थान मात्र रेफरल स्वास्थ्य संस्थान बनकर रह गए हैं, इसलिए इनमें व्यापक सुधार की आवश्यकता है। आईजीएमसी शिमला में स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार के लिए राज्य सरकार ने 100 करोड़ रुपये खर्च किए हैं और आने वाले समय में इसे बेहतर बनाने के लिए 200 करोड़ रुपये और प्रदान किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन बहाल करने के कारण हिमाचल प्रदेश पर कई तरह के आर्थिक प्रतिबंध लगाए गए हैं, लेकिन राज्य सरकार इसके बावजूद स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि मरीज हमेशा ठीक होने की उम्मीद लेकर अस्पताल आते हैं, ऐसे में अगर डॉक्टर अच्छे ढंग से उनसे बात करें तो उनकी तकलीफ कम हो जाएगी। डॉक्टरों को अपने व्यवहार में परिवर्तन करने की आवश्यकता है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री कर्नल (डॉ.) धनी राम शांडिल ने कहा कि इस तरह के संवाद कार्यक्रम स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार में महत्वपूर्ण होते हैं।

आतंकवाद की कायरतापूर्ण हरकतों से नहीं डरेगी जम्मू-कश्मीर सरकार : अब्दुल्ला

एजेंसी (हि.स.)
पहलगाम

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को पहलगाम में एक विशेष कैबिनेट बैठक की, ताकि स्पष्ट संदेश दिया जा सके कि सरकार आतंकवाद की कायरतापूर्ण हरकतों से नहीं डरेगी। यह पहली बार है, जब इस सरकार के कार्यकाल के दौरान कैबिनेट की बैठक सामान्य ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर या शीतकालीन राजधानी जम्मू के बाहर हुई है। बैठक के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय ने पहलगाम क्लब में आयोजित बैठक की तस्वीरें भी पोस्ट कीं।

पहलगाम में कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने की। यह केवल एक नियमित प्रशासनिक अभ्यास नहीं था, बल्कि एक स्पष्ट संदेश था कि हम आतंक की कायरतापूर्ण हरकतों से नहीं डरते। शांति के दुश्मन कभी भी हमारे संकल्प को प्रभावित नहीं कर पाएंगे। जम्मू-कश्मीर दृढ़, मजबूत और निडर है। विशेष कैबिनेट बैठक के लिए पहलगाम को चुनने का उद्देश्य पर्यटन नगरी के निवासियों के साथ एकजुटता दिखाना है, जहां 22 अप्रैल को हुए विनाशकारी आतंकवादी हमले के बाद से पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आई है।

इसके बाद जम्मू और कश्मीर सरकार ने 28 अप्रैल को जम्मू में एक दिवसीय विशेष विधानसभा सत्र में पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित करके सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने और प्रगति में बाधा डालने के नापाक इरादों को हराने के लिए दृढ़ता से लड़ने का संकल्प लिया था। अब्दुल्ला ने अपने 26 मिनट के भावनात्मक भाषण में कहा था कि वह आतंकवादी हमले का इस्तेमाल जम्मू-कश्मीर में राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए दबाव बनाने के अवसर के रूप में नहीं करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह सस्ती राजनीति में विश्वास नहीं करते।

एनएचएम के ओएसडी पर हमले में एफआईआर दर्ज आरोपी ने मोबाइल छीनने की कोशिश भी की

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) कार्यालय शिमला में तैनात विशेष कार्य अधिकारी डॉ. विकास शर्मा पर हुए हमला किए जाने की घटना में छोटा शिमला थाना में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मामला भारतीय न्याय संहिता की धारा 126(2) और 115(2) के तहत दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता डॉ. विकास शर्मा (उम्र 41 वर्ष) निवासी संजौली शिमला ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 9:30 बजे जब वह ब्रॉकहर्स्ट (छोटा शिमला) से अपने ऑफिस की ओर जा रहे थे तभी रास्ते में एक अज्ञात युवक ने उन्हें रोका और धमकाया। युवक की उम्र करीब 30 वर्ष बताई जा रही है जो नीली शर्ट और लाल पी-कैप पहने हुए था। डॉ. शर्मा के अनुसार आरोपी ने उन्हें 108 एंबुलेंस सेवा कर्मचारियों की चल रही हड़ताल को न रोकने की धमकी दी। इसके बाद उसने उनका मोबाइल छीनने की कोशिश की और उन्हें घाटी की ओर धक्का दिया।

घटना के दौरान हाथापाई भी हुई जिसमें डॉ. शर्मा की शर्ट फट गई और बटन टूट गए। उन्होंने इस घटना को लेकर पुलिस में शिकायत दी जिस पर कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों में भी चिंता का माहौल है। एनएचएम कर्मचारी संघ के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अमित चंद ने इस हमले की निंदा करते हुए कहा कि डॉक्टरों की कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि डॉ. शर्मा के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं और उम्मीद करता हूं कि इस कायरतापूर्ण हरकत को अंजाम देने वाले व्यक्ति को शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि डॉक्टर विकास शर्मा एनएचएम शिमला में विशेष कार्य अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं और वर्तमान में स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन से जुड़े महत्त्वपूर्ण दायित्व निभा रहे हैं।

डीएवी सेंटेनरी स्कूल के उभरते एथलीटों ने जिला एथलेटिक चैंपियनशिप में मारी बाजी

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल, जवाहर नगर मंडी के छात्र-छात्राओं ने जिला एथलेटिक चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। अंडर-18 श्रेणी में भाग लेते हुए इन होनहार खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। इस प्रतियोगिता में सूर्या ठाकुर ने 100 मीटर और 200 मीटर दोनों दौड़ों में पहला स्थान प्राप्त कर दोहरी सफलता हासिल की।

ऊंची कूद प्रतियोगिता में विशाल ने स्वर्ण पदक जीता, वहीं 100 मीटर दौड़ में ईशांत ने कांस्य पदक हासिल कर विद्यालय के लिए एक और उपलब्धि जोड़ी। इन शानदार प्रदर्शनों के आधार पर इन तीनों छात्रों का चयन राज्य स्तरीय एथलेटिक प्रतियोगिता के लिए हुआ है, जो आगामी 7 और 8 जून को बिलासपुर में आयोजित की जाएगी।

विद्यालय के प्रधानाचार्य के. एस. गुलेरिया ने इन विद्यार्थियों को उनकी सफलता पर बधाई दी और राज्य स्तर पर उनके बेहतरीन प्रदर्शन की कामना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है तथा इससे अन्य छात्र भी प्रेरणा लेंगे। डीएवी मंडी परिवार ने इन उभरते एथलीटों को आगामी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

संक्षिप्त-समाचार

पहलगाम में कैबिनेट की बैठक शुरू

अनंतनाग। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक मंगलवार दोपहर दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में शुरू हुई। एक अधिकारी ने बताया कि पहलगाम में पहली बार हो रही कैबिनेट की बैठक का उद्देश्य पर्यटकों को शांति और सामान्य स्थिति का संदेश देना है जो 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद घाटी छोड़कर चले गए थे। इस हमले में 25 पर्यटकों सहित 26 लोग मारे गए थे। यह पहली बार है कि कैबिनेट की बैठक जम्मू और श्रीनगर में सिविल सचिवालय या मुख्यमंत्री के आवास से दूर हो रही है। एक अधिकारी ने कहा कि पर्यटन पुनरुद्धार के अलावा अमरनाथ यात्रा पर भी चर्चा हो रही है। गौरतलब है कि इस वर्ष 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद कश्मीर में पर्यटन क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

कांदनी के पास भारी भूस्खलन के कारण जम्मू-किश्तवाड़ राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात के लिए बंद

जम्मू। कांदनी के पास भारी भूस्खलन के कारण जम्मू-किश्तवाड़ राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात के लिए बंद हो गया है जिससे बड़ी संख्या में यात्री फंस गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसियों ने तुरंत सड़क साफ करने का काम शुरू कर दिया है और राजमार्ग को जल्द से जल्द यातायात के लायक बनाने के प्रयास जारी हैं। अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन के आकार को देखते हुए मंगलवार रात तक मरम्मत का काम पूरा होने की संभावना है। उन्होंने यात्रियों को फिलहाल राजमार्ग पर यात्रा करने से बचने की सलाह दी है।

कठुआ में संदिग्ध आतंकवादियों की गतिविधि, सुरक्षा बलों का तलाशी अभियान शुरू

जम्मू। सुरक्षा बलों ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के ऊंचे इलाकों में संदिग्ध आतंकवादियों की गतिविधि की सूचना मिलने के बाद तलाशी अभियान शुरू किया है। पुलिस, सेना और सीआरपीएफ द्वारा संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान आज सुबह से ही बनी इलाके के लोवांग और सरथल के ऊपरी इलाकों में चल रहा है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह ने भी आज सुबह कई घंटों तक सांबा जिले के मनोहर गोपाला और शताला कैंप इलाके में गहन तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान क्षेत्र पर नियंत्रण अभ्यास का हिस्सा था और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। अधिकारियों ने बताया कि किश्तवाड़ जिले के छतरू के घने जंगलों वाले सिंहपोरा इलाके में मंगलवार को छठे दिन भी संयुक्त तलाशी अभियान जारी है। यह अभियान 22 मई को आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ के बाद शुरू हुआ था जिसमें एक सैनिक शहीद हो गया था। हालांकि आतंकवादी घने जंगल और चुनौतीपूर्ण स्थलाकृति का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों से कोई संपर्क नहीं हो पाया है, जबकि इलाके में आतंकवादियों को पकड़ने और उन्हें मार गिराने के लिए तलाशी अभियान जारी है।

शिमला के बनूटी में छह जून को लगेगा रोजगार मेला

शिमला। शिमला के उपनगर टूटू से सटे बनूटी में आगामी छह जून को रोजगार मेला लगेगा। यह मेला खेल मैदान बनूटी नजदीक बी.डी.ओ. कार्यालय में आयोजित किया जाएगा। इसका आयोजन श्रम, रोजगार एवं विदेशी नियोजन विभाग हिमाचल प्रदेश द्वारा आयोजित किया जाएगा। क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी शिमला देविंद्र कुमार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस मेले में निजी क्षेत्र के लगभग 40 नियोक्ता विभिन्न प्रकार की रिक्तियों को भरने के लिए उपस्थित होंगे। उन्होंने कहा कि इन पदों की विस्तृत जानकारी आवेदक विभागीय पोर्टल ीएटक्र में प्राप्त कर सकते हैं।

मनरेगा के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण को मिली रफ्तार, 29 स्थलों पर कार्य प्रारंभ : रोहित राठौर

मंडी। जिला में मनरेगा के अंतर्गत प्राथमिक पाठशालाओं में बनाए जा रहे आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा हेतु सोमवार को अतिरिक्त उपायुक्त रोहित राठौर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला के सभी सीडीपीओ बाल विकास परियोजना अधिकारी और खंड विकास अधिकारी वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। अतिरिक्त उपायुक्त ने जानकारी दी कि मनरेगा योजना के अंतर्गत प्रस्तावित 76 आंगनबाड़ी केंद्रों में से अब तक 29 केंद्रों में निर्माण कार्य आरंभ हो चुका है। उन्होंने बताया कि संपूर्ण जिले में मनरेगा के अंतर्गत 108 तथा अन्य योजनाओं से 7 अतिरिक्त आंगनबाड़ी केन्द्रों का निर्माण प्रस्तावित है। इनमें से 40 केन्द्रों में कार्य प्रारंभ हो चुका है जबकि 68 केंद्रों में कार्य शुरू होना शेष है। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए और शेष केंद्रों में भी शीघ्र कार्य शुरू किया जाए। राठौर ने सभी सीडीपीओ को निर्देश दिए कि जिन स्थलों पर भूमि विवाद या अन्य कारणों से कार्य प्रारंभ नहीं हो पाया है, वहां वे स्वयं मौके पर जाकर विवाद का समाधान करें।

एनएसयूआई ने लॉन्च किया युवान कार्यक्रम

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन जिला मंडी इकाई ने एनएसयूआई के ₹ युवान : एक क्रांति, एक चुनौती ₹ अभियान को लॉन्च किया। इस अभियान के अंतर्गत एनएसयूआई पंचायत स्तर पर जन जागरूकता अभियान चलाएगी तथा युवाओं को जागरूक करेगी।

एनएसयूआई के पूर्व जिला उपाध्यक्ष अनित जसवाल ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि एनएसयूआई छात्रों व युवाओं को जागरूक करने के लिए समय पर अनेक कार्यक्रम चलाती रही है इसी कड़ी में एनएसयूआई ने यह युवान कार्यक्रम लॉन्च किया है।

उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले एनएसयूआई द्वारा प्रदेश स्तर पर संकल्प अभियान भी चलाया था जिसके अंतर्गत एनएसयूआई कार्यकताओं ने जिला मंडी विभिन्न महाविद्यालयों व विद्यालयों में जाकर विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई तथा उन्हें जागरूक किया तथा इसके अंतर्गत अनेक खेल खुद प्रतियोगिताएं ० जागरूकता रैलियां भी आयोजित की।

उन्होंने कहा कि इसी कड़ी में एनएसयूआई द्वारा युवान कार्यक्रम जिलास्तर पर लॉन्च किया जा रहा है। इसके अंतर्गत एनएसयूआई पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान चलाएगी। इस कार्यक्रम के अंतर्गत एनएसयूआई के कार्यकर्ता विभिन्न पंचायतों व गांवों के स्तर पर युवाओं और छात्रों से सीधा संवाद करेंगे और उन्हें शिक्षा, रोजगार, नशा मुक्ति और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर जागरूक करेंगे तथा युवाओं को नशे से दूर रखने व जागरूक रखने के लिए अनेक कार्यक्रम व खेलकूद प्रतियोगिताएं भी आयोजित करेंगे।

उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य केवल प्रचार नहीं बल्कि जमीनी स्तर पर युवाओं से सीधा जुड़ाव स्थापित करना है ताकि उनकी समस्याओं को समझकर समाधान की दिशा में कदम उठाया जा सके। उन्हें कहा कि युवाओं को सशक्त करना और उनकी आवाज को मंच देना ही एनएसयूआई का प्रमुख लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई केवल कॉलेज परिसरों तक ही सीमित नहीं है बल्कि समाज के हर कोने तक पहुंचकर युवा सशक्तिकरण के लिए समर्पित है।

पंडित नेहरू की पुण्यतिथि पर कांग्रेस नेताओं ने अर्पित किए श्रद्धा सुमन

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

हिमुडा के उपाध्यक्ष यशवंत छाजटा ने नेहरू के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने न केवल स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, बल्कि आजाद भारत के निर्माण में भी अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि पंडित नेहरू के दूरदर्शी नेतृत्व में देश ने आधुनिक भारत की नींव रखी और देश उनके योगदान के लिए सदैव ऋणी रहेगा। इस अवसर पर राज्य सहकारी बैंक के निदेशक हरिकृष्ण हिमराल, प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष जैनब चंदेल, राजेश वर्मा, संजीव शर्मा, एस.के. सेहगल, डॉक्टर दिनेश, प्रभा वर्मा, शांता राजटा, पुष्पा शोभटा, कृष्णा जरयाल, बंसी ठाकुर, मान सिंह ठाकुर, भगत राम बुशहरी, कपिल कुमार, मनीषा मेहता, रणदीप ठाकुर, विपिन कुमार समेत अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डमटाल में आल्टो कार से 11.40 ग्राम चिट्टा बरामद, आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

पुलिस जिला नूरपुर द्वारा नशे के विरुद्ध चलाये गये अभियान के अन्तर्गत नशा माफिया के खिलाफ कार्यवाही अमल में लाते हुये पुलिस थाना डमटाल के अधीन ढांगू में नाकाबंदी के दौरान आल्टो कार से 11.40 ग्राम चिट्टा बरामद किया है। पुलिस ने इस मामले में कार चालक को गिरफ्तार कर आगामी कार्रवाई की है। उक्त नशा तस्कर की पहचान राजिन्द्र कुमार उर्फ जबरी पुत्र वचन दास निवासी माजरा, डाकखाना छन्नी, तहसील इंदौरा जिला कांगड़ा के रूप में हुई है। उक्त आरोपित गाड़ी नम्बर एचआर51-एपी-6081 में सवार था। आरोपित के विरुद्ध थाना ड़मटाल में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। एसपी नूरपुर अशोक रत्न ने बताया कि उपरोक्त मामले में नियमानुसार आगामी कार्यवाही अमल में लाई जा रही है। उन्होंने बताया कि इस मामले में गिरफतार आरोपी एक कुख्यात नशा तस्कर है जिस पर एक अन्य अभियोग भी पंजीकृत है। इससे पूर्व भी आरोपित के खिलाफ चिट्टे का मामला इंदौरा थाना में दर्ज है। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी जिला पुलिस नूरपुर का नशे के विरुद्ध अभियान जारी रहेगा।

29 मई से 2 जून तक फैली हुई बारिश की संभावना, अलर्ट जारी

हिमाचल में दो जून तक गरज-चमक के साथ बारिश के आसार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर से मौसम करवट लेने वाला है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार राज्य में आगामी 2 जून तक आंधी, बारिश और ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। इस दौरान राज्य के विभिन्न हिस्सों में गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलने और कुछ स्थानों पर ओले गिरने की चेतावनी दी गई है।

पूर्वानुमान के अनुसार आज यानी 27 मई व 28 मई को राज्य में स्कैटरड मौसम की स्थिति बनी रहेगी, जिसका मतलब है कि कुछ क्षेत्रों में बारिश और तूफानी गतिविधियां हो सकती हैं। इन दो दिनों के दौरान राज्य के अलग-अलग हिस्सों में गरज-चमक के साथ बिजली गिरने और 40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। 27 और 28 मई को कुछ क्षेत्रों में ओलावृष्टि भी हो सकती है। इसे लेकर ओरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

29 मई से मौसम में और ज्यादा सक्रियता आने की संभावना है। इस दिन से लेकर 2 जून तक मौसम विभाग ने फैली हुई बारिश की स्थिति जताई है। इन पांच दिनों के दौरान भी गरज-चमक के साथ बिजली गिरने और 50-60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। हालांकि इस अवधि में ओलावृष्टि की संभावना नहीं जताई गई है।

मौसम विभाग की चेतावनी के मद्देनजर किसानों को सलाह दी गई है कि वे मौसम साफ होने तक फसलों की कटाई और अन्य कृषि कार्यों को स्थगित रखें। वहीं पर्यटकों को भी सुझाव दिया गया है कि वे पहाड़ी क्षेत्रों की यात्रा से पहले मौसम की जानकारी जरूर ले लें और सावधानी बरतें।

मौसम विभाग ने लोगों को चेताया है कि आंधी-तूफान और बिजली गिरने के दौरान खुले स्थानों पर न जाएं। किसानों को सलाह दी गई है कि वे खेतों में विद्युत उपकरणों का उपयोग न करें और बारिश से पहले फसलें सुरक्षित स्थान पर रख लें। तेज हवाओं के चलते पेड़ों के गिरने और कमजोर संरचनाओं को नुकसान पहुंचने की आशंका भी जताई गई है।

इस बीच बीते 24 घण्टों के दौरान राज्य में कहीं भी बारिश व बर्फबारी नहीं हुई। हालांकि आज मंगलवार को शिमला सहित राज्य के अधिकांश हिस्सों में बादल छाए हुए हैं।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

नायब सैनी ने की दुर्घटना में मृत्यु होने पर आयुष योग सहायकों के परिवारों को 3-3 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा

अब पंजीकृत होंगे योग व प्राकृतिक चिकित्सक, इसी वर्ष से होगी शुरूआत

संवाददाता
चंडीगढ़

- स्कूलों में योग, खेल व अन्य विषयों को शामिल कर पाठ्यक्रम में जोड़कर परीक्षाओं का भी होगा आयोजन
- पंचकूला में मनाया गया योग महोत्सव, मुख्यमंत्री ने सूर्य नमस्कार 2025 के 264 प्रतिभागियों को किया सम्मानित
- मुख्यमंत्री ने आयुष विभाग में पारदर्शिता के लिए लॉन्च किए तीन पोर्टल

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्य करने वाले आयुष योग सहायकों की सेवा के दौरान दुर्घटना में मृत्यु होने पर उनके परिजनों को अपने ऐच्छिक कोष से तीन-तीन लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की। इसके अलावा, उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि अब योग व प्राकृतिक चिकित्सकों का भी पंजीकरण किया जाएगा, इसकी इसी वर्ष से शुरूआत की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने स्कूलों में पहली से 10वीं कक्षा तक योग को पाठ्यक्रम के रूप में शामिल किया हुआ है। अब एक कदम और आगे बढ़ाते हुए योग, खेल व अन्य विषयों को सम्मिलित करते हुए पाठ्यक्रम में शामिल कर औपचारिक रूप से इनकी परीक्षाएं भी आयोजित की जाएंगी। इससे बच्चों को बचपन से ही योग को समझने और जीवन का हिस्सा बनाने की प्रेरणा मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने ये घोषणाएं आज पंचकूला में आयोजित भव्य योग महोत्सव के दौरान की। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से ह्यसूर्य नमस्कार अभियान 2025ह्ल के 264 उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया। इस मौके पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और आयुष मंत्री कुमारी आरती सिंह राव भी उपस्थित रहीं।

मुख्यमंत्री ने विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल, स्वस्थ और सफल भविष्य की कामना की और कहा कि यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि हरियाणा की मिट्टी में प्रतिभा और परिश्रम की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि सूर्य नमस्कार अभियान 2025 में योग संस्थानों, आयुष योग सहायकों, शैक्षणिक संस्थाओं, जेल विभाग, पुलिस, सेना और अर्ध सैनिक बलों की भागीदारी रही, जो हमारे लिए गौरव की बात है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने आयुष विभाग में और अधिक पारदर्शिता लाने के लिए 3 पोर्टल - ई-मार्केट प्लेस पोर्टल, आयुष औषधि इन्वेंटरी पोर्टल और ई औषधि लाइसेंसिंग पोर्टल भी लॉन्च किये। इनमें ई-मार्केट प्लेस पोर्टल के माध्यम से औषधीय पौधे तैयार करने वाले किसान, स्टाकिट्स आदि अपना पंजीकरण कर सकेंगे।

उनसे कोई भी व्यक्ति औषधीय पौधों की खरीद कर सकेगा। आयुष औषधियों की प्रबंधन प्रणाली पर आयुष विभाग के अधिकारी औषधियों की मांग कर सकते हैं और स्टॉक अपडेट देख सकते हैं। इसके अलावा, लाइसेंसिंग पोर्टल पर नये अथवा लोन लाइसेंस प्राप्त करने, पुराने लाइसेंस के नवीनीकरण आदि के लिए आवेदन किया जा सकेगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का यह योग महोत्सव एक विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह आगामी 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025 से ठीक 25 दिन पहले आयोजित किया जा रहा है। आज ऐसे 264 लोगों को सम्मानित किया गया है, जिन्होंने हाल ही में संपन्न हुए 'सूर्य नमस्कार 2025' अभियान में अपने असाधारण प्रदर्शन से हम सभी को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि सूर्य नमस्कार अभियान स्वामी विवेकानंद जयंती 12 जनवरी से आरम्भ हुआ था और महर्षि दयानद सरस्वती जी की जयंती 12 फरवरी को इसका समापन हुआ। इसमें 46 लाख लोगों ने भागीदारी की।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज योग न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में लोगों के जीवन का हिस्सा बन चुका है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों का परिणाम है कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया। उस दिन प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने की पहली व सच्ची पहल की गई थी। उस समय 177 देशों ने भारत की इस पहल में अपना सहयोग दिया था और आज पूरी दुनिया योग को अपना रही है। उन्होंने कहा कि इस समय योग प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'फिट इंडिया-हिट इंडिया' के नारे को साकार करने का माध्यम बन रहा है। आज हमारे व पूरी दुनिया के लिए योग केवल पार्ट ऑफ लाइफ नहीं है, बल्कि योग अब वे ऑफ लाइफ बन रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि एक जीवन शैली है। यह हमारे ऋषियों की वह अनमोल देन है, जिसे उन्होंने हजारों वर्षों की तपस्या और आत्म-अनुभव से प्राप्त किया। भगवान श्रीकृष्ण जी ने गीता में योग के बारे में कहा है- 'योगः कर्मसु कौशलम्' अर्थात योग से कर्मों में कुशलता आती है। योग का अर्थ है- जुड़ना, अर्थात शरीर, मन और आत्मा का परमात्मा से जुड़ाव ही योग है। आज का यह महोत्सव भी योग के महत्व को समझने और योग को जीवन में आत्मसात करने का है। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार योग को लगातार महत्व दे रही है। हमारा ध्येय है कि हरियाणा न केवल औद्योगिक और कृषि विकास में अग्रणी हो, बल्कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी एक मॉडल राज्य बने। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में योग हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। इस दिशा में प्रदेश के स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में भी योग सिखाया जा रहा है। हमने पहली से 10वीं कक्षा तक योग शिक्षा को अनिवार्य विषय के रूप में शामिल किया है।

हरियाणा एकमात्र राज्य हैं जहाँ योग को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया हैं। हमने शिक्षा विभाग के 25 हजार कर्मियों को योग शिक्षक बनाया है। इतना ही नहीं, योग को बढ़ावा देने के लिए 'हरियाणा योग आयोग' का गठन किया गया है। योग एवं आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए कुरुक्षेत्र में श्रीकृष्णा आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है।

उन्होंने कहा कि पंचकूला में राष्ट्रीय आयुर्वेद योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, गांव देवरखाना जिला झज्जर में पोस्ट ग्रेजुएट योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा एवं अनुसंधान संस्थान की स्थापना की गई है। इसमें ओ.पी.डी. की सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार योग को बढ़ावा देने के लिए राज्य के 6500 गांवों में व्यायामशालाएं खोलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके लिए 1121 जगहों को चिह्नित किया गया है। इनमें से 714 व्यायामशालाओं का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है। इन व्यायामशालाओं में 877 आयुष योग सहायकों की नियुक्ति की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत राज्य में सभी आयुर्वेदिक औषधालयों को आयुष हैल्थ एण्ड वैलनेस सेंटर में अपग्रेड करने का निर्णय लिया गया है। अब तक 506 आयुर्वेदिक औषधालयों व उपस्वास्थ्य केन्द्रों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर में अपग्रेड कर दिया गया है। इन आयुष हैल्थ एण्ड वैलनेस सेंटर में 126 योग इंस्ट्रक्टर की नियुक्ति की जा चुकी है।

योग को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएं

उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे योग को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएं। इसे केवल एक घंटे का व्यायाम न समझें, बल्कि इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें, इसे अपनी आदत बनाएं। प्रतिदिन कुछ समय योग, प्राणायाम और ध्यान के लिए अवश्य निकालें। इससे न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे, बल्कि मानसिक रूप से भी अधिक शांत, केंद्रित और प्रसन्न महसूस करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने लेखिका मधु पंडित की पुस्तक द डेली पॉज झ्र ए मेडिटेशन डायरी फॉर बिजी लाइव्स का विमोचन किया। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने हरियाणा योग आयोग द्वारा प्रकाशित 2 मैगजीन - योग साधना से विश्व कल्याण और सूर्य नमस्कार विशेषांक तथा स्मारिका का भी विमोचन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और आयुष मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि आज का यह योग महोत्सव 2025 का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह देखकर अत्यंत संतोष होता है कि हरियाणा के नागरिक योग के महत्व को न केवल समझ रहे हैं, बल्कि उसे अपने जीवन में उतार भी रहे हैं। उन्होंने कहा कि योग, भारत की प्राचीनतम और बहुमूल्य परंपरा है, जो केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मानसिक और आत्मिक शांति का भी मार्ग है। यह हमारी संस्कृति की पहचान है, जिसे आज पूरा विश्व अपनाने लगा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रयासों से जब से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुरूआत हुई है, तब से हर वर्ष करोड़ों लोग इससे जुड़ते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आयुष विभाग और हरियाणा योग आयोग के अथक प्रयासों से प्रदेश में योग शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हर गांव, हर शहर में योग प्रशिक्षकों की उपलब्धता हो, और लोग नियमित योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर संकल्प लें कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को भव्यता के साथ मनाएं और योग को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग और आयुष विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधीर राजपाल ने कहा कि आज का यह योग महोत्सव 2025 अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून से 25 दिन पहले मनाया जा रहा है। इसका अभिप्राय यही है कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की रूपरेखा है को आज से शुभारंभ कर दिया है। मुख्यमंत्री ने आयुष विभाग को निर्देश दिया है कि 21 जून का अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम अभूतपूर्व होना चाहिए, जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने योग दिवस को केवल एक कार्यक्रम का रूप नहीं, बल्कि जन आंदोलन बनाने का मार्गदर्शन दिया है। हरियाणा योग आयोग के अध्यक्ष डॉ जयदीप आर्य ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का स्वागत करते हुए कहा कि योग का गौरव बढ़ाने में मुख्यमंत्री की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि हरियाणा का भविष्य सशक्त हाथों में है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने प्रयासों से योग को पूरे विश्व तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्राकृतिक चिकित्सा की भूमि है और योग को प्राकृतिक चिकित्सा के साथ जोड़कर योग सहायकों और बच्चों को विदेशों में भेजा जा सकता है। इसके अलावा, योग शिक्षकों को भी विदेशों में भेजने की संभावनाएं तलाशी जाएं। उन्होंने कहा कि हरियाणा एक मात्र राज्य है, जहां योग को स्कूलों में पाठ्यक्रम में जोड़ा गया है। कार्यक्रम में आयुष विभाग के महानिदेशक श्री संजीव वर्मा और हरियाणा योग आयोग के उपाध्यक्ष श्री रोशन लाल सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा आयोजित नवीन संकल्प शिविरों में 128 लोगों ने लिया सुविधाओं का लाभ

अनिल गोयल
लाडवा

सांसद नवीन जिन्दल द्वारा कुरूक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के लोगों के लिए नवीन संकल्प शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। आज लाडवा हल्के के गांव बपदा और बपदी में पहुंच कर लोगों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाया गया व अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। इन नवीन संकल्प शिविरों में मोबाइल मेडिकल युनिटों में, एमबीबीएस डॉक्टरों द्वारा परामर्श और जांच के बाद निःशुल्क दवाइयां वितरित की जाती है। इस मौके पर रक्त और युरिन के टेस्ट भी किये जाते हैं साथ ही लोगों को आधार कार्ड, पैंशन और नवीन जिन्दल यशस्वी छात्रवृत्ति योजना के बारे में लोगों को लाभान्वित करने का प्रयास किया जाता है। सांसद नवीन जिन्दल के कार्यालय प्रभारी श्री धर्मवीर सिंह ने बताया कि आज दोनों गांवों के नवीन संकल्प शिविरों में 128 लोगों को उपरोक्त तमाम तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है।

उल्लेखनीय है कि सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा स्वस्थ कुरुक्षेत्र अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत लोगों को निःशुल्क दवाइयां, परामर्श और खान-पान से संबंधित स्वास्थ्यवर्धक आदतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके साथ-साथ नवीन संकल्प शिविरों में सरकारी सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ कैसे लें और नवीन जिन्दल छात्रवृत्ति योजना का लाभ कैसे उठाएं। यह तमाम तरह की जानकारियां इन नवीन संकल्प शिविरों में दी जाती है।

हरियाणा में दो आईएएस और 39 एचसीएस अधिकारियों के तबादले

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए, तत्काल प्रभाव से दो आईएएस और 39 एचसीएस अधिकारियों के तबादला और नियुक्ति आदेश जारी किए हैं।

आईएएस अधिकारी अंकित कुमार चौकसे को उपमंडल अधिकारी (नागरिक), झज्जर तथा शास्वत सांगवान को उपमंडल अधिकारी (नागरिक), बराड़ा लगाया गया है। एचसीएस अधिकारियों में विवेक पदम सिंह को मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग का कंट्रोलर और विशेष सचिव बनाया गया है। उन्हें हरियाणा राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग तथा हरियाणा विमुक्त घुमंतू जाति विकास बोर्ड का सदस्य सचिव भी लगाया गया है।

डॉ. सरिता मलिक को हरियाणा सूचना का अधिकार आयोग का सचिव जबकि वत्सल वशिष्ठ को अतिरिक्त उपायुक्त एवं नागरिक संसाधन सूचना अधिकारी, गुरुग्राम नियुक्त किया गया है।

जग निवास को अतिरिक्त उपायुक्त एवं नागरिक संसाधन सूचना अधिकारी, झज्जर जबकि सुशील कुमार-1 को अतिरिक्त उपायुक्त एवं नागरिक संसाधन सूचना अधिकारी, महेंद्रगढ़ का कार्यभार सौंपा गया है।

वीरेंद्र सिंह सहारावत को जिला नगर आयुक्त, सिरसा और सतबीर सिंह को अतिरिक्त उपायुक्त एवं नागरिक संसाधन सूचना अधिकारी, फरीदाबाद तथा एपीजेड फरीदाबाद का विशेष अधिकारी लगाया गया है।

वंदना दिसोदिया को कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग में अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) तथा डॉ. सुशील कुमार-2 को जिला नगर आयुक्त, कैथल की जिम्मेदारी दी गई है।

दलबीर सिंह को जिला नगर आयुक्त, नूंह जबकि अश्वनी मलिक को खेल एवं युवा मामले विभाग में अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) लगाया गया है।

ममता को अतिरिक्त निदेशक, मॉडल संस्कृत स्कूल तथा विजेंद्र हुड्डा को आयुष विभाग में अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) का दायित्व सौंपा गया है।

रवींद्र यादव और मनीष कुमार लोहान को नगर निगम, गुरुग्राम में अतिरिक्त आयुक्त लगाया गया है।

जितेंद्र कुमार-3 को उपमंडल अधिकारी (नागरिक), तावडू तथा भारत भूषण को पंचकूला महानगर विकास प्राधिकरण का जॉइंट सीईओ नियुक्त किया गया है।

संजीव कुमार को उपमंडल अधिकारी (नागरिक), बादशाहपुर लगाया गया है जबकि नगर निगम, रोहतक में संयुक्त आयुक्त तथा भूपेंद्र सिंह को पीजीआईएमएस रोहतक में संयुक्त निदेशक (प्रशासन) का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

श्वेता सुहाग को सहकारी चीनी मिल, रोहतक का प्रबंध निदेशक तथा शंभू को जिला परिषद और डीआरडीए, कुरुक्षेत्र का सीईओ नियुक्त किया गया है।

आशीष कुमार को उपमंडल अधिकारी (नागरिक), रोहतक; हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, रोहतक का सम्पदा अधिकारी; भूमि अधिग्रहण अधिकारी, रोहतक तथा गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा, रोहतक का प्रशासक लगाया गया है।

सुरेंद्र सिंह-3 को माध्यमिक शिक्षा विभाग में संयुक्त निदेशक (प्रशासन) तथा स्कूल शिक्षा विभाग में उप सचिव जबकि मनदीप कुमार को उपमंडल अधिकारी (नागरिक), पानीपत की जिम्मेदारी दी गई है।

सुरेश रवीश को जिला परिषद तथा डीआरडीए, कैथल का सीईओ जबकि डॉ. नरेश कुमार को नगर निगम, गुरुग्राम का संयुक्त आयुक्त लगाया गया है।

हितेंद्र कुमार को नगर निगम, मानेसर का संयुक्त आयुक्त और मीतू धनखड़ को नगर निगम, सोनीपत का संयुक्त आयुक्त लगाया गया है।

नवदीप सिंह को उपमंडल अधिकारी (नागरिक), इसराना जबकि संजीव कुमार को माध्यमिक शिक्षा विभाग में संयुक्त निदेशक (प्रशासन) और स्कूल शिक्षा विभाग में उप सचिव का दायित्व सौंपा गया है।

सहकारी चीनी मिल, महम के प्रबंध निदेशक मुकुंद को उपमंडल अधिकारी (नागरिक), महम का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। शिवजीत भारती को उपमंडल अधिकारी (नागरिक), नारायणगढ़ तथा नारायणगढ़ चीनी मिल, नारायणगढ़ का सीईओ एवं कार्यकारी निदेशक लगाया गया है।

अखिलेश कुमार को उपमंडल अधिकारी (नागरिक), दक्षिण गुरुग्राम लगाया गया है। अमित को सामाजिक न्याय अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग कल्याण तथा अन्त्योदय (सेवा) विभाग में संयुक्त निदेशक (प्रशासन) नियुक्त किया गया है।

गौरव चौहान को नगर निगम, पंचकूला का संयुक्त आयुक्त जबकि हरप्रीत कौर को सूचना, जन संपर्क एवं भाषा विभाग में संयुक्त निदेशक (प्रशासन) तथा उप सचिव लगाया गया है।

विश्वजीत सिंह को केश कला एवं कौशल विकास बोर्ड के सदस्य सचिव और हरियाणा सफाई कर्मचारी आयोग के सचिव का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

नीरज शर्मा को उच्च शिक्षा विभाग में संयुक्त निदेशक (प्रशासन) और उप सचिव जबकि हनी बंसल को राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकरण का सचिव नियुक्त लगाया गया है।]

इससे एनएबीआई मोहाली और विश्वविद्यालय के बीच नवाचार और सहयोग की भावना बढ़ेगी

डीसीआरयूएसटी मुरथल के जैव प्रौद्योगिकी छात्रों के लिए एनएबीआई, मोहाली में एक्सपोजर विजिट

संवाददाता
चंडीगढ़

दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल (सोनीपत) के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के एमएससी/बीटेक के 28 छात्रों व 1 शोध छात्र ने एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अदिति आर्य के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने 26 मई को राष्ट्रीय कृषि खाद्य जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, मोहाली का दौरा किया।

सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय कृषि-खाद्य जैव प्रौद्योगिकी संस्थान (एनएबीआई) भारत का पहला कृषि-खाद्य जैव प्रौद्योगिकी संस्थान है, जिसकी स्थापना 18 फरवरी, 2010 को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा की गई थी। मोहाली में एनएबीआई का दौरा करने वाले छात्रों को सीखने का एक मूल्यवान अनुभव हुआ। इस यात्रा का उद्देश्य छात्रों को कृषि और खाद्य जैव प्रौद्योगिकी में अत्याधुनिक शोध से अवगत कराना था, छात्रों ने इस अनुभव को ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक पाया, क्योंकि इससे उन्हें कक्षा में सीखने से परे व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ।

उन्होंने बताया कि यह यात्रा निश्चित रूप से कृषि जैव प्रौद्योगिकी और खाद्य एवं पोषण जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और अनुसंधान में नवीनतम प्रगति के बारे में ज्ञान और समझ को बढ़ाएगी। इसका उद्देश्य एनएबीआई मोहाली और विश्वविद्यालय के बीच नवाचार और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना भी है। तकनीकी शिक्षा निदेशालय, पंचकूला से अतिरिक्त निदेशक श्री अनिल कुमार सेहरावत और संयुक्त निदेशक श्री बलवान सिंह की ओर से एक्सपोजर विजिट का समन्वय किया गया। वैज्ञानिक-डी डॉ. अमित कुमार राय और वैज्ञानिक-सी डॉ. संजना नेगी ने एनएबीआई मोहाली की ओर से विजिट का समन्वय किया।

उन्होंने बताया कि तकनीकी शिक्षा विभाग, हरियाणा ने उच्चतर शिक्षा के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विनीत गर्ग और तकनीकी शिक्षा महानिदेशक श्री प्रभजोत सिंह के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और रोजगार में सुधार लाने के लिए विभिन्न पहल की है। तकनीकी शिक्षा विभाग ने सरकारी पॉलिटेक्निक और सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों के शिक्षण संकाय के लिए आईआईटी, दिल्ली में एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया। हरियाणा के उच्च शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने 10 फरवरी, 2025 को आईआईटी, दिल्ली के एक्सपोजर विजिट के लिए सरकारी पॉलिटेक्निक और सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों के 60 शिक्षण संकाय के पहले प्रतिनिधियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल सह प्रशिक्षण और प्लेसमेंट अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ व्याख्याता, सरकारी पॉलिटेक्निक के व्याख्याता और एसोसिएट प्रोफेसर, प्रशिक्षण और प्लेसमेंट अधिकारी और सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों के सहायक प्रोफेसरों सहित 380 से अधिक शिक्षण संकाय सदस्यों ने फरवरी/मार्च/अप्रैल 2025 के दौरान सरकारी पॉलिटेक्निक और एसआईईटी से चरणबद्ध तरीके से आईआईटी, दिल्ली का दौरा किया। एक्सपोजर विजिट का उद्देश्य प्रतिभागियों को आईआईटी, दिल्ली के अत्याधुनिक शोध, तकनीकी प्रगति और अकादमिक उत्कृष्टता के बारे में गहन जानकारी प्रदान करना है।

हरियाणा के तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 24 छात्रों और पन्नीवाला मोटा (सिरसा), नीलोखेड़ी (करनाल) और जैनाबाद (रेवाड़ी) के राज्य इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के तीन संकाय सदस्यों के लिए 24 अप्रैल, 2025 को सेमी-कंडक्टर प्रयोगशाला (एससीएल) मोहाली में एक्सपोजर विजिट की व्यवस्था की गयी। एससीएल इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार के तहत एक स्वायत्त निकाय है, जो देश में एकमात्र एकीकृत उपकरण विनिर्माण सुविधा है जो एप्लिकेशन विशिष्ट एकीकृत सर्किट (एएसआईसी), ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस और माइक्रो इलेक्ट्रो मैकेनिकल सिस्टम (एमईएमएस) डिवाइस के विकास के लिए डिजाइन, निर्माण, असेंबली, पैकेजिंग, परीक्षण और विश्वसनीयता आश्वासन सहित एंड-टू-एंड समाधान प्रदान करती है।

उल्लेखनीय है कि हमारा विभाग भी इस तरह के दौरे की प्रक्रिया में है और विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों जैसे सीएसआईआर-केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन, चंडीगढ़, इसरो अहमदाबाद परिसर, एसटीपीआई-सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया, गुरुग्राम और सीएसआईआर-आईएमटेक, चंडीगढ़ के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर रहा है।

संक्षिप्त-समाचार

सुगनी देवी स्कूल के के प्रभजोत सिंह को मिला बेस्ट बॉलर का अवार्ड : पूजा छाबड़ा

लाडवा। लाडवा के सुगनी देवी आर्य गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्रधानाचार्या पूजा छाबड़ा ने हर्ष के साथ बताया कि हर बार की तरह इस बार भी हमारा स्कूल खेलों के क्षेत्र में अव्वल रहा कैथल में पहली सुपर सेवन क्रिकेट सब जूनियर स्टेट चैंपियनशिप आयोजित की गई जिसमें 15 जिलों के बच्चों ने भाग लियो इस चैंपियनशिप में सुगनी देवी स्कूल के आठवीं कक्षा के प्रभजोत सिंह को बेस्ट बॉलर का अवार्ड मिला, परीक्षित, अरनव, योगेश, निकुंज, देव, हरमनदीप सिंह शिवम कुमार ,मीयूष, परीक्षित, करण और हर्ष ने द्वितीय स्थान प्राप्त करते हुए एक ट्रॉफी और सिल्वर मेडल जीतकर अपने स्कूल व परिवार का नाम रोशन कियो बच्चों की इस उपलब्धि पर प्रबंधक कमेटी, प्रधानाचार्या, उप प्रधानाचार्या, कोऑर्डिनेटरस और सभी अध्यापकों ने हार्दिक शुभकामनाएं दी अंत में प्रधानाचार्या ने बच्चों के माता-पिता को भी शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की ।

संपादकीय

विकसित भारत के लक्ष्य के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सुव्यवस्थित एकीकृत शहरी नेटवर्क बनाने की जरूरत

इस में कोई दो राय नहीं है कि भारत वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है। इस महत्वाकांक्षा को साकार करने के लिए एक मजबूत, सुव्यवस्थित और एकीकृत शहरी नेटवर्क की आवश्यकता है। परंतु वर्तमान में देश की शहरी विकास रणनीति दो परस्पर विरोधी प्रतिमानों–ग्रीनफील्ड शहर (जैसे अमरावती) और ब्राउनफील्ड सुधारों–के बीच उलझी हुई प्रतीत होती है। इससे योजना और निवेश में भ्रम की स्थिति बनी हुई है, जिससे अनियंत्रित शहरी विस्तार, अवसंरचना पर बढ़ता दबाव और शासन की जटिलताएं उत्पन्न हो रही हैं। आइये समझते हैं भारत में तीव्र शहरी विकास के प्रमुख कारकों के बारे में। जनांकिकीय बदलाव और ग्रामीण-शहरी प्रवासनः भारत में बढ़ती शहरी जनसंख्या और बेहतर जीवन की चाहत ने ग्रामीण क्षेत्रों से बड़े पैमाने पर शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन को प्रोत्साहित किया है। 2011 में शहरी जनसंख्या 31% थी, जो 2036 तक 40% तक पहुँचने का अनुमान है–यानी लगभग 600 मिलियन लोग। यह शहरों पर आवास, रोजगार, परिवहन और जल आपूर्ति जैसी मूलभूत सेवाओं की मांग को बढ़ा रहा है। आर्थिक संरचना में बदलावः कृषि से उद्योग और सेवा क्षेत्र की ओर संक्रमण के चलते शहरी केंद्र आर्थिक गतिविधियों के केंद्र बनते जा रहे हैं। वर्तमान में भारत के शहर जी डी पी का लगभग 63% योगदान दे रहे हैं, जो 2030 तक बढ़कर 75% हो सकता है। स्मार्ट सिटी मिशन और अमृत जैसी योजनाएं, टियर-2 और टियर-3 शहरों को सशक्त कर रही हैं। सशक्त सरकारी योजनाएः भारत सरकार की कई योजनाएं जैसेझ्स्मार्ट सिटी मिशन (8000+ परियोजनाएं), अमृत. पी एम ओ वाई-आर्बन-शहरों को आधुनिक, टिकाऊ और नागरिकोन्मुखी बनाने की दिशा में काम कर रही हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य शहरों को केवल आवास और सेवाओं का केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक समावेशन और नवाचार का केंद्र बनाना है। तकनीकी नवाचार और स्मार्ट समाधानः शहरों में अब ए आई, आई ओ टी और बिग डाटा एनालीटिक्स जैसी तकनीकों का उपयोग बढ़ा है। पुणे की सी एन जी बस सेवा, वडोदरा का एकीकृत कमांड सेंटर–शहरी प्रबंधन को डिजिटल बना रहे हैं। स्मार्ट जल/अपशिष्ट प्रबंधन और डिजिटल ट्रैफिक सिस्टम, संवहनीय शहरीकरण के रास्ते खोलते हैं। शहरीकरण को विकास रणनीति में शामिल करना की बात करें तो भारत की 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का सपना शहरों के बिना अधूरा है। 'वोकल फॉर लोकल' और स्टार्टअप इंडिया जैसे अभियानों के जरिए, शहरों को स्थानीय नवाचार केंद्र के रूप में उभारने का प्रयास जारी है। भारत के शहरी विकास की प्रमुख समस्याएं भी हैं जैसे बुनियादी अवसंरचना की कमीः तेजी से बढ़ती जनसंख्या के अनुपात में अवसंरचना का विकास नहीं हो पा रहा है। शहरों में आवास, साफ पानी, स्वच्छता और सार्वजनिक परिवहन की भारी कमी है। 2011-18 के बीच भारत ने शहरी अवसंरचना में जी डी पी का औसतन 0.6% निवेश किया, जबकि न्यूनतम आवश्यकता 1.2% थी। खंडित योजना और विकास दृष्टिकोणः भारत की शहरी नीति दो ध्रुवों पर झूलती है–ग्रीनफील्ड परियोजनाएं जैसे अमरावती और पारंपरिक शहरों का ब्राउनफील्ड विकास। यह खंडित दृष्टिकोण परिवहन लागत, भूमि उपयोग संघर्ष, और पर्यावरणीय गिरावट को जन्म देता है। सीमित वित्तीय संसाधनः भारत के शहरी स्थानीय निकाय वित्तीय दृष्टि से कमजोर हैं। शहरी अवसंरचना का 72% हिस्सा सरकारें फंड करती हैं, पर निजी भागीदारी महज 5% है। नगर निगम बॉन्ड, पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप और नवाचार आधारित वित्तीय उपकरण अब भी प्रारंभिक अवस्था में हैं। पर्यावरणीय तनावः भारत के कई शहर जल संकट, वायु प्रदूषण, अपशिष्ट प्रबंधन की असफलता, और जलवायु परिवर्तन की मार झेल रहे हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, 60 करोड़ लोग गंभीर जल संकट से जूझ रहे हैं। अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण (सूरत) और जल प्रबंधन (धरमपुरी) जैसे मॉडल बहुत सीमित हैं। डेटा और प्रौद्योगिकी में असमानताः स्मार्ट शहरीकरण के लिए आवश्यक डिजिटल डेटा संग्रह, निगरानी और विश्लेषण में देश अभी पिछड़ा है। इससे नीतिगत निर्णयों और वास्तविक जमीनी क्रियान्वयन में अंतर बना रहता है। गर हम इनके समाधान पर गौर करें तो इसके लिए एकीकृत राष्ट्रीय शहरी रणनीति की आवश्यकता महसूस होती दिखती है। शहरी विकास का पुनर्गठनः भारत को चाहिए कि वह एकीकृत शहरी नेटवर्क की कल्पना को साकार करे–जो केवल महानगरों पर आधारित न हो, बल्कि टियर-2 और टियर-3 शहरों को भी साथ ले। इस नेटवर्क को आर्थिक, सामाजिक और पारिस्थितिक रूप से टिकाऊ बनाया जाए। नीति और नियोजन का समन्वयः मल्टी-लेवल प्लानिंग फ्रेमवर्क तैयार किया जाए जो राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय स्तरों पर परस्पर जुड़ा हो। शहरों में लैंड यूज प्लानिंग, मास ट्रांजिट, डिजिटल सर्विस डिलीवरी और हरित विकास का समन्वय आवश्यक है। वित्तीय नवाचारः नगर निगम बांड, इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट और पी पी पी मॉडल को बढ़ावा दिया जाए। निजी निवेश को आकर्षित करने के लिए स्थिर नीतिगत माहौल और जोखिम में कमी लाना अनिवार्य है। पर्यावरणीय स्थायित्वः हर शहर में एकीकृत पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली की स्थापना की जाए। जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, हरित आवास और कार्बन न्यूट्रल इनिशिएटिव पर बल दिया जाए। डिजिटल सशक्तिकरण और स्मार्ट गवर्नेंसः शहरों को डेटा-संचालित निर्णय प्रणाली के साथ जोड़ना होगा। नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु डिजिटल मंचों और मोबाइल ऐप का विस्तार जरूरी है। भारत का विकसित राष्ट्र बनने का सपना तभी साकार होगा जब हमारे शहर सुनियोजित, सशक्त, समावेशी और संवहनीय बनेंगे। इसके लिए केवल नवाचार और पूंजी निवेश ही नहीं, बल्कि एक दृढ़, समन्वित और एकीकृत राष्ट्रीय शहरी नीति की आवश्यकता है। शहरों को आर्थिक विकास के इंजन, सांस्कृतिक विविधता के केंद्र और पर्यावरणीय संतुलन के प्रहरी के रूप में ढालना होगा। यदि भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प रखता है, तो उसे शहरीकरण को अवसर के रूप में देखते हुए, एकीकृत शहरी नेटवर्क की स्थापना को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना ही होगा।

आज का राशिफल

मेषः आज का दिन यात्राओं के लिहाज से अनुकूल है – विशेषकर यदि आप पर्यटन की योजना बना रहे हैं। शारीरिक रूप से आप ऊर्जावान महसूस करेंगे। पारिवारिक स्तर पर बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद और स्नेह मिलेगा। जमीन-जायदाद से जुड़े सौदों में लाभ के योग बन रहे हैं। हालांकि, आत्मसम्मान से जुड़े मुद्दों पर सतर्कता जरूरी है।

वृषभः आज आप कोई नया वाहन खरीदने का मन बना सकते हैं। स्वास्थ्य के लिहाज से दिन अनुकूल है। प्रेम संबंधों में भावनाओं की अधिकता रहेगी। कार्यस्थल पर सहकर्मी आपका सहयोग करेंगे। दिन के उत्तरार्ध में अचानक यात्रा की स्थिति बन सकती है।

मिथुनः सिरदर्द जैसी छोटी लेकिन परेशान करने वाली समस्या हो सकती है। भाई-बहनों के साथ तकरार संभव है, संयम से काम लें। जीवनसाथी के साथ समय बिताना आपके रिश्ते को बेहतर बनाएगा। सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी लाभदायक रहेगी। कार्यक्षेत्र में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं।

कर्कः आज जीवनसाथी की इच्छाओं को पूरा करने में आर्थिक खर्च संभव है। पारिवारिक स्थिति मजबूत रहेगी और आपकी बातों को महत्व मिलेगा। व्यापारिक मामलों में शानदार मुनाफा मिल सकता है। पुराने विवादों का अंत हो सकता है, जिससे मानसिक शांति मिलेगी।

सिंहः आप अपने करियर को नई दिशा देने की योजना बना सकते हैं। हालांकि, फिजूलखर्ची पर काबू पाना जरूरी होगा। दाम्पत्य जीवन में थोड़ी अनबन संभव है। प्रभावशाली व्यक्तियों से सम्पर्क भविष्य में लाभदायक हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें और विवादित मुद्दों से दूरी बनाकर रखें।

कन्याः अपनी प्रतिभा को निखारने का सुनहरा अवसर है। भविष्य की योजनाएं आज मन को आकर्षित करेंगी। रुका हुआ धन वापस मिलने की संभावना है। व्यावसायिक यात्राएं सफल होंगी। पारिवारिक वातावरण शांति से परिपूर्ण रहेगा और विदेश यात्रा के योग भी बन रहे हैं।

तुलाः आज आपको अपने खानपान और जीवनशैली पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। गर्दन या सर्वाइकल दर्द उभर सकता है। बातचीत में विनम्रता रखें और अनजान लोगों पर अत्यधिक भरोसा न करें। झूठे दिखावे से बचें, अन्यथा प्रतिष्ठा को नुकसान हो सकता है।

वृश्चिकः व्यवसायिक मामलों में अनुबंध करते समय सतर्क रहें। गले की समस्या या जलन आपको परेशान कर सकती है। व्यापारिक स्थिति थोड़ी धीमी रहेगी। पारिवारिक जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है। उच्च अधिकारियों से टकराव से बचें, अन्यथा नुकसान उठाना पड़ सकता है।

धनुः कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और सम्मान की प्राप्ति संभव है। संतान से जुड़ी समस्याएं दूर होंगी। आय में वृद्धि के संकेत हैं। मित्रों के साथ घूमने-फिरने का प्लान बन सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

मकरः राजनीति या प्रशासन से जुड़े लोगों को तरक्की मिल सकती है। दोस्तों के साथ आनंददायक समय बितेगा। परिवार की अपेक्षाओं पर आप खरे उतरेंगे। शुभ समाचार मिलने की संभावना है। बच्चों के साथ समय बिताना सकारात्मक ऊर्जा देगा।

कुंभः रोजगार के मामलों में थोड़ी अड़चनें आ सकती हैं। कर्ज लेने की नौबत भी आ सकती है। किसी अपरिचित पर अत्यधिक भरोसा आपको हानि पहुँचा सकता है। मन में बेचैनी और आत्मविश्वास की कमी महसूस हो सकती है।

मीनः आज आप कोई नया व्यवसाय शुरू करने का साहस कर सकते हैं। किसी जटिल समस्या का समाधान निकल सकता है। घर में शुभ कार्य या मांगलिक आयोजन के योग बन रहे हैं। दिन कुल मिलाकर आनंददायक रहेगा।

'हॉर्ट लैम्प' आप भी लिखिए, भले छोटा लिखिए

प्रभुनाथ शुक्ल (हि.स.)

साहित्य सिर्फ कोरी कल्पना या फंतासी नहीं। साहित्य जीवन का यथार्थ है और हर स्वांस में रचा बसा है। कन्नड़ लेखिका और सामाजिक कार्यकर्ता अधिवक्ता बानू मुश्ताक की अंग्रेजी में अनूदित कृति हॉर्ट लैम्प को बुकर पुरस्कार से नवाजा गया है। यह भारतीय भाषायी साहित्य के लिए बेहद गर्व और गौरव का विषय है। इससे यह साबित होता है कि लेखन किसी धर्म, भाषा, जाति और सीमा में बंधा नहीं है। आम तौर पर सर्वहारा वर्ग की पीड़ा एक जैसी होती हैं, उनकी जाति या धर्म कुछ भी हो। यह पुरस्कार भारतीय भाषाओं के लिए एक संजीवनी है। बुकर पुरस्कार भाषा के नाम पर लड़ने वाले एक सभ्य समाज के लिए साफ संदेश है। अगर भाषा का विभेद होता तो दीपा भस्थी की तरफ से कन्नड़ से अनूदित बानू मुश्ताक की सिर्फ 12 लघुकथाओं के संकलन हॉर्ट लैम्प को बुकर पुरस्कार से सम्मानित नहीं किया जाता। भाषा और साहित्य सीमा से बहुत दूर है। अब तक यह अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार छह भारतीय लेखकों को मिल चुका है। इसके लिए बानू मुश्ताक के साथ दीपा भी बधाई की पात्र हैं, क्योंकि यह उनकी पहली अनूदित कृति है जिसे यह सम्मान मिला है।

बानू मुश्ताक दक्षिण भारतीय लेखिका हैं। बानू मूलरूप से कन्नड़ में अपना लेखन करती हैं। बानू को जो बुकर पुरस्कार मिला है वह कन्नड़ में लिखी उनकी लघुकथा संग्रह से चुनी कुछ लघुकथाओं के अंग्रेजी अनुवाद पर दिया गया है। उन्होंने कुल छह लघुकथा संग्रह, एक उपन्यास, एक निबंध और एक कविता संग्रह लिखा है। उनकी रचनाओं का अनुवाद हिंदी, तमिल, मलयालम और उर्दू में किया गया है। उन्हें इसके अलावा और भी पुरस्कार मिले हैं। साहित्य में सबसे अहम सवाल है कि आप कितना लिख रहे हैं यह मायने नहीं रखता है। वजूद इस बात का है कि आप क्या लिख रहे हैं। लिखा तो बहुत कुछ जा रहा है या बहुत कुछ लिखा गया है, लेकिन सबको बुकर नहीं मिला। बुकर को ध्यान में रखकर लिखना भी संभव नहीं है, क्योंकि साहित्य कोई तकनीक नहीं एक जीवंत कला है जो बगैर जीवन के जीवंत नहीं होती। बानू लंकेश पत्रिका से भी जुड़ी थीं और उन्होंने बेंगलुरु में ऑल इंडिया रेडियो में भी काम किया।

बानू मुश्ताक (77) की स्कूली शिक्षा की शुरूआत भी कठिन चुनौतियों से हुई यही उनके लेखकीय जीवन की चुनौती बनी। उनका जन्म 1948 में कर्नाटक के मुस्लिम परिवार में हुआ था। शिवमोगा के कन्नड़ मिशनरी स्कूल में पिता के काफी प्रयास के बाद उनका दाखिला भी आठ साल की उम्र में इस शर्त पर हुआ था कि उन्हें छह माह में कन्नड़ को लिखना-पढ़ना आना चाहिए, नहीं तो स्कूल छोड़ना पड़ेगा। बानू एक मुस्लिम परिवार से रहीं जहां स्कूल की शर्त उनके लिए एक चुनौती थी, लेकिन उन्होंने कर दिखाया। मुश्ताक ने 1980 में मुस्लिम समाज में कट्टरता को कम करने के लिए काम किया। उन्होंने मस्जिदों में भी मुस्लिम महिलाओं के प्रवेश की वकालत किया जिसकी वजह से उनके परिवार का सामाजिक बहिष्कार भी हुआ। उन्हें जान से मारने की धमकियां भी मिलीं। हालांकि उन्होंने स्कूलों में मुस्लिम लड़कियों के हिजाब पहनने का समर्थन किया था, जिसका विवाद कर्नाटक के शिक्षा संस्थानों में आज भी मुद्दा है।

बानू मुश्ताक ने मुस्लिम समाज में औरतों और दूसरी समस्याओं को बड़ी गहराई से परखा। ऐसी समस्याओं ने उन्हें प्रभावित किया जिसे उन्होंने कहानी या लघुकथा का आधार बनाया। लिखने का शौक उन्हें बचपन से था, उनकी पहली कहानी 26 साल की उम्र में प्रजामाता में प्रकाशित हुई। इसके बाद लेखन की दुनिया में उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। जिस हॉर्ट लैम्प के लिए उन्हें अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार मिला है उसमें 1990 से 2023 तक की लघुकथाएं हैं। इनमें मुस्लिम समाज की महिलाओं का संघर्ष दिखाया गया है। अनुवादक दीपा भस्थी भी पहली भारतीय हैं जिन्हें यह सम्मान मिला है।

मुश्ताक की कहानियों का अनुवाद साल 2022 में पहली बार दीपा भस्थी ने अंग्रेजी में किया। इसमें उन्होंने हॉर्ट लैंप नाम से कन्नड़ से कुछ चुनी हुई कहानियों का अंग्रेजी में अनुवाद किया, जिन्हें बुकर पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया है। इस पुरस्कार में 50 हजार पाउंड की राशि लेखक को मिलती है। इसमें आधी राशि अंग्रेजी अनुवादक के हिस्से में जाती है। खास यह है कि बुकर पुरस्कार सिर्फ अंग्रेजी कृति या उस भाषा में अनूदित संग्रह को ही मिलता है। इसका मकसद साफ है कि अच्छा साहित्य सभी तक पहुंचना चाहिए, क्योंकि कि साहित्य की कोई सीमा नहीं होती है। भारतीय रुपये में इस पुरस्कार की कीमत 52.95 लाख होती है। मुश्ताक पहली कन्नड़ लेखिका हैं, जिन्हें बुकर पुरस्कार 2025 के लिए चुना गया। यह अनुवादक दीपा भस्थी के लिए भी गर्व का विषय है।

बुकर पुरस्कार के निर्णायक मंडल के अध्यक्ष मैक्स पोर्टर ने कहानियों की सराहना की है। उन्होंने कहा है कि हालांकि मुश्ताक की कहानियां स्त्रीवादी विचारधारा की पोषक हैं। पितृसतात्मक व्यवस्था का मुखर विरोध और प्रतिरोध है। लेकिन सबसे अहम बात है कि इसमें स्त्री के दैनिक जीवन के संघर्ष को बेहद उम्दा तरीके से प्रदर्शित किया गया है। यह अपने आपमें सबसे अलग है।

अब तक छह पूर्व भारतीय लेखकों को उनकी कृति के लिए अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार मिल चुका है। इनमें वीएस नायपॉल, सलमान रुश्दी, अरुंधती राय, किरण देशाई, अरविंद अडिगा और गीतांजली श्री को हिंदी उपन्यास के लिए 2022 में यह पुरस्कार मिला था। जबकि सबसे पहले 1971 में नायपॉल को मिला मिला था। बुकर की होड़ में पांच किताबें शामिल थीं जिसमें सोलेज की ऑन द कलकुलेशन ऑफ वैल्यूज, स्मॉल बोट की विसेंट डेलिक्रोइस्क, हीरोमी कावाकामी की अंडर द आई ऑफ द बिग बर्ड, डिसेंजो लैट्रिनिको की परफेक्शन और ऐरी सेरे की ए लैपर्ड स्किन हैट हैं। ऐसी स्थित में कन्नड़ से अंग्रेजी में अनूदित हॉर्ट लैम्प को बुकर मिलना गर्व की बात है।

बुकर पुरस्कार की स्थापना 1969 में इंग्लैंड की मैकोनल कम्पनी ने की थी। इस पुरस्कार का पूरा नाम मैन बुकर प्राइज फॉर फिक्शन है। इसमें लेखक और अनुवादक को निर्धारित 50 हजार पाउंड की राशि में आधा-आधा हिस्सा मिलता है। इस पुरस्कार का उदेश्य अच्छे साहित्य का विकास है। इसकी अवधारणा है कि किसी भी अच्छे साहित्य की कोई सीमा नहीं होती, बस उसके लिए मंच और माध्यम आवश्यक है। इसमें न लेखक की भाषा मायने रखती है न लेखक की जाति और धर्म। बस ! आप भी लिखते हैं तो कुछ अच्छा लिखिए, भले छोटा लिखिए या कम लिखिए।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

जेल की दीवारों पर कील-कांटों से लिख दी क्रांति

वीर सावरकर जयंती पर विशेष

डॉ. लोकेश कुमार (हि.स.)

अस्पृष्यता एक पाप है, मानवता पर एक धब्बा है और कोई भी इसे उचित नहीं ठहरा सकता । यह प्रसिद्ध पंक्ति विनायक दामोदर सावरकर की थी। वे एक स्वतंत्रता सेनानी, राजनीतिज्ञ, समाज सुधारक, वकील और हिन्दुत्व के दर्शन के सूत्रधार थे। सावरकर भारत के पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य के केन्द्र लंदन में ही उसके खिलाफ क्रांतिकारी आन्दोलन संगठित किया था। उन्होंने 1857 की क्रांति को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम बताते हुए 1907 में लगभग 1000 पृष्ठों का इतिहास लिख डाला। उन्होंने पुस्तक ' द हिस्ट्री ऑफ द वॉर ऑफ इंडिपेंडेस' लिखी थी, जिसको अंग्रेजों ने जब्त कर लिया था। कारण था कि उन्होंने ब्रिटिश सरकार की नीतियों का वर्णन किया था।

उनका जन्म 28 मई, 1883 को महाराष्ट्र के नासिक के पास एक छोटे से गांव भंगूर में हुआ। वे अपने बड़े भाई गणेश सावरकर के साथ मिलकर 1904 में 'अभिनव भारत' नामक संस्था का निर्माण किया। सावरकर ने पुणे के फर्ग्यूसन कॉलेज में एक छात्र के रूप में अपनी राजनीतिक भागीदारी जारी रखी। वे कट्टरपंथी राष्ट्रवादी नेता लोकमान्य तिलक से बहुत प्रभावित थे। तिलक भी इस युवा छात्र से इतने प्रभावित थे कि उन्हें लंदन में कानून की पढ़ाई के लिए 1906 में शिवाजी छात्रवृत्ति दिलाने में सहायता की। 1905 में बंगाल विभाजन के विरोध में दशहरे के दिन सावरकर ने विदेशी वस्तुओं की होली जलाकर स्वदेशी आन्दोलन की अलख जगाई। उन्होंने स्वतंत्रता के लिए बहुत संघर्ष किया और ब्रिटिश शासन के खिलाफ आवाज उठाई। सावरकर ने भारत को एक मजबूत और एकजुट राष्ट्र बनाने की अवधारणा दी, जिसे हिन्दुत्व की संज्ञा देने से भी पीछे नहीं हटे।

उन्होंने ' अखण्ड भारत ' की अवधारणा को भी आगे बढ़ाया, जो भारत को एक साथ रखने और एकीकरण की बात करती है। उन्होंने राष्ट्रवादी विचारों को बढ़ावा देने के लिए अपनी किशोरावस्था में ही 'मित्र मेला' युवा संगठन की स्थापना की थी, इसके माध्यम से अनेक उत्साही युवाओं को जोड़ने का काम किया था। मदनलाल धींगरा और लक्ष्मण कन्हरे जैसे क्रांतिकारियों के प्रेरणा स्रोत बने, जिन्होंने विलियम कर्जन वाइली और नासिक के जिला कलेक्टर की हत्या कर भारतीयों को उनके जुल्म से आजादी दिलाई थी। लंदन में श्यामला कृष्ण वर्मा के इंडिया हाउस को उन्होंने क्रांतिकारियों के ट्रैनिंग सेंटर में तब्दील कर दिया था। 13 मार्च, 1910 को उन्हें लंदन से गिरफ्तार किया गया । उन पर आरोप लगाया गया था कि उन्होंने हथियारों की खरीद और वितरण किया।

ब्रिटिश राज के खिलाफ युद्ध छेड़ने और देशद्रोही भाषण दिए। गिरफ्तारी के समय वे कई क्रांतिकारी ग्रंथ साथ ले जा रहे थे। जिनमें उनकी प्रतिबंधित पुस्तकें भी शामिल थीं। ब्रिटिश सरकार के पास इस बात के सबूत थे कि उन्होंने भारत में 20 ब्राउनिंग हैंडगन की तस्करी की थी, जिनमें से एक का इस्तेमाल अनंत लक्ष्मण कन्हेरे ने दिसम्बर, 1909 में नासिक जिले के कलेक्टर जैक्सन की हत्या करने में किया था।

गिरफ्तारी के बाद वे फ्रांस के मर्सेल्स में जहाज से सम्रुद में कूद कर भाग निकले थे। इसके बाद फिर अंग्रेज सरकार ने उनको गिरफ्तार कर लिया। 7 अप्रेल, 1911 में उन्हें कुख्यात अंडमान और निकोबार द्वीप जेल (जिसे कालापानी के नाम से भी जाना जाता है) में दो आजीवन कारावास की सजा सुनाई । उन्होंने जेल में ही 1922 में 'इसेंशियल ऑफ हिन्दुत्व' नामक पुस्तक की रचना की। आज इसे आधुनिक हिंदुत्व का एक प्रमुख आधार माना जाता है। वे 1924 में जेल से रिहा होने के बाद शेष जीवन हिन्दू समाज को संगठित करने, महिलाओं के जीवन का उत्थान करने, अस्पृष्यता मिटाने में खपा दिया। वे हिन्दुत्व को किसी जाति और कर्मकांड में बांधने का विरोध जताते थे। उनका मानना था कि हिन्दू धर्म एक जातीय, सांस्कृतिक और राजनीतिक पहचान है। हिन्दू वे हैं, जो भारत को अपनी भूमि मानते हैं, जिसमें उनके पूर्वज रहते थे। साथ ही वह भूमि जिसे वे षुद्ध या पुण्यभूमि मानते हैं वह जिसके लिए भारत पितभूमि और पवित्र भूमि दोनों हैं।

उन्होंने अस्पृष्यता के खिलाफ एक शक्तिशाली अभियान चलाया और रत्नागिरी जिले में पतित पावन मंदिर का निर्माण कराया। इसमें दलित समुदाय के लोगों सहित सभी हिन्दुओं का स्वागत किया गया। वे तर्कसगंत से पारंपरिक आडम्बरों का विरोध जताया। जाति व्यवस्था का विरोध जताते हुए 1931 में 'हिन्दू समाज की सात बेडियां' शीर्षक लिखे अपने निबंध में वे बताते हैं कि अतीत के ऐसे आदर्शों का सबसे महत्वपूर्ण घटक जिसे हम आंख मूंदकर मानते आए हैं और जो इतिहास के कूदेदान में फेंक दिए जाने योग्य हैं, वह है कठोर जाति व्यवस्था।

स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर जब अंडमान निकोबार द्वीप की जेल में थे, उनके पास लिखने के लिए कोई कागज और पेन नहीं था। ब्रिटिश सरकार ने उनके लिए कोई कागज उपलब्ध नहीं कराया। इसके बाद भी सावरकर ने हार नहीं मानी। उन्होंने देखा कि जेल की दीवारें सफेद रंग से पुती हुई हैं, उनके पास सन के कांटे और एक लोहे की कील थी। आजादी के मतवाले कहां रुकने वाले थे, उन्होंने दीवार पर कील और कांटे से अपने विचारों को दीवार पर लिखने लगे। जेल की एक-एक दीवार एक-एक ग्रंथ बन गई। उन्होंने स्पेंसर की अज्ञेय मीमांसा को युक्तिवाद क्रम से अंकित किया। कमला महाकाव्य की रचना उन्हीं दीवारों पर अंकित की। एक दीवार पर उन्होंने अर्थशास्त्र की महत्वपूर्ण परिभाषाएं लिखीं। हर माह कैदियों के कमरे बदले जाते थे। उनका मुख्य लक्ष्य यह था कि हर बार हर कमरे में महत्वपूर्ण विचार लिखे जाएं। उनके पढ़ने का सभी कैदियों को मौका मिले। कैदियों को नई-नई जानकारियां मिलती रहे। इन लेखों की उम्र एक साल होती थी। हर साल उनको दीवारों से पुताई करवाकर मिटा दिया जाता था। लेकिन सावरकर ने वे विचार कंठस्थ याद कर लिए थे। बहरहाल, यही कहा जा सकता है कि वीर सावरकर को वह सम्मान नहीं मिला, जो एक स्वतंत्रता सेनानी को मिलना चाहिए था। उनके देहांत पर महाराष्ट्र सरकार और केन्द्र सरकार ने शोक दिवस घोषित नहीं किया। लेकिन अब सरकार उनके किए गए स्वतंत्रता आन्दोलन को सामने लाने का प्रयास कर रही है। **(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं।)**

अंधड़, बारिश और चेतावनीः बदलता मौसम, बिगड़ता संतुलन

योगेश कुमार गोयल (हि.स.)

24-25 मई की रात उत्तर भारत के लिए एक बार फिर ऐसी रात बनकर आई, जिसने न केवल दिल्ली-एनसीआर बल्कि पूरे उत्तर भारत को झकझोरकर रख दिया। इस प्रचंड मौसमीय तांडव ने न केवल जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया बल्कि एक बार फिर यह संकेत दे दिया कि अब मौसम चक्रों में स्थायित्व नहीं रहा और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से हमारे सिर पर मंडरा रहा है। एक ओर जहां लोगों को चिलचिलाती गर्मी से थोड़ी राहत मिली, वहीं दूसरी ओर भीषण बारिश और तेज हवाओं ने जनजीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया। मई महीने में जब उत्तर भारत 44-45 डिग्री सेल्सियस की झुलसाने वाली गर्मी के लिए जाना जाता है, ऐसे समय में अचानक ऐसे तूफान, तेज बारिश और ओलावृष्टि जैसे दृश्य आमतौर पर मानसून के चरम काल में भी दुर्लभ होते हैं।

हालांकि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस तूफान से पहले ही रेड अलर्ट जारी कर दिया था परंतु तूफान की तीव्रता और व्यापक प्रभाव ने पारंपरिक मौसमी पूर्वानुमानों को भी पीछे छोड़ दिया। रविवार की देर रात तेज हवाओं ने पूरे दिल्ली-एनसीआर में अपना प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया। पश्चिम और उत्तर-पश्चिम दिशा से तेजी से बढ़ते तूफानी बादल महज कुछ ही घंटों में दिल्ली-एनसीआर की ओर आ गए। आसमान में अचानक तेज बिजली चमकने लगी, फिर गरज के साथ बारिश शुरू हुई और देखते ही देखते स्थिति एक शक्तिशाली तूफान में बदल गई। हवा की रफ्तार इतनी अधिक थी कि कई इलाकों में पेड़ उखड़ गए, ट्रैफिक सिग्नल गिर गए, बिजली के खंभे झुक गए और कई वाहनों को क्षति पहुंची। आईएमडी के अनुसार, इस दौरान हवा की गति 60 किमी प्रतिघंटा तक पहुंच गई थी और कुछ स्थानों पर तो यह इससे भी अधिक रिकॉर्ड की गई।

केवल दिल्ली ही नहीं, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम जैसे एनसीआर के प्रमुख शहरों में भी हालात कुछ अलग नहीं थे। गुरुग्राम में तेज हवा के कारण कई जगहों पर निमार्णाधीन साइटों की छतें उड़ गई जबकि नोएडा में एक निमार्णाधीन बिल्डिंग की क्रेन गिरने से दो लोग घायल हो गए। उत्तर भारत के अन्य भागों, जम्मू, पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड, राजस्थान में भी यह तूफान तबाही लेकर आया। जगह-जगह सैंकड़ों पेड़ उखड़ गए, जिससे कई जगहों पर सड़कों का संपर्क टूट गया। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में बादल फटने की घटना भी सामने आई, जहां सात वाहन बह गए और कई अन्य क्षतिग्रस्त हो गए। पंजाब में वर्षाजनित हादसों में कुछ लोगों की मौत की भी पुष्टि हुई। खेतों में काम कर रहे किसान तेज आंधी की चपेट में आ गए। इससे पहले 21 मई को भी शाम के समय अचानक दिल्ली-एनसीआर का मौसम बदल गया था और अचानक बदले मौसम के बीच भीषण आंधी-तूफान और ओलावृष्टि ने जमकर तबाही मचाई थी। तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि नोएडा, गाजियाबाद सहित देश के कई राज्यों में लोगों के लिए मुसीबत बन गया था। उस दौरान हुए हादसों में 7 लोगों की जान चली गई थी और दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि देशभर में करीब 26 लोगों की मौत होने की सूचना मिली थी। इस साल मई महीने की शुरूआत ही इसी प्रकार के अप्रत्याशित मौसमी बदलावों के साथ हुई थी। 2 मई की सुबह दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में तेज आंधी, बारिश और तूफान जैसी स्थिति बनी थी। दिल्ली में उस दिन 78 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चली थी और बारिश के साथ भारी नुकसान हुआ था। पेड़ उखड़ गए थे, बिजली की आपूर्ति बाधित हुई थी और तापमान में अचानक गिरावट दर्ज की गई थी। हालांकि उस समय भी लोगों को थोड़ी राहत महसूस हुई थी लेकिन इस बार मई के अंत में आया यह तूफान कहीं अधिक गंभीर और व्यापक प्रभाव वाला था। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सब केवल सामान्य मौसमी उतार-चढ़ाव नहीं हैं बल्कि जलवायु परिवर्तन के गहरे संकेत हैं। दिल्ली सहित समूचे उत्तर भारत में तेजी से बढ़ता शहरीकरण, औद्योगीकरण और पर्यावरणीय असंतुलन अब मौसम चक्रों को अस्थिर कर रहा है। ह्यशहरी हीट आइलैंडह्न प्रभाव के चलते रात के तापमान में गिरावट नहीं होती और वातावरण की ऊष्मा बढ़ती जाती है। कंक्रीट, एस्फाल्ट और अन्य मानव निर्मित सतहें सूरज की ऊष्मा को अवशोषित कर लेती हैं और धीरे-धीरे उसे छोड़ती हैं, जिससे रात में भी वातावरण गर्म बना रहता है। 2 मई की सुबह दिल्ली का न्यूनतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि सामान्यतः ऐसी बारिश के बाद तापमान 18-20 डिग्री तक गिर जाता है।

मौसम विभाग ने इस बार के तूफान के पीछे पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से उठने वाली नम हवाओं के संगम को कारण बताया है। आमतौर पर पश्चिमी विक्षोभ नवंबर से अप्रैल के बीच सक्रिय रहता है लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह मई-जून में भी सक्रिय रहने लगा है, जो वैश्विक तापमान वृद्धि का संकेत है। यह संकेत स्पष्ट करता है कि पारंपरिक मौसम चक्रों में अब स्थायित्व नहीं रहा और मौसम की गतिविधियां अधिक अनियमित और अस्थिर होती जा रही हैं। बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवाएं जब पश्चिमी विक्षोभ से टकराती हैं तो वह एक संगठित मौसमी प्रणाली का निर्माण करती हैं, जिससे उत्तर भारत में भारी वर्षा, तेज हवाएं और ओलावृष्टि होती है। यह आमतौर पर मानसून के मध्य चरणों में होता है लेकिन मई की शुरूआत में या मई के अंतिम सप्ताह में इस प्रकार की घटनाएं असामान्य हैं, जिनसे यह सिद्ध होता है कि मौसमी प्रवृत्तियों की दिशा अब बदल रही है।

कृषि क्षेत्र पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ रहा है। इस समय अधिकांश क्षेत्रों में मूंग, सब्जियां, तरबूज, खरबूजा और अन्य ग्रीष्मकालीन फसलों की खेती होती हैं। तेज हवाएं, ओलावृष्टि और बारिश इन फसलों को नुकसान पहुंचाती हैं। बिहार, हरियाणा और राजस्थान के किसानों ने फलों और सब्जियों के खराब होने की शिकायत की है। इससे न केवल किसानों की आमदनी प्रभावित होती है बल्कि खाद्य आपूर्ति श्रृंखला और खुदरा बाजारों में कीमतों पर भी इसका व्यापक असर पड़ सकता है। जलवायु परिवर्तन का असर अब हिमालय क्षेत्र में भी गहराई से महसूस किया जा रहा है। बर्फबारी का स्तर 23 वर्षों के न्यूनतम स्तर पर पहुंच चुका है, जिससे हिमालय की नदियों पर निर्भर करोड़ों लोगों की जल सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। आईपीसीसी की छठी आकलन रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय उपमहाद्वीप में मौसम अब पहले की तुलना में अधिक अनिश्चित और अस्थिर हो गया है। असामान्य तूफान, बेमौसम बारिश और अचानक तापमान में बदलाव, यह सभी इस बात के संकेत हैं कि जलवायु अब अपने पुराने स्वरूप से हट चुकी है।

वर्तमान स्थिति में सरकार, वैज्ञानिक समुदाय और आम नागरिकों के लिए यह एक गंभीर चेतावनी है। अब समय आ गया है कि हम जलवायु परिवर्तन को केवल वैज्ञानिक बहस का विषय न मानें बल्कि इसे सार्वजनिक नीति और व्यक्तिगत जीवनशैली में भी प्राथमिकता दें। भारत को अब मौसम विज्ञान, कृषि, जल संरक्षण, ऊर्जा नीति और शहरी नियोजन को आपस में जोड़ते हुए एक समग्र रणनीति बनानी होगी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को भी अपनी रणनीतियों को अद्यतन करना होगा। अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों की जलवायु विशेषताओं के अनुसार अलग योजनाएं बनानी होंगी। दिल्ली-एनसीआर जैसे घने शहरी क्षेत्रों के लिए अलग मॉड्यूल हो जबकि हिमालयी क्षेत्रों के लिए भूस्खलन, बाढ़ और बर्फबारी पर केंद्रित योजनाएं हों। ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के लिए मौसम अनुकूल बीमा योजनाएं, सटीक पूर्वानुमान सेवाएं और प्राकृतिक आपदाओं से पहले सतर्कता की विश्वसनीय प्रणाली विकसित करनी होगी।

बहरहाल, दिल्ली और उत्तर भारत में अचानक और तीव्र रूप से बदलता मौसम अब कोई आश्चर्यजनक घटना नहीं रह गया है बल्कि यह एक चेतावनी है कि यदि हम समय रहते नहीं चेते तो यह बदलाव हमें और अधिक विनाशकारी परिस्थितियों की ओर ले जा सकता है। यह समय है जब नीति निर्धारक, वैज्ञानिक और आमजन एकजुट होकर जलवायु परिवर्तन की चुनौती का समाधान निकालें। 24-25 मई की रात उत्तर भारत में आया तूफान न केवल भौतिक रूप से तबाही का प्रतीक था बल्कि यह जलवायु संकट की उस गंभीरता का द्योतक भी था, जिससे हम सब प्रभावित हो रहे हैं। यदि आने वाले समय में ऐसी घटनाएं बढ़ती हैं तो इससे न केवल हमारी जीवनशैली प्रभावित होगी बल्कि भारत की कृषि, अर्थव्यवस्था और पर्यावरणीय संतुलन भी खतरे में पड़ सकता है। इसलिए हमें सतर्क रहना होगा, तैयारी करनी होगी और प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर चलना होगा, तभी हम सुरक्षित और टिकाऊ भविष्य की ओर बढ़ सकते हैं।

हवाई यात्रा के माध्यम से करेंगे शैक्षिक भ्रमण करेंगे सरकारी स्कूलों के मेधावी छात्र : मान ने की घोषणा

उत्कृष्ट उपलब्धियों वाले छात्रों के ज्ञान के दायरे को और विस्तृत करने के उद्देश्य से उठाया गया कदम , विभिन्न जिलों के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों का किया गया सम्मान

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान ने मंगलवार को विभिन्न जिलों के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को शैक्षिक भ्रमण के लिए हवाई यात्रा के माध्यम से देश के प्रमुख शैक्षिक संस्थानों में भेजने की घोषणा की, ताकि छात्रों के ज्ञान के दायरे को और विस्तृत किया जा सके। उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए छात्रों की पीठ थपथपाते हुए मुख्य मंत्री ने लुधियाना को छोड़कर सभी जिलों के दसवीं और बारहवीं कक्षा में मेरिट में आए छात्रों से बातचीत करते हुए कहा कि यह सभी के लिए गर्व और संतुष्टि का क्षण है। उन्होंने कहा कि जहां छात्रों ने इस सफलता के लिए आधी-आधी रात तक मेहनत की है, वहीं इन छात्रों का मार्गदर्शन करने वाले माता-पिता और शिक्षकों का योगदान भी कम नहीं है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार ने इन छात्रों की उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए इस तरह के समारोह का आयोजन किया है।

सभी छात्रों, शिक्षकों और माता-पिता को बधाई देते हुए मुख्य मंत्री ने कहा कि यह ऐतिहासिक दिन है क्योंकि पूरे राज्य से मेधावी छात्र यहां पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि इन युवाओं को सम्मानित करना राज्य सरकार का सौभाग्य है। उन्होंने सभी शिक्षकों और माता-पिता के साथ-साथ छात्रों की प्रशंसा की और कहा कि यह सभी छात्रों के करियर में महत्वपूर्ण क्षण है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह समारोह मुख्य रूप से छात्रों में विश्वास पैदा करने का अभ्यास है क्योंकि वे भविष्य के नेता हैं। छात्रों की शानदार उपलब्धियों की सराहना करते हुए मुख्य मंत्री ने छात्रों को अपनी पसंद के क्षेत्र में अपने रोल मॉडल का चयन सावधानी से करने के लिए प्रेरित किया, ताकि वे जीवन में सफलता प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि अब ये छात्र अपने जूनियर्स के लिए रोल मॉडल बन गए हैं और यह उनका नैतिक कर्तव्य है कि वे अन्य छात्रों को भी सफलता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करें। भगवंत सिंह मान ने कहा कि व्यक्तिगत रूप से उनके लिए इन आत्मविश्वास से भरे बच्चों से बातचीत करना बहुत गर्व और खुशी का क्षण है, जो शानदार करियर बनाने की दिशा में तेजी से बढ़ रहे हैं। मुख्य मंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर कभी ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि बड़े नेताओं के बेटे और बेटियां पहाड़ों में कॉन्वेंट स्कूलों में पढ़ते थे, जिसके कारण सरकारी स्कूल कभी उनके ध्यान में नहीं रहे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछली सरकारों के दौरान सरकारी स्कूल शिक्षा देने के बजाय केवल मिड-डे मील सेंटर बनकर रह गए थे। छात्रों को अपनी पसंद का क्षेत्र सावधानी से चुनने के लिए प्रेरित करते हुए मुख्य मंत्री ने कहा कि पहले नंबर पर आने वाले छात्रों के पीछे दूसरे और तीसरे स्थान पर आने वाले छात्रों का भी योगदान होता है, उनकी वजह से ही वे पहले स्थान पर हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए क्योंकि यह छात्रों को पढ़ाई में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है, जिससे उनके जीवन में बदलाव आता है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि शिक्षक बहुत खुश होते हैं, जब वे अपने छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों को छूते हुए देखते हैं।

छात्रों को उनके सुनहरे भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए मुख्य मंत्री ने आशा व्यक्त की कि वे भविष्य में अपने लिए अलग पहचान बनाएंगे। उन्होंने युवाओं को नम्र रहने और कड़ी मेहनत में विश्वास रखने के लिए प्रेरित किया क्योंकि यह सफलता की एकमात्र कुंजी है। उन्होंने कहा कि राज्य में प्रगति और समृद्धि के लिए अथाह संभावनाएं हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार राज्य के युवाओं की भलाई के लिए ठोस प्रयास कर रही है। मुख्य मंत्री ने कहा कि उनकी सरकार का ध्यान यह सुनिश्चित करने पर केंद्रित है कि युवा नौकरी की तलाश करने वालों के बजाय नौकरी देने वाले बनें। उन्होंने कहा कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से एक प्रगतिशील और समृद्ध पंजाब का निर्माण समय की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं से अपनी अनूठी पहचान बनाने और समाज में अपनी छाप छोड़ने के लिए प्रयास करने की अपील की और उन्हें अपने जीवन में नई बुलंदियों को छूने के लिए प्रेरित किया। भगवंत सिंह मान ने युवाओं से सफलता प्राप्त करने के बाद भी नम्र रहने और कड़ी मेहनत में विश्वास रखने के लिए कहा।

मुख्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार स्कूल स्तर पर छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करके उनके भविष्य को नया रूप देने के लिए अथक प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने राज्य में शिक्षा क्रांति की शुरूआत की है, जिसने सामाजिक-आर्थिक अंतर को दूर करके छात्रों के जीवन को बदल दिया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा क्षेत्र को सबसे अधिक प्राथमिकता दे रही है क्योंकि छात्रों की भलाई से बढ़कर कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं है। मुख्य मंत्री ने कहा कि राज्य के युवाओं को हर क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने का गुण विरासत में मिला है और उनकी क्षमता का उचित उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्र और युवा हवाई जहाजों की तरह हैं और राज्य सरकार उन्हें जीवन में ऊंचाइयों को छूने के लिए लॉन्चपैड प्रदान करेगी। भगवंत सिंह मान ने स्पष्ट रूप से कहा कि वे तब तक आराम से नहीं बैठेंगे, जब तक पंजाब के युवा अपने लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर लेते और हर क्षेत्र में सफलता हासिल नहीं कर लेते।

मुख्य मंत्री ने भरोसा जताया कि पंजाब में शिक्षा क्षेत्र अब एक महत्वपूर्ण परिवर्तन से गुजर रहा है, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी स्कूलों के लिए शानदार परिणाम आएंगे और सरकार के प्रयासों को और बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचे का कायाकल्प किया जा रहा है और पंजाब निश्चित रूप से देश भर में रोल मॉडल के रूप में उभरेगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि उनकी सरकार का ध्यान यह सुनिश्चित करने पर केंद्रित है कि शिक्षकों की सेवाओं का उपयोग गैर-शैक्षणिक कार्यों के बजाय केवल शिक्षा के उद्देश्य के लिए किया जाए। इससे पहले, शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने मुख्य मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का समारोह में पहुंचने पर स्वागत किया।

एसडीओ 50000 रुपए रिश्वत लेता काबू

संवाददाता
चंडीगढ़

राज्य में भ्रष्टाचार के विरुद्ध शुरू की मुहिम के दौरान पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने पंजाब स्टेट पावर कारपोरेशन लिमटिड (पी. एस. पी. सी. एल.), नाभा के सब- डिवीजनल अफसर (एस. डी. ओ.) महिंदर सिंह को 50,000 रुपए रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों काबू किया है। इस सम्बन्धी जानकारी देते हुये आज यहाँ राज्य विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि यह गिरफ़्तारी पटियाला की तहसील नाभा के गाँव पेधन के एक निवासी की तरफ से दर्ज करवाई गई शिकायत के उपरांत की गई है। उन्होंने आगे कहा कि शिकायतकर्ता ने विजीलैंस ब्यूरो के पास पहुँच करके दोष लगाया है कि उक्त मुलजिम ने शिकायतकर्ताओं के नाम पर दो ट्यूबवैल कुनैकशन तबदील करने के बदले 70,000 रुपए रिश्वत की माँग की परन्तु सौदा 50,000 रुपए में तय हो गया। इस शिकायत पर कार्यवाही करते हुये मोहाली में विजीलैंस ब्यूरो उड़न दस्ता, पंजाब की टीम ने जाल बिछाया और जब मुलजिम अपनी निजी ब्रिजा कार में पहुँचा तो उसे दो सरकारी गवाहों की मौजुदगी में शिकायतकर्ता से 50000 रुपए रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों काबू कर लिया। गिरफ़्तारी के दौरान विजीलैंस ब्यूरो की टीम ने मुलजिम के पास से शिकायतकर्ताओं के नाम पर पहले ही तबदील किये ट्यूबवैल कुनैकशनों की दो पासबुकें भी बरामद की हैं। उन्होंने बताया कि मुलजिम को कल समर्थ अदालत में पेश किया जायेगा और इस मामले की आगे जांच जारी है।

डॉ. रवजोत सिंह ने सुबह-सुबह किया अबोहर का औचक दौरा; शहर के विभिन्न इलाकों में पहुँचकर लोगों से सीधे की नगर निगम सेवाओं संबंधी बातचीत

संवाददाता
चंडीगढ़/ अबोहर

स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने आज सुबह-सुबह अबोहर नगर निगम का औचक दौरा किया। उन्होंने शहर के विभिन्न वार्डों में जाकर विभाग द्वारा दी जा रही सेवाओं के संबंध में लोगों से सीधे बातचीत की और उनकी समस्याएँ सुनीं। इस दौरान उन्होंने नगर निगम के निगरान इंजीनियर को ड्यूटी में लापरवाही बरतने के कारण कारण बताओ नोटिस जारी करने के आदेश भी दिए। डॉ. रवजोत सिंह ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा लोगों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को हल करने के निदेशों के मद्देनजर ही वे अबोहर के इस औचक दौरे पर आए हैं। उन्होंने इस दौरान शहर के कूड़ा डंप, इंदिरा नगरी स्टेडियम, नेहरू स्टेडियम, सब्जी मंडी, कृष्णा नगरी, कुम्हार मोहल्ला और अजीमगढ़ इलाके का दौरा कर लोगों की समस्याएँ सुनीं और निचले स्तर पर किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण भी किया।

इस दौरान कुम्हार मोहल्ला के लोगों द्वारा पीने के पानी में मिलावट की शिकायत किए जाने पर कैबिनेट मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने मौके पर ही नगर निगम के निगरान इंजीनियर को कारण बताओ नोटिस जारी करने के आदेश दिए। उन्होंने सख्ती से कहा कि लोगों के मुद्दे प्राथमिकता के आधार पर हल होने चाहिए और जैसे वे खुद विभिन्न वार्डों में जा रहे हैं, अधिकारी भी इसी तरह वार्डों में पहुँचकर लोगों की समस्याएँ सुनकर उनका हल करें।

कैबिनेट मंत्री ने कूड़ा डंप साइट पर निर्देश दिए कि पुराने कूड़े का जल्द से जल्द निपटारा किया जाए और शहर से उठाए जाने वाले गीले और सूखे कूड़े को निदेशों के अनुसार संभाला जाए। उन्होंने इंदिरा नगरी के स्टेडियम का दौरा करते हुए यहाँ और सुविधाएँ बढ़ाने और यहाँ के अधूरे पड़े सामुदायिक हॉल को भी पूरा करने के निर्देश विभाग को दिए। उन्होंने सब्जी मंडी में पहुँचकर दुकानदारों से बातचीत की और सफाई तथा अन्य व्यवस्थाओं संबंधी जानकारी हासिल की। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री अरुण नारंग ने कहा कि पंजाब सरकार शहरी विकास के प्रति दृढ़ संकल्पित है और शहर के विकास को योजनाबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए ही आज कैबिनेट मंत्री द्वारा शहर का दौरा किया गया है। इससे पहले यहाँ पहुँचने पर पूर्व विधायक अरुण नारंग, उपायुक्त अमरप्रीत कौर संधू, एस डी एम कृष्णा पाल राजपूत ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर जिला योजना बोर्ड के चेयरमैन सुनील सचदेवा, मार्केट कमेटी अबोहर के चेयरमैन उपकार सिंह जाखड़, एडवोकेट हरप्रीत सिंह के अलावा स्थानीय नेता भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त-समाचार

बी.बी.एम.बी. में स्वायत्त तरीके से की गई नियुक्तियां असहनीय

चंडीगढ़। भाखड़ा ब्यास प्रबंधकी बोर्ड (बी.बी.एम.बी.) में स्वायत्त तरीके से नियुक्तियां करने की कड़ी आलोचना करते हुए पंजाब के मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन मामलों में केंद्र सरकार की तानाशाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यहां स्थानीय म्युनिसिपल भवन में राज्य में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले छात्रों के सम्मान समारोह के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्य मंत्री ने कहा कि ये पक्षपातपूर्ण निर्णय पूरी तरह अनुचित हैं क्योंकि पंजाब के अधिकारियों को लगातार अनदेखा किया जा रहा है। बी.बी.एम.बी. के पुनर्गठन की वकालत करते हुए उन्होंने कहा कि बी.बी.एम.बी. में प्रत्येक राज्य का मतदान का अधिकार उसके हिस्से के अनुसार होना चाहिए। इसका उदाहरण देते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि बी.बी.एम.बी. में पंजाब का 60 प्रतिशत हिस्सा है, लेकिन इसे हरियाणा और राजस्थान के बराबर मताधिकार प्राप्त है, जबकि इन दोनों राज्यों का हिस्सा 40 प्रतिशत है। मुख्य मंत्री ने कहा कि यह कितनी अजीब बात है कि 40 प्रतिशत हिस्से वाले राज्य पंजाब के खिलाफ कोई भी निर्णय ले सकते हैं, जबकि पंजाब का हिस्सा 60 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि पंजाब के पास किसी भी अन्य राज्य को देने के लिए अतिरिक्त पानी नहीं है और राज्य के हितों को नुकसान पहुंचाने वाला कोई भी निर्णय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भगवंत सिंह मान ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पिछली सरकारों के दौरान पंजाब के राजनेता अपने संकीर्ण हितों के लिए हरियाणा और अन्य राज्यों को अपने हिस्से का पानी देते रहे हैं। इस दौरान मुख्य मंत्री ने कहा कि यह नया निर्णय पूरी तरह असहनीय है क्योंकि पंजाब को अपनी सिंचाई जरूरतों के लिए पानी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने नहरों और कस्सियों को मजबूत किया है, जिसके कारण पिछले वर्षों की तुलना में पंजाब को अधिक नहरी पानी की आवश्यकता है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि किसी अन्य राज्य के साथ पानी साझा करने का सवाल ही पैदा नहीं होता। एक अन्य सवाल का जवाब देते हुए मुख्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अमृतसर में हुए धमाके की घटना की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि इस घृणित अपराध में शामिल दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। भगवंत सिंह मान ने दोहराया कि राज्य में कड़ी मेहनत से हासिल की गई शांति को भंग करने की किसी भी कीमत पर इजाजत नहीं दी जाएगी।

नशा मुक्ति सम्बन्धी यत्नों के हिस्से के तौर पर पंजाब पुलिस ने 104 व्यक्तियों को नशा छोड़ने का इलाज लेने के लिए राजी किया

चंडीगढ़। राज्य में से नशों के मुकम्मल खात्मे के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेशों पर शुरू किये गए युद्ध नशों विरुद्ध के 87वें दिन पंजाब पुलिस ने आज 127 नशा तस्करों को गिरफ़्तार करके उनके कब्जे में से 2.2 किलो हेरोइन, 6.6 किलो अफीम और 1.31 लाख रुपए की ड्रग मनी बरामद की है। इससे सिर्फ.87 दिनों के अंदर गिरफ़्तार किये गए कुल नशा तस्करों की संख्या 13,866 हो गई है। यह आपरेशन डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी) गौरव यादव के निदेशों पर राज्य के सभी 28 जिलों में एक ही समय चलाया गया। जिक्रयोग्य है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिशनरों, डिप्टी कमिशनरों और एस. एस. पीज को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के हुक्म दिए हैं। पंजाब सरकार द्वारा नशों के विरुद्ध जंग की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नेतृत्व अधीन 5 सदस्यीय कैबिनेट सब कमेटी भी बनाई गई है। आपरेशन के विवरण देते हुये स्पैशल डीजीपी कानून और व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने बताया कि 93 गजटिड अधिकारियों की निगरानी अधीन 1300 से अधिक पुलिस कर्मचारियों के शमूलियत वाली 200 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में 442 स्थानों पर छापेमारी की, जिसके चलते राज्य भर में 97 ऐफआईआरज दर्ज की गई। उन्होंने आगे कहा कि दिन भर चले इस आपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 494 शक्की व्यक्तियों की जांच भी की। स्पैशल डीजीपी ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा राज्य में से नशों के खात्मे के लिए तीन-आयामी रणनीति - इनफोरसमैंट, डी-एडिकशन और प्रीवैंशन (ईडीपी) - लागू की गई है और पंजाब पुलिस ने इस रणनीति के हिस्से के तौर पर 104 व्यक्तियों को नशा मुक्ति और पुनर्वास का इलाज लेने के लिए राजी किया है।

30,000 रुपए रिश्वत लेने वाला सिवल सर्जन दफ़्तर का क्लर्क विजीलैंस ब्यूरो द्वारा काबू

चंडीगढ़। पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपनी मुहिम के अंतर्गत सिवल सर्जन दफ़्तर, गुरदासपुर में जन्म और मौत सर्टिफिकेट रजिस्ट्रेशन शाखा में क्लर्क के तौर पर तैनात हरप्रीत सिंह को 30,000 रुपए रिश्वत लेने के दोष अधीन गिरफ़्तार किया है। इस मुकदमे में उक्त अस्पताल में वार्ड अटेंडेंट के तौर पर तैनात मुख्य मुलजिम रविन्दरपाल सिंह को पहले ही गिरफ़्तार किया जा चुका है। इस सम्बन्धी और जानकारी देते हुये आज यहाँ विजीलैंस ब्यूरो के सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में दोष लगाया है कि उसने अपने चाचे की मौत सम्बन्धी सर्टिफिकेट लेने के लिए आवेदन दिया था परन्तु वार्ड अटेंडेंट ने यह सर्टिफिकेट जारी करवाने के बदले 40,000 रुपए रिश्वत की माँग की थी। शिकायतकर्ता द्वारा बातचीत के उपरांत रिश्वत की रकम 30,000 रुपए तय हो गई। इसके उपरांत उक्त मुलजिम रविन्दरपाल सिंह को 30,000 रुपए रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों काबू कर लिया गया था। उन्होंने आगे कहा कि आगामी जांच के दौरान उक्त वार्ड अटेंडेंट ने खुलासा किया है कि उसने उक्त रिश्वत अपने और उक्त क्लर्क हरप्रीत सिंह के लिए ली थी। तकनीकी विश्लेषण ने भी रिश्वत मांगने और लेने के लिए उन दोनों की मिलीभुगत को साबित किया है। प्रवक्ता ने बताया कि उक्त मुख्य मुलजिम के खुलासे के आधार पर हरप्रीत सिंह को भ्रष्टाचार रोकथाम कानून की सम्बन्धित धाराओं के अंतर्गत उक्त केस में नामजद किया गया और आज उसको विजीलैंस ब्यूरो यूनिट गुरदासपुर ने गिरफ़्तार कर लिया है। उन्होंने आगे बताया कि इस केस की आगे जांच जारी है।

पी. एस. पी. सी. एल. ने मार्च 2026 तक जीरो आऊटेज का लक्ष्य निर्धारित

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब भर में निर्विघ्न और भरोसेमन्द बिजली सप्लाई को यकीनी बनाने की दिशा में अहम कदम उठाते हुये बिजली मंत्री स. हरभजन सिंह ई. टी. ओ. ने आज ऐलान किया कि पंजाब स्टेट पावर कारपोरेशन लिमटिड (पी. एस. पी. सी. एल.) ने मार्च 2026 तक जीरो पावर आऊटेज प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। यह फैसला आगामी गर्मी और धान के सीजन से पहले बिजली क्षेत्र की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए चंडीगढ़ में हुई उच्च-स्तरीय मीटिंग के दौरान लिया गया।

बिजली की लगातार बढ़ रही माँग को देखते हुये कैबिनेट मंत्री ने साल 2025-2030 के लिए थर्मल, हाईड्रो और नवीकरणीय ऊर्जा समेत अलग-अलग स्त्रोतों से बिजली स्पलाई बढ़ाने के लिए व्यापक योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार खपतकारों की उम्मीदों और भावी माँगों को पूरा करने के लिए अपने बिजली बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए वचनबद्ध है।

स. हरभजन सिंह ई. टी. ओ. ने राज्य की ऐगरीगेट ट्रांसमिशन क्षमता (ए. टी. सी.) में की जा रही वृद्धि पर संतोष जताया, जोकि मई 2025 तक मौजूदा 10,102 एम. वी. ए. से बढ़ कर 10,400 एम. वी. ए. किया जायेगा। इसके इलावा, पी. एस. पी. सी. एल. को जून 2027 तक 5000 एम. वी. ए. की और वृद्धि को प्राप्त करने का काम सौंपा गया है। मीटिंग के दौरान कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को राज्य भर में 100 फीसद निर्विघ्न बिजली स्पलाई यकीनी बनाने के निर्देश दिए, जो पूँजी सम्बन्धी व्यापक कामों और बेहतर रख-रखाव प्रोटोकोल के सुमेल के द्वारा प्राप्त किया जायेगा। मुख्य प्रोजेक्टों में एच. टी. / एल. टी. और ई. एच. टी. लाइनों के वितरण, रीकंडकटरिंग और विस्तार; डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफर्मरों में विस्तार और अपग्रेड करना और 66 के. वी. सब स्टेशनों पर पावर ट्रांसफर्मरों में विस्तार करना शामिल है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस:15,000 की रिश्वत लेने के आरोप में पी एस पी सी एल का लाइनमैन गिरफ्तार

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ जारी अपनी मुहिम के तहत, अमृतसर जिले के सब-डिवीजन जस्तरवाल में तैनात पी एस पी सी एल के लाइनमैन हरदीप सिंह को 15,000 रुपए की रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए विजिलेंस ब्यूरो के सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को अमृतसर जिले की तहसील लोपोके के गाँव मुहारा के निवासी द्वारा मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार विरोधी एक्शन लाइन पर दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि हाल ही में आए आंधी-तूफान के दौरान उसके खेतों में लगा बिजली का ट्रांसफार्मर गिर गया था और इसे ठीक करने के बदले में उक्त लाइनमैन ने उससे 15,000 रुपए की रिश्वत मांगी है। प्रवक्ता ने बताया कि शिकायत की पड़ताल से पता चला कि आरोपी लाइनमैन ने शिकायतकर्ता से 15,000 रुपए की रिश्वत मांगी थी और पहली किस्त के तौर पर 5,000 रुपए नकद ले लिए थे। इसके बाद, उक्त लाइनमैन ने शिकायतकर्ता को ट्रांसफार्मर लगवाने में सहायता करने के लिए एक और व्यक्ति को 1,000 रुपए देने के लिए कहा। इसके अलावा, आरोपी लाइनमैन लगातार अपनी आवाज में संदेशों और कॉलों के माध्यम से शिकायतकर्ता से बाकी 10,000 रुपए की मांग करता रहा, जिसके चलते शिकायतकर्ता ने अपने मोबाइल से गूगल पे के माध्यम से उसे 10,000 ट्रांसफर कर दिए।

उन्होंने आगे बताया कि आरोपी की कॉल रिकॉर्डिंग, यू पी आई लेनदेन के स्क्रीनशॉट, बैंक स्टेटमेंट और वॉयस संदेशों सहित दिए गए सबूतों से यह बात सामने आई है कि उक्त आरोपी ने शिकायतकर्ता से 15,000 रुपए की रिश्वत मांगी थी और यह रकम प्राप्त भी कर ली थी। जाँच के आधार पर, उक्त आरोपी के विरुद्ध सतर्कता ब्यूरो के पुलिस थाना अमृतसर रेंज में भ्रष्टाचार निवारण कानून के तहत केस दर्ज किया गया है और आरोपी को कल अदालत में पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगे की जाँच के दौरान इस केस में अधिकारियों या कर्मचारियों की किसी भी संलिप्तता या भूमिका की जाँच की जाएगी।

माइनिंग क्षेत्र के अहम मुद्दों के हल के लिए केंद्र और प्रांतीय अधिकारियों की साझी मीटिंग पंजाब में होगी

पोटाश सर्वेक्षण मुकम्मल करवाने हेतु बरिन्दर गोयल द्वारा केंद्रीय कोयला एवं खनन मंत्री से अहम मीटिंग

संवाददाता
चंडीगढ़/नई दिल्ली

पंजाब के खनन और भू-विज्ञान और जल स्रोत मंत्री श्री बरिन्दर कुमार गोयल द्वारा राज्य में पोटाश सम्बन्धी सर्वेक्षण के काम को जल्द मुकम्मल किये जाने को लेकर आज केंद्रीय कोयला और खनन मंत्री श्री जी. कृष्ण रैडी के साथ यहाँ के शास्त्रीय भवन में अहम मुलाकात की गई।

मीटिंग के दौरान श्री गोयल ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि पोटाश दुर्लभ खनिज है जिसकी जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत को इसका बाहर से आयात करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि पंजाब के जिला श्री मुक्तसर साहिब और फाजिल्का के क्षेत्रों में इस खनिज के भंडार मिले हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से माँग की कि राज्य में इस सम्बन्धी पूर्ण संभावनाओं को उजागर करने के लिए जीओ सर्वेक्षण जल्द से जल्द मुकम्मल किये जाने की जरूरत है।

श्री बरिन्दर कुमार गोयल ने मुलाकात के बाद मीडिया के साथ बातचीत करते हुये कहा कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक श्री अरविन्द केजरीवाल और मुख्यमंत्री पंजाब स. भगवंत सिंह मान द्वारा राज्य के सर्वपक्षीय विकास के लिए संजीदा यत्न किये जा रहे हैं। इन यत्नों की कड़ी के अंतर्गत ही पंजाब सरकार पोटाश सम्बन्धी सर्वेक्षण जल्द करवाने के लिए केंद्र सरकार के साथ लगातार संबंध बना रही है ताकि इसके जरिये देश को पोटाश पक्ष से आत्म-निर्भर बनाने सहित राज्य की आर्थिकता को और मजबूती दी जा सके। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि मीटिंग के दौरान केंद्रीय मंत्री श्री रेडी द्वारा राज्य की माँग को लेकर भरपूर और रचनात्मक समर्थन दिया गया है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्री ने अपने विभाग के उच्च अधिकारियों को इस सम्बन्धी एक्शन प्लान तैयार करने के लिए निर्देश दिए हैं ताकि श्री मुक्तसर साहिब और फाजिल्का ज़िलों में पड़ते क्षेत्रों में सर्वेक्षण के काम को जल्द से जल्द मुकम्मल किया जा सके। श्री गोयल ने कहा कि पंजाब में पोटाश के भंडार होने सम्बन्धी 1985 में ही पता लग गया था परन्तु उसके उपरांत बनीं राज्य सरकारों ने इस अहम पहलू सम्बन्धी आँखें मूंदे रखी जिस कारण इस सम्बन्धी जरूरत अनुसार सर्वेक्षण और ड्रिलिंग का काम न हो सका। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार इस खनिज की खोज सम्बन्धी काम में तेजी लाने के लिए पूरे संजीदा यत्न कर रही है जिससे राज्य की तरक्की के लिए और साधन जुटाए जा सकेंगे। श्री गोयल ने बताया कि पोटाश को लेकर उनकी तरफ से पहले भी श्री रेडी के साथ उड़ीसा में मुलाकात की गई थी।

श्री गोयल ने कहा कि फिलहाल फाजिल्का और श्री मुक्तसर साहिब ज़िलों में 10 स्थानों पर ही ड्रिलिंग हुई है और सर्वेक्षण के साथ अन्य क्षेत्रों में भी इस खनिज के भंडारों के बारे पता लग सकेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में पोटाश के भंडार मिलने से पंजाब अपनी तरक्की के साथ-साथ भारत को भी इस पक्ष से आत्म निर्भर बनाने में अहम योगदान डालेगा। उन्होंने कहा कि देश की आजादी में योगदान डालने और बाद में खाद्य पक्ष से पंजाब ने देश को आत्म-निर्भर बनाया और अब उम्मीद है कि यह राज्य खनिज पक्ष से भी अहम योगदान डालेगा।

श्री बरिन्दर कुमार गोयल ने बताया कि उन्होंने केंद्रीय मंत्री को माइनिंग क्षेत्र को पेश और समस्याओं के बारे भी अवगत करवाया जिस पर केंद्रीय मंत्री श्री जी. कृष्ण रैडी ने कहा कि पंजाब में जल्दी ही केंद्रीय और प्रांतीय अधिकारियों की साझी मीटिंग करवाई जायेगी और इन मसलों के हल के लिए रणनीति बनायी जायेगी।

श्री गोयल ने केंद्रीय मंत्री द्वारा पंजाब में पोटाश के सर्वेक्षण के बारे एक्शन प्लान तैयार करने सहित खनन क्षेत्र सम्बन्धी मुद्दों के बारे साकारात्मक स्वीकृति देने पर उनका धन्यवाद किया। इस मौके पर श्री बरिन्दर कुमार गोयल के साथ खनन और भू-विज्ञान विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती जसप्रीत तलवार और डायरैक्टर श्री अभिजीत कपलिश भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने किया गजा घंटाकर्ण महोत्सव का शुभारंभ, मेधावियों को किया सम्मानित

राज्य आंदोलनकारी शहीद बेलमती चौहान की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की

एजेंसी (हि.स.)
देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को अटल उत्कृष्ट राइका गजा, टिहरी में 'प्रथम गजा घण्टाकर्ण महोत्सव 2025' का शुभारम्भ किया। उन्होंने घण्टाकर्ण मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की और राज्य आंदोलनकारी शहीद बेलमती चौहान की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे महोत्सव समृद्ध संस्कृति और परम्परा को आगे बढ़ाने में अद्वितीय सहयोग देते हैं। गजा घण्टाकर्ण मंदिर पौराणिक मंदिरों में से एक है। बद्रीनाथ की परिक्रमा के बाद दूसरी परिक्रमा यहां पर की जाती है। पर्यटन की दृष्टि से यह अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थल है, जहां से हरिद्वार और हिमालय के दर्शन होते हैं। उन्होंने कहा कि महोत्सव के आयोजन से उत्तराखण्ड विकसित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गजा में लगभग 30 करोड़ की लागत से पॉलीटेक्निक, 24 करोड़ की लागत से हेंवलघाटी पम्पिंग पेयजल योजना का कार्य, नगर पंचायत कार्यालय, गौशाला, विश्राम गृह का कार्य किया गया है। स्थानीय विकास की एक नई नींव पड़ रही है, जो ऐतिहासिक समृद्ध संस्कृति को आगे बढ़ाने का सराहनीय प्रयास है।

मुख्यमंत्री ने शहीद विक्रम सिंह नेगी के गांव की सड़क का नाम उनके नाम पर नामित करने की घोषणा की

फोटोः हि.स.

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का वर्ष 2047 तक विकसित भारत संकल्प का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब गांव, पंचायत, क्षेत्र, जनपद और डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट, हॉउस ऑफ हिमालय ब्रांड के उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। कौशल विकास में निपुण स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी बहनों के द्वारा तैयार किये गये शानदार उत्पाद विदेशी कम्पनियों को भी पीछे छोड़ रहे हैं। फार्म मशीनरी, एप्पल मिशन, नई पर्यटन अर्थव्यवस्था को मजबूत करने हेतु वन नीति, नई फिल्म नीति, सौर स्वरोजगार, पर्यटन, कृषि आदि अनेकों क्षेत्रों में सम्भावना के द्वार खुल रहे हैं।

इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने स्वागत गीत, सरस्वती वंदना, लोकगीत, लोककलाओं पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं नाटक की प्रस्तुति और झांकियों का सुन्दर प्रदर्शन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने एमबीबीएस, आईआईटी, एनआईटी, भारतीय नौसेना के लिए मेधावी छात्रों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने शहीद विक्रम सिंह नेगी के गांव की सड़क का नाम उनके नाम पर नामित करने की घोषणा की।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष भाजपा उदय रावत, ब्लॉक प्रमुख प्रशासक नरेन्द्रनगर राजेन्द्र भण्डारी, चम्बा शिवानी बिष्ट, नगरपालिका परिषद अध्यक्ष चम्बा शोभनी धनोला, नगर पंचायत अध्यक्ष गजा कुंवर सिंह चौहान, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आयुष अग्रवाल, लोक गायक प्रीतम भरतवाण आदि मौजूद रहे।

भारत की फिनटेक फर्म व्यापारियों और एमएसएमई को सशक्त बना रही हैं: वित्त मंत्री सीतारमण

वित्त मंत्री ने नोएडा में डिजिटल फिनटेक कंपनी पाइन लैब्स के कार्यालय का दौरा किया

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि भारत की फिनटेक कंपनियां देश के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (डीपीआई) को मजबूत करने और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सशक्त बनाने में मदद कर रही हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नोएडा में स्थित डिजिटल फिनटेक कंपनी पाइन लैब्स के कार्यालय का दौरा करने के बाद यह बात कही।

वित्त मंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि वित्त मंत्री ने पाइन लैब्स के कर्मचारियों और स्टाफ सदस्यों से बातचीत की। इस अवसर पर सीतारमण ने देश के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के विस्तार और व्यापारियों तथा एमएसएमई के लिए निर्बाध, सुरक्षित और समावेशी वित्तीय सेवाओं को सक्षम करने में भारत की फिनटेक फर्मों के योगदान की सराहना की।

वित्त मंत्री ने मोबाइल रिटेलर और पाइन लैब्स के ग्राहक कुलदीप चौहान से भी बातचीत की हैं, जिन्हें भारत के बढ़ते फिनटेक इकोसिस्टम और मजबूत डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) से बहुत लाभ हुआ है। कुलदीप मोबाइल हाउस के मालिक चौहान नोएडा में मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक्स बेचने वाले तीन रिटेल स्टोर संचालित करते हैं। देशभर में डिजिटल भुगतान को व्यापक रूप से अपनाने से उनके व्यवसाय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

यूपी के हापुड़ जिले के रहने वाले चौहान पहले आम की खेती करते थे। वित्त मंत्रालय का कहना है कि वे आज उन महत्वाकांक्षी भारतीयों की भावना का प्रतिनिधित्व करते हैं जो नए अवसरों का लाभ उठा रहे हैं। भारत की विकास कहानी में योगदान दे रहे हैं, क्योंकि देश प्रधानमंत्री द्वारा परिकल्पित 2047 तक विकसित भारत बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

वहीं, पाइन लैब्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बी. अमरीश राउ ने 'एक्स' पोस्ट पर लिखा कि यह 'एक रोमांचक और अविश्वसनीय दिन था...यह पूरा घर भरा हुआ था और हमारी वित्त मंत्री अपनी बातचीत और तकनीकी चचाओं में पूरी तरह से डूबी हुई थीं'।

उल्लेखनीय है कि पाइन लैब्स एक मर्चेंट कॉमर्स ऑम्नीचैनल प्लेटफॉर्म है, जो भारत, मध्य पूर्व और दक्षिण पूर्व एशिया में संचालित होता है। पाइन लैब्स डिजिटल भुगतान को सरल बनाने और व्यवसायों को फिनटेक समाधानों को बढ़ाने में मदद करने पर ध्यान केंद्रित करता है।

यूक्रेन और रूस ने पूरी रात एक-दूसरे के क्षेत्रों में दागे ड्रोन

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
कीव/मॉस्को

रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष विराम की बनती-बिगड़ती स्थिति के बीच दोनों देशों के निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं। साथ ही सार्वजनिक और निजी चल-अचल संपत्ति को नुकसान हो रहा है। यूक्रेन ने दावा किया उसने रात को रूस के 43 ड्रोन मार गिराए। इसी के समानांतर रूस ने कहा कि उसने यूक्रेन के 99 ड्रोन को नष्ट कर दिया।

कीव इंडिपेंडेंट अखबार के अनुसार यूक्रेन के क्षेत्रीय अधिकारियों ने बताया कि पिछले दिन यूक्रेन के खिलाफ रूसी हमलों में कम से कम दो नागरिक मारे गए और कम से कम 19 अन्य घायल हो गए। यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार रूसी सेना ने कुर्स्क, ओरेल, मिलरोवो, प्रिमोर्स्क-अख्तरस्क और क्रीमिया से रात भर में 60 ड्रोन दागे। यूक्रेन की वायुरक्षा प्रणाली ने इनमें से 43 ड्रोन को मार गिराया। अन्य आठ ड्रोन बिना किसी नुकसान के रडार से गायब हो गए। डोनेट्स्क ओब्लास्ट के रोजकिशने गांव में एक पुरुष सुमी ओब्लास्ट में एक महिला की मौत हो गई। गवर्नर ओलेक्सांद्र प्रोकुडिन ने बताया कि हमलों में दो बच्चों सहित आठ लोग घायल भी हुए हैं।

पांच संभागों में आगामी 3-4 दिन आंधी-बारिश संभव

जयपुर। आंधी-बारिश ने प्रदेश में गर्मी पर काफी हद तक लगाम रखी है। इसका दौर आगे भी जारी रहने की संभावना है। दक्षिणी व उत्तर-पूर्वी राजस्थान में मेघगर्जन, हल्की बारिश होने व 28 से 29 मई के दौरान पुनः जोधपुर, बीकानेर, उदयपुर, कोटा, जयपुर संभाग के कुछ भागों में तेज मेघगर्जन आंधी (50-60 प्रतिघंटा) के साथ कहीं-कहीं हल्की या मध्यम बारिश होने की संभावना है। वहीं पश्चिम राजस्थान में तेज गर्मी का दौर बना हुआ है। मंगलवार को 46.6 डिग्री के साथ बाडमेर का दिन और 34 डिग्री के साथ फलौदी की रात सबसे गर्म रही। प्रदेश के 20 शहरों का दिन का पारा 40 डिग्री के पार दर्ज किया गया। वहीं 8 शहरों का रात का पारा 30 डिग्री के पार रहा। बाड़मेर के अलावा जैसलमेर और फलौदी का पारा 45 डिग्री के पार दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार मेघगर्जन के साथ आंधी व हल्की बारिश का दौर राज्य में कहीं-कहीं आगामी 4-5 दिन जारी रहने की संभावना है। सोमवार को राज्य में कहीं कहीं हल्की वर्षा दर्ज की गई।

इंग्लैंड में लिवरपूल एफसी के जीत की खुशी में डूबी भीड़ पर चढ़ा दी कार, 50 घायल

एजेंसी (हि.स.)
लंदन

इंग्लैंड में लिवरपूल एफसी (फुटबाल टीम) की जीत परेड में भीड़ पर कार चढ़ाने से बच्चों समेत करीब 50 लोग घायल हो गए। क्लब के प्रीमियर लीग खिताब समारोह के आखिर में सिटी सेंटर में टक्कर लगने के बाद एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। लिवरपूल शहर के लिए खुशी का मौका खौफ में बदल गया। यह वाकया सोमवार शाम लिवरपूल एफसी की प्रीमियर लीग विजय परेड में वाटर स्ट्रीट पर हुआ। इससे अफरा-तफरी मच गई। शहर के बीचों-बीच एक कार पैदल यात्रियों से टकरा गई, जिसमें बच्चों सहित करीब 50 लोग घायल हो गए। सड़क मार्ग से लिवरपूल की दूरी लंदन से 210.9 मील है।

लंदन के अखबार द गार्डियन की खबर के अनुसार, 53 वर्षीय श्वेत

फोटोः हि.स.

ब्रिटिश व्यक्ति को कार का चालक माना जा रहा है। उसे शहर के बीचों-बीच वाटर स्ट्रीट पर गिरफ्तार कर लिया गया। वाटर स्ट्रीट रॉयल लिवर बिल्डिंग और टाउन हॉल से कुछ मीटर की दूरी पर है। लिवरपूल के हजारों प्रशंसक अपने क्लब की प्रीमियर लीग जीत का जश्न मनाने के लिए सड़कों पर थे। भीड़ को रौंदने की सूचना पाकर आपातकालीन सेवा के अधिकारी और कर्मचारी शाम करीब 6 बजे वाटर स्ट्रीट पर पहुंचे।

नॉर्थ वेस्ट एम्बुलेंस सेवा ने देररात प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुष्टि की कि 27 लोगों को अस्पताल ले जाया गया। इनमें से एक बच्चे सहित दो घायलों को गंभीर चोट आई है। घटनास्थल पर 20 मरीजों का इलाज किया गया। कुल चार बच्चे घायल हुए। मर्सिडेस पुलिस की एसीसी जेनी सिम्स ने इसे आतंकवादी घटना मानने से इनकार कर दिया। प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने कहा कि एजेंसियां अपना काम कर रही हैं। उन्होंने पीड़तों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

संक्षिप्त-समाचार

श्रीलंका के पूर्व मंत्री सिल्वा के खिलाफ हाई कोर्ट में अभियोग दायर, पुराने केस में नहीं मिली जमानत

कोलंबो। भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किए गए पूर्वमंत्री मर्विन सिल्वा पर आज शिकंजा और कस गया। भ्रष्टाचार जांच आयोग ने पूर्व मंत्री सिल्वा के खिलाफ हाई कोर्ट में अभियोग दायर किया है। उन पर भ्रष्टाचार विरोधी नियमों का उल्लंघन करते हुए वैध आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। श्रीलंका के उपाली मीडिया समूह के सिंहली भाषा के समाचार पत्र 'दिवैना' की खबर के अनुसार किरीबाथगोडा शहर में निर्माण के लिए अधिग्रहित सरकारी भूमि के जाली दस्तावेज तैयार करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए छह संदिग्धों में पूर्व राज्य मंत्री प्रसन्ना राणावीरा और पूर्व संसदीय मामलों के मंत्री मर्विन सिल्वा शामिल हैं। महारा न्यायालय की प्रथम मजिस्ट्रेट कंचना डी सिल्वा ने इस जालसाजी में गिरफ्तार सरथ कुमारा एदिरिसिंघे उर्फ सिंगापुर सरथ की जमानत याचिका खारिज करते हुए छह संदिग्धों को 9 जून तक न्यायिक हिरासत में रखने का आदेश दिया। पूर्व मंत्री मर्विन सिल्वा के वकील मैत्री गुणरत्ने ने कल दाखिल जमानत अर्जी पर सेहत का हवाला दिया था। मजिस्ट्रेट ने कहा था कि 9 जून को आदेश सुनाया जाएगा। आपराधिक जांच विभाग के वित्तीय अपराध जांच प्रभाग की पुलिस सार्जेंट प्रियंता डेंजिल ने अदालत को सूचित किया कि वांछित छठे संदिग्ध केलानिया प्रदेशीय सभा के पूर्व सदस्य मिलरॉय परेरा को आत्मसमर्पण करने के बाद हिरासत में लिया गया है।

प्रधानमंत्री नेतन्याहू पहुंचे तेल अवीव कोर्ट, भ्रष्टाचार के मुकदमे में दी सफाई

तेल अवीव। फिलिस्तीनी आतंकी समूह हमास के साथ गाजा में छिड़ी जंग में उलझे इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को भ्रष्टाचार के मुकदमे का सामना करना पड़ रहा है। इस माह आज वह दूसरी बार तेल अवीव जिला न्यायालय पहुंचे और सफाई दी। यह मुकदमा अमेरिकी व्यवसायी शेल्डन एडेलसन और नेतान्याहू के बीच हुई समझौता वार्ता से जुड़ा है। इससे पहले उन्होंने 12 मई को अदालत के समक्ष अपना पक्ष रखा था। द टाइम्स ऑफ इजराइल अखबार की खबर के अनुसार नेतन्याहू ने कहा कि वह चाहते थे कि शेल्डन एडेलसन इजराइल के मीडिया परिदृश्य में विविधता लाने के लिए निवेश करें। उन्होंने कहा, मुझे सामान्य रूप से याद है कि मैंने इजरायल में मीडिया के विविधीकरण को गति देने के लिए जो कर सकता था, प्रयास किया। आरोप है कि एडेलसन ने इजराइल में एक समाचार वेबसाइट में निवेश किया। एक समय तो इस वेबसाइट को नेतन्याहू का आधिकारिक समाचार मंच माना गया। नेतन्याहू ने कहा कि उनका मानना था कि अखबार अब अतीत की बात हो चुके हैं। नेतन्याहू से आज अदालत में येदिओथ अहरोनोथ समाचार पत्र के प्रकाशक अर्नोन मोजेस के वकील ने जिरह की। न्यायाधीशों ने सुनवाई को जल्द समाप्त करने के नेतन्याहू के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया।

नीलसॉफ्ट लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी फिर से दाखिल किया

मुंबई। टोक्यो स्थित फुजिता कॉरपोरेशन समर्थित नीलसॉफ्ट लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) फिर से दाखिल किया है। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ के लिए 90 करोड़ रुपये जुटाने की है। इसके शेयर एनएसई और बीएसई दोनों स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होंगे। पूंजी बाजार नियामक के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक फुजिता कॉरपोरेशन समर्थित नीलसॉफ्ट लिमिटेड का 5 रुपये अंकित मूल्य वाले इस आईपीओ में 90 करोड़ रुपये तक के नए शेयरों का निर्गम तथा प्रमोटरों और अन्य विक्रय शेयरधारकों द्वारा 80 लाख शेयरों की बिक्री की पेशकश शामिल है। इस आईपीओ में 90 करोड़ रुपये तक के नए शेयर को जारी करना और प्रमोटरों तथा अन्य विक्रय शेयरधारकों द्वारा 8 मिलियन शेयरों की बिक्री के लिए ऑफर-फॉर-सेल (ओएफएस) भी इसमें शामिल है। कंपनी के मुताबिक यह ऑफर बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से किया जा रहा है, जिसमें इस ऑफर का कम से कम 75 फीसदी आवंटन योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए, 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए और 10 फीसदी क्रमशः गैर-संस्थागत निवेशकों और खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों को आवंटित किया जाएगा। आईपीओ के लिए इक्विरस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड और आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड बुक-रनिंग लीड मैनेजर के तौर पर काम करेंगे। कंपनी ताजा निर्गम से प्राप्त 63.52 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी।

पटवारी तीस हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो धौलपुर ने मंगलवार को कार्रवाई करते हुए सौमका तहसील पहाड़ी जिला डीग के पटवारी प्रवीण कुमार को तीस हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते गिरफ्तार किया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक डॉ रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी धौलपुर टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसकी जमीन की पैमाइश किये जाने की एवज में पटवारी प्रवीण कुमार 40 हजार रुपये मांग कर रहा है इस पर रिश्वत मांग का गोपनीय सत्यापन कराया गया औश्र सत्यापन के दौरान परिवादी के निवेदन करने पर आरोपी पटवारी प्रवीण कुमार 35 हजार रुपये की रिश्वत लेने पर सहमत हुआ। जिस पर एसीबी धौलपुर पुलिस उप अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई करते हुए पटवारी प्रवीण कुमार को तीस हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

दस हजार रुपए की रिश्वत लेते सहायक उप निरीक्षक गिरफ्तार

जयपुर। एसीबी ने उदयपुर में दस हजार रुपए की रिश्वत लेते प्रतापनगर थाने के सहायक उप निरीक्षक को गिरफ्तार किया है। एएसआई परिवादी से दर्ज प्रकरण में और उसकी कार का नाम हटाने की एवज में यह राशि ले रहा था। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक डॉ रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी स्पेशल यूनिट उदयपुर को 26 मई को परिवादी ने शिकायत दी कि उदयपुर के प्रतापनगर थाने में तैनात एएसआई राजेश कुमार मीणा द्वारा दर्ज प्रकरण में परिवादी एवं उसकी कार का नाम निकालने की एवज में 15 हजार रुपए की राशि की मांग की जा रही थी। रिश्वत राशि नहीं देने पर परिवादी को जेल में बंद करने की धमकी दी गई। जिस पर 26 मई को रिश्वत राशि मांग सत्यापन रूबरू वार्ता करवाई गई।

दुनिया को भारत दिखा रहा है पाकिस्तान का आतंकी चेहरा

प्रतिनिधिमंडल ने की वैश्विक नेताओं से मुलाकात

एजेंसी (हि.स.)
जॉर्ज टाउन (गुयाना)

कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में भारतीय संसदीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली से मुलाकात की है। इन दिनों अलग-अलग भारतीय नेताओं के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल कई देशों की यात्रा पर है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर के नेताओं को पहलगाम पर हुए पाकिस्तान पोषित आतंकी हमले और उसके जवाब में भारत के ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दे रहा है। साथ ही वैश्विक नेताओं को आतंकवाद के खात्मे के लिए भारत की प्रतिबद्धता से अवगत कराया जा रहा है। अब तक हुई मुलाकातों में वैश्विक नेताओं ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में साथ खड़े होने का संकल्प दोहराया है।

फोटोः हि.स.

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली ने कहा कि भारत और गुयाना के बीच असाधारण संबंध हैं। भारत से उनका खून का रिश्ता है। आर्थिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से भारत हमारा बहुत करीबी साझेदार रहा है। पिछले कुछ वर्षों में हमने भारत से बड़े पैमाने पर निवेश देखा है। हमें उम्मीद है कि और अधिक भारतीय निवेशक, भारतीय तकनीक, डिजिटल उत्पाद हमारे अपने विकास का हिस्सा होंगे। वह आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ हैं। शशि थरूर ने कहा कि गुयाना के प्रधानमंत्री ब्रिगेडियर मार्क एंथनी फिलिप्स के साथ रात्रि भोज पर विचारों का आदान-प्रदान करना सुखद अनुभव रहा। उनकी पत्नी ने भारत में छह सप्ताह बिताए थे। उन्होंने अहमदाबाद में उद्यमिता और एनजीओ प्रबंधन का प्रशिक्षण लिया था।

दोहा में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल में शामिल पूर्व विदेश राज्यमंत्री वी. मुरलीधरन ने कहा, भारत आतंकवाद के खिलाफ एक स्वर में आवाज उठाना चाहता है। हम दो साल पहले सुरक्षा परिषद में थे और भारत ने सुरक्षा परिषद की आतंकवाद निरोधक समिति का एक विशेष सत्र मुंबई में आयोजित किया था। दुनिया के हर देश ने एक स्वर में आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा की लेकिन इसके बावजूद भारत को इस तरह के आतंकवादी कृत्यों का सामना करना पड़ रहा है। मुझे खुशी है कि कतर के नेतृत्व के साथ हमारी बातचीत के दौरान आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस के अपने विचार व्यक्त किए।

राजस्थान बोर्ड 10वीं का रिजल्ट आज होगा घोषित

अजमेर। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से कक्षा 10वीं का परिणाम बुधवार, 28 मई को घोषित किया जाएगा। इसके साथ ही करीब 11 लाख छात्रों का लंबे समय से चला आ रहा इंतजार खत्म हो जाएगा। राज्य के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर शाम चार बजे कोटा कलेक्टर कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अजमेर स्थित बोर्ड कार्यालय से जुड़कर रिजल्ट जारी करेंगे। बोर्ड सचिव कैलाश चंद्र शर्मा ने बताया कि परिणाम जारी करने की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस साल 10वीं में 10 लाख 96 हजार 85 और प्रवेशिका परीक्षा में सात हजार 324 छात्रों ने आवेदन किया था। बोर्ड की 10वीं की परीक्षाएं छह मार्च से शुरू होकर चार अप्रैल तक चली थीं। पिछले साल 10वीं का कुल पासिंग प्रतिशत 93.03% रहा था। छात्राओं का परिणाम 93.46% और छात्रों का 92.64% रहा था। 2023 में कुल 10,60,751 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था, जिनमें से 10,39,895 छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे। छात्र बोर्ड की वेबसाइट rajeduboard.rajasthan.gov.in या rajasthan.indiaresults.com पर रोल नंबर डालकर अपना रिजल्ट देख सकेंगे।

बांग्लादेश में सरकारी सेवा अध्यादेश का विरोध, ढाका में सचिवालय की सुरक्षा बढ़ाई गई

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
ढाका

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के हालिया सरकारी सेवा (संशोधन) अध्यादेश-2025 का विरोध तेज हो गया है। सरकारी कर्मचारी गुस्से में हैं। उन्होंने अध्यादेश वापस न लेने पर देशव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी है। सरकार ने राजधानी ढाका स्थित सचिवालय पर प्रवेश पर पाबंदी लगा दी है। साथ ही सचिवालय की सुरक्षा बढ़ाते हुए उसे छावनी में बदल दिया गया है।

बांग्ला ट्रिब्यून के अनुसार, सरकारी कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन शुरू होने से पहले सचिवालय की सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। हालांकि, सुरक्षा की जिम्मेदारी आमतौर पर पुलिस और एपीबीएन के जवानों की होती है, लेकिन बीजीबी और एसडब्ल्यूएटी के सदस्यों को भी तैनात किया गया है। सरकारी सेवा (संशोधन) अध्यादेश-2025 को वापस लेने की मांग को लेकर कर्मचारियों के विरोध प्रदर्शन को लेकर सचिवालय में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। यद्यपि सचिवालय की सुरक्षा सामान्यतः पुलिस और एपीबीएन के जवान ही जिम्मेदार होते हैं, लेकिन बीजीबी और एसडब्ल्यूएटी सदस्यों को भी तैनात किया गया है।

केवल शत्रुता, आपराधिक केस व दुरुपयोग की आशंका पर शस्त्र लाइसेंस निरस्त नहीं: हाईकोर्ट

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी से शत्रुता, शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने का आधार नहीं हो सकता। केवल आपराधिक केस दर्ज होने पर भी शस्त्र लाइसेंस निलम्बित या निरस्त नहीं किया जा सकता। आयुध अधिनियम की धारा 17(3) में दी गई शर्तों के आधार पर ही शस्त्र लाइसेंस निरस्त किया जा सकता है। ऐसा करते समय जिलाधिकारी को कारण बताना होगा।

कोर्ट ने याची का शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने के जिलाधिकारी हापुड़ के आदेश 28 अप्रैल 23 व मंडलायुक्त मेरठ के अपील में पारित आदेश 27 अक्टूबर 23 को अवैध करार देते हुए रद्द कर दिया है। जिलाधिकारी हापुड़ को दो माह में नये सिरे से आदेश पारित करने का निर्देश दिया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाड़िया ने देवेन्द्र सिंह की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा कि याची का शस्त्र लाइसेंस आपराधिक केस के कारण निरस्त किया गया। बाद में पुलिस ने अंतिम रिपोर्ट लगा दी जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। ऐसे में लाइसेंस निरस्त करने का आधार ही समाप्त हो गया है।

मंत्रालयीन कर्मचारी परिवार ने किया मुख्यमंत्री डॉ. यादव का

रिक्त पद भी भरेंगे, पदोन्नति का रास्ता भी निकाल रहे हैं : डॉ. यादव

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मंगलवार को मंत्रालय परिसर में मंत्रालय कर्मचारी परिवार द्वारा आत्मीय स्वागत व सम्मान किया गया। मंत्रालय परिवार ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कमल पुष्प की रजत प्रतिकृति भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रालय परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी राज्यकर्मी सम्मान और साधुवाद के पात्र हैं, क्योंकि इनकी कर्मठता और सामूहिक परिश्रम से ही मध्य प्रदेश आज देश के अग्रणी राज्य के रूप में पहचाना जा रहा है। राज्यकर्मी सच्चे अर्थों में कर्म योगी है। ये प्रदेश की शासन और प्रशासन व्यवस्था की धुरी हैं। राज्यकर्मी पूरी निष्ठा और मेहनत से अपने पदीय दायित्व निभाएं, इनके सभी हितों और अनुलाभों (इंसेंटिव्स) का सरकार पूरा-पूरा ध्यान रखेगी।

फोटोः हि.स.

उन्होंने कहा कि सरकार सभी रिक्त पदों को क्रमशः भरने की दिशा में आगे बढ़ रही है। जल्दी ही सभी रिक्त पद भरे जाएंगे। पदोन्नति वाले मसले पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस मामले से जुड़े दोनों पक्षों के साथ चर्चा कर शासकीय सेवकों को पदोन्नति देने के लिए राज्य सरकार पूरी गंभीरता से सभी जरूरी कदम उठा रही है। जल्द ही मामले का सकारात्मक समाधान निकालकर पात्रों को पदोन्नति दी जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार सभी राज्य कर्मचारियों का बीमा कराने की मंशा से आगे बढ़ रही है। सरकार की मंशा है कि सभी राज्य कर्मियों के खुद के मकान भी हों। राज्य कर्मियों को अपने बच्चों को पढ़ाने-लिखाने में सरकार मदद करना चाहती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर कर्मचारी-अधिकारी की क्षमता और योग्यता का पूरा लाभ लेंगे और प्रदेश की बेहतरी के लिए उसका सदुपयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी राज्यकर्मी शासन व्यवस्था का अभिन्न अंग है इसलिए इनके हित संवर्धन के लिए सरकार कोई कसर नहीं रखेगी। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के हित में प्रदेश का हित है और प्रदेश के हित में ही राष्ट्र का हित है।

कार्यक्रम के संयोजक सुभाष वर्मा द्वारा स्वागत उद्बोधन देकर केन्द्र सरकार के समान राज्य कर्मियों को महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता, सचिवालय भत्ता व अन्य सभी कर्मचारी हितैषी निर्णय लेने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार जताया और अपना मांग पत्र भी सौंपा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलन एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंत्रालय परिवार द्वारा पुष्पगुच्छ एवं पौधा भेंटकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय परिवार द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा में भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तिरंगा लेकर यात्रा का नेतृत्व किया और यात्रा को उसके गंतव्य स्थल की ओर रवाना किया।

बीसीसीआई ने तीनों सेनाओं के प्रमुखों को आईपीएल फाइनल के लिए आमंत्रित किया

आईपीएल के समापन समारोह के दौरान उनके 'वीरतापूर्ण प्रयासों' को दी जाएगी सलामी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को कहा कि उसने अहमदाबाद में तीन जून को होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग फाइनल के लिए तीनों सेना के प्रमुखों को आमंत्रित किया है। टूर्नामेंट के समापन समारोह के दौरान हाल में हुए ऑपरेशन सिंदूर में उनके 'वीरतापूर्ण प्रयासों' को सलामी दी जाएगी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक मीडिया बयान में यह घोषणा की। सैकिया ने मंगलवार को पीटीआई से कहा, 'हमने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने के लिए सभी भारतीय सशस्त्र बलों के प्रमुखों, शीर्ष अधिकारियों और सैनिकों को अहमदाबाद में आईपीएल फाइनल के लिए आमंत्रित किया है।'

सैकिया ने कहा कि बीसीसीआई देश के सशस्त्र बलों की 'वीरता, साहस और निस्वार्थ सेवा' को सलाम करता है। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर के तहत वीरतापूर्ण प्रयासों' की सराहना की जिसने राष्ट्र की रक्षा की और उसे प्रेरित किया। सैकिया ने कहा, 'उनकी सराहना के तौर पर हमने समापन समारोह को सशस्त्र बलों को समर्पित करने और अपने नायकों को सम्मानित करने का फैसला किया है। जबकि क्रिकेट एक राष्ट्रीय जुनून बना हुआ है लेकिन हमारे देश और इसकी संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा से बड़ा कुछ भी नहीं है।'

जनरल उपेंद्र द्विवेदी थल सेना प्रमुख हैं जबकि एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी नौसेना प्रमुख हैं। एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह वायुसेना प्रमुख हैं। पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले में 26 लोगों की पाकिस्तान समर्थित आतंकियों द्वारा हत्या के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। आतंकी हमले में मारे गए अधिकतर लोग पर्यटक थे।

जवाबी कार्रवाई के कारण दोनों चिर प्रतिद्वंद्वियों के बीच संक्षिप्त सैन्य टकराव हुआ था जिसके बाद भारत ने पाकिस्तान के संघर्ष विराम के अनुरोध पर अपने अभियान को रोकने पर सहमति जताई थी। बीसीसीआई के पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष सीके खन्ना ने बोर्ड के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'बीसीसीआई द्वारा तीनों सेना प्रमुखों को आमंत्रित करना एक अच्छा कदम है क्योंकि सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देश को गौरवान्वित किया है। हमें सुरक्षित रखने के लिए हम हमेशा अपने सैन्य बलों के ऋणी रहेंगे।'

जोश हेजलवुड बने आरसीबी के जसप्रीत बुमराह

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए जोश हेजलवुड उसी तरह अहम बन चुके हैं जैसे जसप्रीत बुमराह मुंबई इंडियंस और टीम इंडिया के लिए हैं। अपनी सटीक गेंदबाजी से हेजलवुड ने आरसीबी की गेंदबाजी इकाई को मजबूती दी है और अब लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के खिलाफ अहम मुकाबले में उनसे बड़ी उम्मीदें होंगी। ऑस्ट्रेलियाई पेसर हेजलवुड ने इस सीजन पावरप्ले में 7 विकेट और डेथ ओवर्स (आखिरी 4 ओवर) में 6 विकेट चटकाए हैं। उनका इकॉनमी रेट क्रमशः 7.22 और 9.04 रहा है, जो इस फेज में किसी भी गेंदबाज के लिए शानदार माना जाता है। खास बात ये है कि हेजलवुड ने पावरप्ले में अपनी टीम के कुल रन का सिर्फ 26.86 प्रतिशत ही खर्च किया, जबकि वह हर मैच में कम से कम दो ओवर इस फेज में जरूर डालते हैं। मंगलवार को इकाना स्टेडियम में जब आरसीबी का सामना एलएसजी से होगा, तो हेजलवुड की वापसी टीम के लिए राहत लेकर आएगी। अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी करने वाली एलएसजी की टीम को रोकने के लिए आरसीबी को अपने इस स्टार तेज गेंदबाज से शुरुआती विकेट की दरकार होगी। सीजन के सस्पेंड होने से पहले हेजलवुड ने पावरप्ले में सबसे ज्यादा 6 विकेट अपने पहले ही ओवर में चटकाए थे। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 42 रन की हार के बाद इंग्लिश बल्लेबाज फिल सॉल्ट ने माना कि आरसीबी जीत के करीब थी।

कार्लो एंसेलोटी ने ब्राजील की पहली टीम का किया ऐलान, नेमार बाहर, कासेमीरो की वापसी

एजेंसी (हि.स.)
रियो डी जेनेरियो

फोटोः हि.स.

ब्राजील के नए कोच कार्लो एंसेलोटी ने सोमवार को अपनी पहली 25 सदस्यीय टीम का ऐलान किया, जिसमें सबसे बड़ा नाम गायब रहा – नेमार। चोट से जूझ रहे नेमार हाल ही में सैंटोस क्लब में लौटे हैं, लेकिन एंसेलोटी ने बताया कि वो अभी राष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए पूरी तरह फिट नहीं हैं। एंसेलोटी ने कहा, दुर्भाग्य से हमारे कई खिलाड़ी चोटिल हैं, जिनमें नेमार भी शामिल हैं। लेकिन हम उन पर भरोसा करते हैं। मैंने आज सुबह उनसे बात की और वह पूरी तरह सहमत हैं।

टीम में मिडफील्डर कासेमीरो की वापसी हुई है, जो पिछले लगभग डेढ़ साल से टीम से बाहर चल रहे थे। 2022 विश्व कप में टीम के कप्तान रहे कासेमीरो की वापसी को एंसेलोटी ने नेतृत्व और बलिदान की जरूरत से जोड़ा। कोच ने कहा, राष्ट्रीय टीम को ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत है जिनमें करिश्मा, टैलेंट और समर्पण हो – कासेमीरो उन खिलाड़ियों में से हैं।

रियल मैड्रिड छोड़ने के बाद ब्राजील की कमान संभालने वाले एंसेलोटी ने अपने पुराने शिष्य विनीसियस जूनियर पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने कहा, मैं पूरी तरह से मानता हूं कि विनीसियस राष्ट्रीय टीम में भी अपना सर्वश्रेष्ठ रूप दिखाएंगे। फिर उन्होंने मजाक में कहा, जैसे मैड्रिड में... लेकिन इस साल वाला नहीं, पिछले साल वाला।

65 वर्षीय एंसेलोटी ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के पहले पूर्णकालिक विदेशी कोच हैं। उन्होंने अपने प्रेस कॉन्फ्रेंस में करीब 200 मीडिया कर्मियों को अपने जवाबों से प्रभावित किया।

ब्राजील की 25 सदस्यीय टीम इस प्रकार है

गोलकीपरः एलिसन (लिवरपूल)
बेंटो (अल-नासर), ‘गो सूजा (कोरिंथियंस)।
डिफेंडरः एलेक्स सैंड्रो, डानीलो, लियो ओर्टिज, वेजले (सभी फ्लेमिंगो), एलेक्ससैन्ड्रो (लिल),
लुकास बेराल्डो (पीएसजी), कार्लोस ऑगस्टो (इंटर मिलान), वैंडरसन (मोनाको)।
मिडफील्डरः एंड्रियास पेरेरा (फुलहम), एंड्री सैंटोस (स्ट्रासबर्ग),
ब्रूनो गिमाराइश (न्यूकासल), कासेमीरो (मैनचेस्टर यूनाइटेड)
एडरसन (अटलांटा), गेरसन।
फॉरवर्डः एंटनी (रियल बेटिस),
एस्तेवं (पाल्मेरास), गैब्रिएल मार्टिनेली (आर्सेनल), मथियस कुन्हा (वॉल्वरहैम्पटन), रफिन्हा (बार्सिलोना), रिचार्लिसन (टॉटनहम), विनीसियस जूनियर (रियल मैड्रिड)।

भारतीय खेल प्राधिकरण शाखा काशीपुर उत्तराखंड में आशीष सिंह का चयन

एजेंसी (हि.स.)
मुरादाबाद

फोटोः हि.स.

भारतीय खेल प्राधिकरण शाखा काशीपुर उत्तराखंड द्वारा ताइक्वांडो खेल में खिलाड़ियों का चयन प्रक्रिया जनवरी माह में कराई गई थी जिसमें देशभर के 300 से अधिक खिलाड़ियों ने चयन प्रतिभाग किया था। इस प्रक्रिया में मुरादाबाद जिले से ताइक्वांडो खिलाड़ी आशीष सिंह का एकमात्र चयन हुआ है।

जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव व आशीष सिंह के कोच शाहवेज अली ने मंगलवार को बताया कि मुरादाबाद के इतिहास में पहली बार भारतीय खेल प्राधिकरण में किसी खिलाड़ी का चयन ताइक्वांडो खेल में हुआ है, जिसमे आशीष सिंह पिछले चार वर्षों से इस चयन प्रक्रिया में हिस्सा ले रहा था परंतु हर बार किसी न किसी कारणवश उसका चयन नहीं हो पा रहा था, लेकिन आशीष सिंह ने हार न मानते हुए अपना प्रयास जारी रखा और सफलता हासिल की।

इस मौके पर जीके पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य ने आशीष सिंह की आगे की शिक्षा को निःशुल्क रूप से प्रदान करने की घोषणा की है। जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों ने आशीष सिंह को मिठाई खिलाकर बधाई दी व उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गुलवीर सिंह ने 10 हजार मीटर की दौड़ में जीता स्वर्ण

नई दिल्ली। एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारत को पहला स्वर्ण पदक मिल गया है। यह कारनामा किया देश के दिग्गज धावक गुलवीर सिंह ने, जिन्होंने पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पर कब्जा जमाया। गुलवीर ने 28:38.63 का समय निकालते हुए यह जीत हासिल की। शुरुआती दौर में वह पांच धावकों के अग्रिम समूह में बने रहे और आखिरी लैप में स्पीड बढ़ाते हुए बहरीन के अल्बर्ट किबिबी रोप को पीछे छोड़ते हुए आरामदायक बढ़त के साथ फिनिश लाइन पार की। इस जीत के साथ गुलवीर सिंह एशियाई चैंपियनशिप के इतिहास में भारत को पुरुषों की 10,000 मीटर में तीसरा स्वर्ण दिलाने वाले एथलीट बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि हरि चंद (1975) और जी. लक्ष्मणन (2017) ने हासिल की थी। गुलवीर के नाम पहले से ही इस स्पर्धा में 27:00.22 का राष्ट्रीय रिकॉर्ड दर्ज है। यह एशियाई चैंपियनशिप में उनका दूसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने 2023 में 5000 मीटर में कांस्य पदक जीता था।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025: सर्विन सेबास्टियन ने 20 किमी रेस वॉक में जीता कांस्य

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारत को पहला पदक मिल गया है। पुरुषों की 20 किमी रेस वॉक स्पर्धा में सर्विन सेबास्टियन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीत लिया। उन्होंने 1:21:13.60 का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकालते हुए अपने करियर का पहला एशियाई पदक हासिल किया।

सर्विन सेबास्टियन एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप की 20 किमी रेस वॉक स्पर्धा में पदक जीतने वाले आठवें भारतीय बन गए हैं। यह उनके करियर की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि है। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना दम दिखाया है।

महिलाओं की जेवलिन थ्रो स्पर्धा में भारत की अनुभवी एथलीट अन्नू रानी पदक से चूक गईं। उन्होंने अपनी तीसरी कोशिश में 58.40 मीटर दूर भाला फेंका, लेकिन वह उन्हें सिर्फ चौथे स्थान तक ही ले जा सका।

महिलाओं की 400 मीटर दौड़ में भारत की रूपल चौधरी और विध्या रामराज ने अपने-अपने हीट में पहला और दूसरा स्थान हासिल करते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया है। दोनों से फाइनल में भी दमदार प्रदर्शन की उम्मीद है।

पुरुषों की 1500 मीटर दौड़ के हीट में यूनूस शाह ने दूसरा स्थान हासिल करते हुए फाइनल में अपनी जगह पक्की की। वहीं, 400 मीटर दौड़ में विशाल टीके ने 46.05 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकालते हुए फाइनल में जगह बनाई। हालांकि, जय कुमार क्वालिफिकेशन मार्क से मामूली अंतर से चूक गए।

ड्रीम यूटीटी जूनियर्स का पहला संस्करण कल से अहमदाबाद में शुरू होगा

अहमदाबाद। देश की उभरती टेबल टेनिस प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से ड्रीम यूटीटी जूनियर्स प्रतियोगिता का पहला संस्करण 29 मई से 8 जून तक अहमदाबाद स्थित ईका एरिना में आयोजित किया जाएगा। यह टूर्नामेंट अंडर-15 खिलाड़ियों के लिए एक ऐतिहासिक पहल मानी जा रही है, जिसे ड्रीम स्पोर्ट्स फाउंडेशन (ड्रीम खेल फाउंडेशन) और अल्टीमेट टेबल टेनिस के सहयोग से शुरू किया गया है। ड्रीम खेल फाउंडेशन इस प्रतियोगिता में युवा विकास साझेदार की भूमिका निभा रहा है। इस प्रतियोगिता में देश के 16 सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी (8 लड़के और 8 लड़कियां) हिस्सा ले रहे हैं, जिनका चयन मार्च में समाप्त हुई ड्रीम स्पोर्ट्स चैंपियनशिप टेबल टेनिस 2025 के प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। इस प्रतियोगिता में चंडीगढ़ के साहिल रावत और मुंबई की दिव्यांशी भौमिक ने विजेता बनकर सबका ध्यान खींचा था।

अपने प्रदर्शन के बाद नीलामी के लिए बेहद उत्साहित हूं: रेडर देवांक दलाल

एजेंसी (हि.स.)
मुंबई

फोटोः हि.स.

इस बार 31 मई और 1 जून को होने वाली प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 की नीलामी इतिहास की सबसे ब्लॉकबस्टर साबित हो सकती है, क्योंकि कई स्थापित सितारे नीलामी पूल में शामिल हो रहे हैं।

इस स्टार-स्टडेड लाइनअप का नेतृत्व सीजन 11 के बेस्ट रेडर देवांक दलाल कर रहे हैं, जिन्होंने 426 रेड्स में 301 रेड प्वाइंट्स, 8 सुपर रेड्स और 18 सुपर प्वाइंट्स हासिल किए और पटना पाइरेट्स को फाइनल तक पहुंचाया। अपने शानदार प्रदर्शन के बावजूद पटना पाइरेट्स ने उन्हें रिटेन नहीं किया, जिससे दलाल अब सबसे बड़े फ्री एजेंट्स में से एक बन गए हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, इतने शानदार प्रदर्शन के बाद यह मेरी पहली नीलामी है, इसलिए मैं बहुत उत्साहित हूं।

उन्होंने कहा, सीजन की शुरूआत में मेरा 26 प्वाइंट्स वाला मैच मेरे जीवन का टर्निंग प्वाइंट था। मुझे उस प्रदर्शन से बहुत प्रोत्साहन मिला। उस मैच ने मुझे पूरे सीजन में विकास करने में मदद की। अपनी अगली टीम को लेकर उत्साहित दलाल ने कहा, मैं किसी भी टीम के साथ अच्छा प्रदर्शन कर सकता हूं, लेकिन यह निश्चित नहीं है कि कौन सी टीम सफल होगी - कुछ भी पूर्व निर्धारित नहीं है। उन्होंने कहा, अगर पटना पाइरेट्स अपना फाइनल बिड मैच विकल्प इस्तेमाल करते हैं, तो मैं उस टीम में लौट सकता हूं।

दर्पण

सस्पेंस और मर्डर मिस्ट्री से भरपूर फिल्म 'हाउसफुल-5' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज

फिल्म 'हाउसफुल-5' इस समय चर्चा में बनी हुई है। फिल्म की घोषणा के बाद से ही दर्शक इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। इस फिल्म के गाने पहले ही सोशल मीडिया पर धूम मचा चुके हैं और आखिरकार इसका धमाकेदार ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है। जिसमें कॉमेडी है, सस्पेंस है और मर्डर मिस्ट्री भी है। फिल्म की पूरी कहानी एक क्रूज जहाज पर आधारित है।

3 मिनट 53 सेकंड के ट्रेलर में 69 बिलियन पाउंड के मालिक रंजीत डोबरिया को एक विशाल जहाज पर अपने 100वें जन्मदिन की पार्टी देते हुए दिखाया गया है। इस पार्टी में वह घोषणा करता है कि उसका असली उत्तराधिकारी उसका बेटा 'जॉली' है, लेकिन यहीं से भ्रम की स्थिति शुरू होती है। क्योंकि रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन और अक्षय कुमार ये तीनों खुद को 'जॉली' बताते हैं और फिर एक हत्या हो जाती है। तो फिर हत्या किसने की? और 797 करोड़ रुपये की संपत्ति का उत्तराधिकारी कौन है? अगर आप इन सवालों के जवाब जानना चाहते हैं तो आपको पूरी फिल्म देखनी होगी।

'हाउसफुल-5' में संजय दत्त और जैकी श्रॉफ पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। तरुण मनसुखानी के निर्देशन में इस फिल्म में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, संजय दत्त, नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, जैकलीन फर्नांडीज, चंकी पांडे, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, नरगिस फाखरी, चित्रांगदा सिंह, सोनम बाजवा, सौंदर्या शर्मा और जॉनी लीवर की दमदार स्टारकास्ट है। यह फिल्म 6 जून को रिलीज हो रही है। फिल्म का बजट 375 करोड़ रुपये है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई करती है।

'हाउसफुल' फ्रेंचाइजी हमेशा से दर्शकों की पसंदीदा रही है। फिल्म 'हाउसफुल' 2010 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म के हिट होने के बाद 2012 में फिल्म 'हाउसफुल-2' रिलीज हुई। इस फिल्म में अक्षय, रितेश, जॉन अब्राहम, श्रेयस तलपड़े, जैकलीन फर्नांडीज, ऋषि कपूर, रणधीर कपूर और मिथुन चक्रवर्ती की एक्टिंग ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इसके बाद हाउसफुल-3 और हाउसफुल-4 फिल्में भी रिलीज हुई। ये सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर हिट रहीं। अब दर्शकों को फिल्म 'हाउसफुल-5' का इंतजार है। 'हाउसफुल-5' की रिलीज के बाद यह पहली भारतीय फ्रेंचाइजी होगी, जिसके 5 पार्ट रिलीज होंगे।

युजवेंद्र चहल से तलाक के बाद निजी और पेशेवर जिंदगी पर ध्यान दे रही हैं धनश्री

भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी धनश्री वर्मा तलाक के बाद अलग हो गए हैं। तलाक के बाद धनश्री अपने करियर पर ध्यान दे रही हैं। धनश्री सोशल मीडिया पर हमेशा एक्टिव रहकर अपनी निजी और पेशेवर जिंदगी पर ध्यान दे रही हैं।

युजवेंद्र और धनश्री 22 दिसंबर, 2020 को शादी के बंधन में बंधे थे, लेकिन 2023 में यह बात सामने आई कि धनश्री-चहल के रिश्ते में दरार आ गई है। अंततः 20 मार्च को आपसी सहमति से उनका रिश्ता खत्म हो गया। हाल ही में एक साक्षात्कार में उन्होंने तलाक के बाद की स्थिति पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। दिए एक इंटरव्यू में धनश्री ने तलाक के बाद हुई आलोचना और ट्रोलिंग पर अपने विचार व्यक्त किए। इस बारे में धनश्री ने कहा, सोशल मीडिया पर नकारात्मकता और आलोचना मुझे कभी परेशान नहीं करती। मैं एक मेहनती इंसान हूं।

उन्होंने आगे कहा, इस दौरान मैंने अपनी जीवनशैली को पूरी तरह से बदल दिया और आत्म-प्रेम, अनुशासन, व्यायाम और अच्छे भोजन पर ध्यान केंद्रित किया। मैं ऐसे लोगों के बीच रहती हूं, जो मुझसे प्यार करते हैं और मेरा सम्मान करते हैं। इसके बाद उन्होंने सामने आई चुनौतियों को शेयर किया कहा, कठिन समय भी है, लेकिन कला के प्रति मेरा जुनून मुझे मजबूत बने रहने में मदद करता है।

धनश्री ने आगे कहा, मैंने जो सबसे बड़ी बात सीखी है, वह है आत्मनिर्भरता का महत्व। मेरे माता-पिता ने हमेशा मुझे एक मजबूत लड़की के रूप में पाला है। मुझे अब अपने बारे में किसी भी गलत धारणा को स्पष्ट करने में कोई दिलचस्पी नहीं है, क्योंकि इससे केवल और अधिक बहस होती है। मुझे लगता है कि ये बहस मेरे काम के बारे में होनी चाहिए। अभी मैं अपनी निजी और पेशेवर जिंदगी पर ध्यान दे रही हूं।

धनश्री सोशल मीडिया पर हमेशा एक्टिव रहती हैं। वह सोशल मीडिया पर अपनी कई तस्वीरें और वीडियो शेयर करके अपने प्रशंसकों के साथ जुड़ी रहती हैं। धनश्री एक बेहतरीन डांसर हैं। डांसर होने के अलावा धनश्री एक अभिनेत्री भी हैं और जल्द ही फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने वाली हैं। वह अनुभवी फिल्म निमार्ता दिल राजू द्वारा निर्मित फिल्म से बड़े पर्दे पर पदार्पण करेंगी।

परेश रावल के हेरा फेरी-3 फिल्म छोड़ने पर सुनील शेट्टी ने कहा- फैसले ने मुझे चौंकाया

परेश रावल के 'हेरा फेरी-3' छोड़ने से हर कोई हैरान रह गया। परेश रावल इस फैसले से 'हेरा फेरी-3' बनेगी या नहीं? इस पर प्रश्नचिन्ह खड़ा हो गया है। दर्शकों की पसंदीदा तिकड़ी बाबूभैया, श्याम और राजू 'हेरा फेरी-3' के लिए फिर से एक साथ आने वाले थे, लेकिन अब परेश रावल के बाहर होने पर सुनील शेट्टी की भावनात्मक प्रतिक्रिया सामने आई है।

एक इंटरव्यू में सुनील शेट्टी ने कहा, हमने हेरा फेरी-3 का प्रोमो शूट किया था। मैं, परेश और अक्षय उस समय वहां थे। यह अविश्वसनीय था कि 25 साल बाद हम तीनों हेरा फेरी-3 के लिए प्रियदर्शन के साथ आ रहे हैं। हम तीनों के बीच की केमिस्ट्री और समझ कमाल की है। इसलिए, परेश जी के फैसले ने मुझे चौंका दिया।

परेश जी ने खुद मुझसे कहा कि किसी कारणवश वे हेरा फेरी नहीं कर रहे हैं। हम इस फिल्म को लेकर बहुत उत्साहित थे। सिर्फ मैं ही नहीं, बल्कि हमारा परिवार, हमारे प्रशंसक भी बहुत उत्साहित थे। मेरे बेटे अहान ने मुझे न्यूज कटिंग भेजी और मुझसे पूछा- पापा, क्या हुआ? क्यों? अब जब परेश रावल ने 'हेरा फेरी-3' छोड़ दी है तो हर कोई इस बात को लेकर उत्सुक है कि उनकी जगह कौन सा अभिनेता लेगा, क्या 'हेरा फेरी-3' की शूटिंग होगी या फिर फिल्म बंद कर दी जाएगी।

डीसी ने चंडीगढ़ में नशीली दवाओं की तस्करी को लेकर बैठक की

बढ़ रहे नशे पर जताई चिंता, जमीनी स्तर पर प्रयास करने के दिए निर्देश

संवाददाता
चंडीगढ़

यू.टी. चंडीगढ़ के डिप्टी कमिश्नर श्री निशांत कुमार यादव ने नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी) की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें केंद्र शासित प्रदेश में नशीली दवाओं की तस्करी, मादक द्रव्यों के सेवन और संबंधित सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी चिंताओं से संबंधित मौजूदा मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक प्रवर्तन तंत्र को सुदृढ़ करने, अंतर-विभागीय समन्वय को सुव्यवस्थित करने और नशीली दवाओं के खिलाफ उपायों के प्रभावी जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुलाई गई थी।

विचार-विमर्श के दौरान, डिप्टी कमिश्नर ने सभी उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में प्रति माह कम से कम तीन केमिस्ट शॉप का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। ये निरीक्षण ड्रग इंस्पेक्टरों के सहयोग से किए जाने हैं ताकि फार्मास्युटिकल पदार्थों की बिक्री और वितरण को नियंत्रित करने वाले नियामक मानदंडों का व्यापक अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके।

निर्देश का मुख्य फोकस यह सुनिश्चित करना था कि यू.टी. चंडीगढ़ के सभी केमिस्ट शॉप में नशीली दवाओं की तस्करी, मादक द्रव्यों के सेवन और संबंधित सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी चिंताओं से संबंधित मौजूदा मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाए। चंडीगढ़ में कार्यात्मक और रणनीतिक रूप से तैनात सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, जो दुकान परिसर का पूरा दृश्य कवरेज प्रदान करते हैं। यह भी अनिवार्य है कि ऐसे सभी सीसीटीवी सिस्टम रिकॉर्ड किए गए फुटेज की न्यूनतम 30 दिनों की बैकअप स्टोरेज क्षमता बनाए रखें। यह उपाय अवैध गतिविधियों के खिलाफ एक निवारक के रूप में और फार्मास्युटिकल रिटेल क्षेत्र में जवाबदेही को मजबूत करने के लिए शुरू किया जा रहा है। इस बात पर भी जोर दिया गया कि ऐसे निरीक्षणों के दौरान पहचाने गए गैर-अनुपालन या नियामक उल्लंघन के किसी भी मामले में कानून के प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिला सूचना अधिकारी को एक पोर्टल विकसित करने का निर्देश दिया गया, जहां केमिस्टों के पास उपलब्ध सभी अनुसूचित-एच दवाओं का रिकॉर्ड वास्तविक समय की निगरानी के लिए उनके द्वारा अपलोड किया जा सके। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को चंडीगढ़ के जीएमएसएच सेक्टर 16 में एक नशा मुक्ति केंद्र शुरू करने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त, शिक्षा विभाग, यू.टी. चंडीगढ़ को शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में काम करने वाले किसी भी तंबाकू विक्रेता की पहचान करने और उसकी मौजूदगी को खत्म करने के लिए एक व्यापक सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया गया है। की गई कार्रवाई पर एक समेकित रिपोर्ट पुलिस अधीक्षक (अपराध), यू.टी. को प्रस्तुत की जानी है। चंडीगढ़, इस निर्देश के जारी होने की तिथि से पंद्रह (15) दिनों की अवधि के भीतर। इसके अलावा, पुलिस विभाग और शिक्षा विभाग को संयुक्त रूप से एक संरचित कार्य योजना की तैयारी और कार्यान्वयन का काम सौंपा गया है, जिसका उद्देश्य छात्रों और युवाओं को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरों के बारे में जागरूक करने के लिए जागरूकता अभियान और शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित करना है। इन पहलों का उद्देश्य लचीलापन बनाना, स्वस्थ जीवन शैली विकल्पों को बढ़ावा देना और पूरे शहर में नशा मुक्त वातावरण को बढ़ावा देना है। बैठक में भारत सरकार द्वारा टेली मानस (मानसिक स्वास्थ्य सहायता और राज्यों में नेटवर्किंग) पहल के राष्ट्रव्यापी शुभारंभ पर भी ध्यान दिया गया। यह कार्यक्रम टेलीफोन और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से चौबीसों घंटे (24x7) मानसिक स्वास्थ्य परामर्श और सहायता सेवाएं प्रदान करता है। टेली मानस का प्राथमिक उद्देश्य मनोवैज्ञानिक संकट, मानसिक स्वास्थ्य विकार या तनाव से संबंधित मुद्दों का सामना करने वाले व्यक्तियों को समय पर भावनात्मक समर्थन, मुकाबला करने की रणनीति और पेशेवर रेफरल प्रदान करना है।

नागरिकों को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन नंबर 14416 पर कॉल करके टेली मानस की निःशुल्क और गोपनीय सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। उपायुक्त ने सक्रिय शासन, सतर्क प्रवर्तन और निरंतर जागरूकता पहलों के माध्यम से मादक द्रव्यों के सेवन पर अंकुश लगाने, सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा और यू.टी. चंडीगढ़ के निवासियों की समग्र भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया।

संक्षिप्त-समाचार

भ्रष्टाचार के मामले में सहायक के खिलाफ केस दर्ज

चंडीगढ़। एसीबी गुरूग्राम द्वारा कल दिनांक 26.5.2025 को भ्रष्टाचार के मामले में आरोपी सुखदेव सहायक, एम.डी.यू. लॉ कॉलेज, सैक्टर-40, गुरूग्राम के विरूद्ध चालान धारा 7, 13(1)बी सहपठित 13(2) पीसी एक्ट व 318(4) बी.एन.एस. के तहत माननीय न्यायालय जिला गुरूग्राम में दिया गया है। शिकायतकर्ता ने एसीबी गुरूग्राम को दी अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि उसने वर्श 2019 में एम.डी.यू. लॉ कॉलेज, सैक्टर-40, गुरूग्राम में बी.ए. एल.एल.बी. (पाँच वर्षीय) करने के लिये दाखिला लिया था। उसके द्वारा वर्श 2024 में बी.ए. एल.एल.बी पूर्ण कर ली गई थी। उसको हरियाणा सरकार की तरफ से वर्ष 2021 से लेकर 2024 की अवधि की स्कॉलरशिप के रूप में कुल 1,64,000/- रुपए प्राप्त हुए थे। यह स्कॉलरशिप राशी उसके द्वारा कॉलेज में फीस के रूप में वापिस जमा करवाई जानी थी। आरोपी सुखदेव सहायक ने उससे स्कॉलरशिप राशी 1,64,000/- रुपए कॉलेज में जमा करवाये बिना उसको उसकी बी.ए. एल.एल.बी की डिग्री जारी करने की एवज में उसको प्राप्त स्कॉलरषिप राशी में से 1,00,000/- रुपए (एक लाख रुपए) रिश्वत की माँग की है। शिकायतकर्ता की शिकायत पर एसीबी गुरूग्राम द्वारा कार्यवाही करते हुये आरोपी सुखदेव सहायक, एम.डी.यू. लॉ कॉलेज, सैक्टर-40, गुरूग्राम को शिकायतकर्ता से 1,00,000/- रुपए (एक लाख रुपए) रिश्वत लेते हुए कोर्ट परिसर, गुरूग्राम के गेट न. 3 से रंगे हाथो गिरफ्तार किया गया था तथा आरोपी के विरूद्ध अभियोग संख्या 11 दिनांक 28.3.2025 धारा 7, 13(1) बी सहपठित 13(2) पीसी एक्ट व 318(4) बी.एन.एस. थाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो गुरूग्राम दर्ज किया गया था।

12.07.2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जाएगी

चंडीगढ़ । राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, यू.टी. 12.07.2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित करने जा रहा है। जो लोग जिला न्यायालयों और अन्य न्यायाधिकरणों, यू.टी., चंडीगढ़ के समक्ष सूचीबद्ध अपने मामले को समझौते के माध्यम से इस राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निपटाना चाहते हैं, वे अपने मामले को सौहार्दपूर्ण तरीके से निपटाने के लिए 12.07.2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में सूचीबद्ध कराने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, यू.टी., चंडीगढ़ के कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। राष्ट्रीय लोक अदालत में उठाए जाने वाले मामलों की श्रेणियां आपराधिक समझौता योग्य अपराध हैं; धारा 138 के तहत एनआई अधिनियम के मामले; धन वसूली के मामले; मोटर दुर्घटना दावा मामले; श्रम विवाद मामले; सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं जैसे बिजली और पानी के बिल मामले, आदि से संबंधित विवाद; वैवाहिक विवाद / पारिवारिक विवाद; किराया मामले; उपभोक्ता संरक्षण मामले; भरण-पोषण संबंधी मुद्दे; तथा अन्य सिविल मामले (किराया, सुखाधिकार अधिकार, निषेधाज्ञा मुकदमे, विशिष्ट निष्पादन मुकदमे आदि)।

ओरिएंटल ट्राइमेक्स लिमिटेड ने अपने वित्तीय परिणाम घोषित किए

चंडीगढ़। ओरिएंटल ट्रिमैक्स लिमिटेड ने मार्च 2025 को समाप्त चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 25 में वित्तीय परिणामों के साथ अपने व्यावसायिक संचालन को सफलतापूर्वक बदल दिया है। कंपनी ने पिछले साल के चौथे तिमाही के 6.43 करोड रुपये के नुकसान की तुलना मे 5.97 करोड रुपये का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया है। पिछले साल की अवधि 2024 के चौथे तिमाही के दौरान संचालन से 2025 के चौथे तिमाही में 3.01 करोड़ रुपये राजस्व की तुलना में, 453 प्रतिशत की एक साल-प्रति वर्ष की वृद्धि को चिह्नित करते हुए, चार गुना 16.66 करोड रुपये से अधिक हो गया। ओडिशा स्टील एन्ड मेन्युफेक्चरिंग डिपार्टमेन्ट के द्वारा कंपनी को ब्लेक ग्रेनाईट माईनिंग के लीए 30 साल की लीज मील गई है। उसके कारण ओरिएन्टल ट्राईमेक्स सालाना तौर पर ईस माईनिंग साईट्स से रुपए 10 करोड से रुपए 15 करोड तक रेवन्यु कंन्ट्रीब्युशन की आशा है, जो कंपनी की विकास की यात्रा में योगदान देगी। इसके ओपरेशन्स भी आगामी समय से शुरु होने वाले है, उसके साथ साथ यह प्रोजेक्ट संसाधन स्वामित्व, लागत दक्षता और माईनिंग से वितरण तक पूर्ण-स्पेक्ट्रम मूल्य श्रृंखला एकीकरण को बेहतर बनाने में योगदान देगी। ये दीर्घकालिक संपत्ति ओरिएंटल ट्राईमैक्स के विस्तरण और प्रोफिट स्टेबलिटी के आधार को मजबूत करती हैं, तथा नेचरल स्टोन और बिल्डिंग मटिरियल्स उद्योग में एक अग्रणी खिलाड़ी के रूप में कंपनी की स्थिति को मजबूत करती हैं।

सतिन्दर रावत उत्तराखंड पर्वतीय सभा के निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

संवाददाता
जीरकपुर

दीपक नेगी को महासचिव दायित्व

उत्तराखंड पर्वतीय सभा, जीरकपुर, बलटाना, ढकोली की आम सभा की बैठक में सतिन्दर रावत को सभा का प्रधान व दीपक नेगी को महासचिव निर्विरोध चुना गया।

इनके अलावा बलबीर रावत को वरिष्ठ उप प्रधान, मनोज कान्त व महेन्द्र रावत को उप प्रधान, रविन्द्र विष्ट को सचिव, सोहन बुरोला को कोषाध्यक्ष, भरत रावत को उप कोषाध्यक्ष, कुंवर सिंह रावत को लेखा निरीक्षक, मनीष गुसाई को सांस्कृतिक सचिव, सुनील बिष्ट को उप सांस्कृतिक सचिव, रोशन बिष्ट को माल सचिव तथा दिनेश सिंह नेगी को प्रेस सचिव के पद पर चुना गया। इससे पहले बैठक में दो वर्ष का आय-व्यय प्रस्तुत किया गया। निवर्तमान प्रधान रणजीत भंडारी ने अपने 2 वर्ष के कार्यकाल में हुए कार्यों का विवरण सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया।

चुनाव प्रक्रिया जगदीश असवाल, थान सिंह तथा दरवान नेगी की देखरेख में पारदर्शिता एवं शांति के साथ सम्पन्न हुई।

एसडी कॉलेज में एनएसई अकादमी के सहयोग से फाइनेंशियल वैलनेस सेमिनार का आयोजन

संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज ने मंगलवार को भारतीय राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज, मुंबई की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनएसई अकादमी के सहयोग से कॉलेज के मिनी ऑडिटोरियम में विशेष रूप से महिलाओं के लिए फाइनेंशियल वैलनेस सेमिनार का आयोजन किया। इसका उद्देश्य भविष्य में फाइनेंशियल फ्रीडम के लिए उनके फाइनेंशियल विजडम को मजबूत करना था। यह सेमिनार कॉलेज के पीजी डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट के फाइनेंशियल लिटरेसी क्लब के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक था। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने समाज के समग्र विकास के लिए आज के युग में ऐसे कार्यक्रमों की जरूरत बताई। कॉलेज की डीन कामर्स डॉ. मेरु सहगल ने विशेषज्ञ का स्वागत किया और वित्तीय निर्णयों में महिलाओं की भागीदारी को दशार्ने वाले सांख्यिकीय आंकड़ों पर प्रकाश डाला। उन्होंने साथी युवा महिला प्रतिभागियों को वित्तीय निर्णय लेने में भागीदारी करने की सलाह दी, जिससे आर्थिक रूप से महिला सशक्तीकरण हो सके। इस सेमिनार में विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि वाली शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक स्टाफ की 65 महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया। एनएसई अकादमी के विशेषज्ञ देव राज सिंह ने सत्र को संबोधित किया और फाइनेंशियल विजडम के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने महिलाओं के लिए वित्तीय शिक्षा के महत्व, विभिन्न आयु समूहों में निवेश के लिए उपलब्ध विभिन्न वित्तीय उत्पादों और रिटायरमेंट प्लानिंग में इसे शामिल करने पर चर्चा की। पारंपरिक बैंकिंग और गैर-बैंकिंग वित्तीय उत्पादों के अलावा, एनपीएस, अटल पेंशन योजना जैसी विभिन्न सरकारी वित्तीय पहल भी चर्चा का हिस्सा रहीं। उन्होंने व्यापक वित्तीय योजना के तहत स्पष्ट वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करने के साथ-साथ अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए जल्द से जल्द वित्तीय यात्रा शुरू करने के महत्व पर चर्चा की। सेमिनार का समापन पीजी डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट के आयोजन सचिव डॉ. यशपाल तनेजा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

डीएम चंडीगढ़ के निदेर्शों के तहत एनएच-05 पर अतिक्रमण विरोधी अभियान सफलतापूर्वक चलाया गया

संवाददाता
चंडीगढ़

जिला मजिस्ट्रेट, चंडीगढ़ के निदेर्शों के तहत, 27.05.25 को राष्ट्रीय राजमार्ग-05 के साथ राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) पर अनधिकृत अतिक्रमणों को हटाने के लिए एक विशेष तोड़फोड़ और निकासी अभियान सफलतापूर्वक चलाया गया, जिसमें हल्लोमाजरा लाइट पॉइंट से लेकर केंद्र शासित प्रदेश की सीमा (जीरकपुर की ओर) तक का हिस्सा शामिल था। लगभग 2.5 किलोमीटर की दूरी को कवर करने वाला यह अभियान इंजीनियरिंग विभाग, चंडीगढ़ पुलिस और अन्य संबंधित अधिकारियों के समन्वित प्रयासों से सुचारू रूप से और कुशलतापूर्वक चलाया गया। अभियान का प्राथमिक उद्देश्य सार्वजनिक भूमि को पुनः प्राप्त करना और स्वीकृत मास्टर प्लान जैसे साइकिल ट्रैक के अनुसार बुनियादी ढांचे के निर्बाध विकास और विस्तार को सुनिश्चित करना था। इस महत्वपूर्ण गलियारे पर अतिक्रमण ने न केवल विकासात्मक गतिविधियों में बाधा डाली थी, बल्कि यातायात और सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएँ भी पैदा की थीं। शहरी नियोजन और जनहित के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए, अतिक्रमणकारियों को स्वैच्छिक रूप से हटाने के लिए बार-बार नोटिस और अवसर दिए गए थे। हालांकि, अनुपालन न करने पर, प्रशासन ने दृढ़ लेकिन शांतिपूर्ण कार्रवाई की।

अधिकारियों, पुलिस कर्मियों और फील्ड स्टाफ की एक समर्पित टीम ने सुनिश्चित किया कि सार्वजनिक व्यवस्था में किसी भी तरह की बाधा के बिना अभियान चलाया जाए। यातायात प्रवाह को बनाए रखने और यात्रियों और आस-पास के निवासियों को कम से कम असुविधा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्था पहले से ही की गई थी। पुनर्प्राप्त क्षेत्र को अब चंडीगढ़ प्रशासन की स्वीकृत बुनियादी ढांचा योजना के अनुसार विकसित किया जाएगा, जिसमें सड़क चौड़ीकरण, सर्विस लेन का निर्माण, पैदल यात्री मार्ग और गलियारे का सौंदर्यीकरण शामिल है। यह पहल वाहनों की भीड़ को कम करने, सड़क सुरक्षा में सुधार और ठल्-05 मार्ग के साथ शहरी परिदृश्य को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिला प्रशासन सार्वजनिक भूमि की पवित्रता बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है और नागरिकों से सरकारी संपत्ति पर अतिक्रमण न करने का आग्रह करता है। एक स्वच्छ, सुरक्षित और अधिक व्यवस्थित शहर प्राप्त करने में सार्वजनिक सहयोग महत्वपूर्ण है।

ग्लेडियस 4.0 : पीजीआईएमईआर का वार्षिक खेल उत्सव आरंभ

संवाददाता
चंडीगढ़

पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़ का वार्षिक अंतर-विभागीय खेल उत्सव, बहुप्रतीक्षित ग्लेडियस 4.0, 26 मई, 2025 को बहुत उत्साह के साथ शुरू हुआ और 1 जून, 2025 तक जारी रहेगा, जिसमें एथलेटिक भावना और संस्थागत एकता के जीवंत उत्सव में रेजिडेंट और फैकल्टी एक साथ आएंगे। इस कार्यक्रम का उद्घाटन पीजीआईएमईआर के निदेशक डॉ. विवेक लाल ने किया, जिन्होंने रेजिडेंट डॉक्टरों के व्यस्त शेड्यूल के बीच शारीरिक फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। अपने संबोधन में, डॉ. लाल ने प्रतिभागियों को शारीरिक गतिविधि को अपने जीवन का नियमित हिस्सा बनाने के लिए प्रोत्साहित किया और टीम भावना और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में ऐसे आयोजनों के महत्व पर प्रकाश डाला। उद्घाटन समारोह में डॉ. लाल और संस्थान के खेल प्रभारी डॉ. संदीप बंसल के बीच एक जोशीला बैडमिंटन मैच खेला गया, जिसने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और सौहार्द के एक सप्ताह की शुरूआत की।

इस कार्यक्रम में पीजीआईएमईआर के डीन डॉ. राठो सहित कई संकाय सदस्यों और पूर्व एआरडी (एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स) के अध्यक्ष डॉ. राहुल चक्रवर्ती और डॉ. नवीन सहित प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति देखी गई, जो इस पहल का समर्थन करने और जश्न मनाने के लिए एक साथ आए। एआरडी के अध्यक्ष और जनरल सर्जरी में रेजिडेंट डॉ. विष्णु जिंजा ने सभा को संबोधित किया और सप्ताह भर में नियोजित विभिन्न इनडोर और आउटडोर कार्यक्रमों का अवलोकन प्रदान किया। उन्होंने मेडिकल रेजीडेंसी के उच्च दबाव वाले वातावरण में अंतर-विभागीय संपर्क, टीम-निर्माण और तनाव से राहत को बढ़ावा देने में उत्सव की भूमिका को रेखांकित किया।

ग्लेडियस 4.0 के आयोजन दल में शामिल हैं: डॉ. तुषार, एआरडी खेल सचिव, डॉ. सौरव थापा, आयोजन सचिव और डॉ. माधव और डॉ. पुनीत, सह-आयोजन सचिव। उनके सामूहिक प्रयासों ने उत्सव को व्यवस्थित करने और विभागों और संवर्गों में व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ग्लेडियस 4.0 के पहले और दूसरे दिन के समापन पर, निवासियों और शिक्षकों की उत्साही भागीदारी के साथ कई रोमांचक कार्यक्रम सामने आए। ग्लेडियस 4.0 इनडोर और आउटडोर खेलों की एक विस्तृत श्रृंखला में उच्च-उत्साही प्रतिस्पर्धा के एक रोमांचक सप्ताह का वादा करता है। उद्घाटन दिवस पर कई कार्यक्रमों में ऊजार्वान भागीदारी और सराहनीय प्रदर्शन देखने को मिले, जिसने एक एक्शन से भरपूर सप्ताह की शुरूआत की।

हरियाणा को नशा मुक्त बनाने के लिए ब्युरो की सभी नार्कोटिक्स यूनिटो को दिए दिशा निर्देश

हरियाणा एनसीबी मिशन मोड के तहत नशा तस्करों पर करेगी कठोर कार्यवाही: ओ पी सिंह

संवाददाता
पंचकुला/मधुबन

प्रदेश को नशा मुक्त बनाने और नशा तस्करों और उनके नेक्सस को तोड़ने को लेकर हरियाणा एनसीबी प्रमुख/महानिदेशक श्री ओ.पी. सिंह की अध्यक्षता में संपूर्ण हरियाणा एनसीबी विभाग की हरियाणा पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन पंचकूला सैक्टर 6 में मीटिंग का आयोजन किया गया। इस मीटिंग मे हरियाणा एनसीबी के पुलिस अधीक्षक श्री मोहित हांडा और पुलिस अधीक्षक श्रीमति पंखुरी कुमार, उप पुलिस अधीक्षक श्री जगबीर सिंह, उप पुलिस अधीक्षक श्री सतेंद्र कुमार, उप पुलिस अधीक्षक श्री गजेन्द्र कुमार, उप पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार व जिला न्यायवादी महिपाल सिंह सांगवान, सभी युनिट इंचार्ज व अन्य सभी कर्मचारी शामिल हुए। मीटिंग में प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के लिए व नशा तस्करों पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए सभी नोडल अधिकारियों व एनसीबी हरियाणा के अधिकारियों व यूनिट इंचार्जो को दिशा निर्देश दिए। एनसीबी प्रमुख श्री ओ. पी. सिंह ने कहा कि नशे को खत्म करने के लिए ब्युरो द्वारा जन आंदोलन तैयार करने और मिशन मोड मे काम की जरूरत को उजागर किया। मीटिंग में पुलिस महानिदेशक ने कहा की जो नशा तस्कर नशा बेचकर किसी भी तरह की अवैध सम्पति अर्जित करता तो उनकी आर्थिक रूप से कमर तोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने ढक्ळ ठउढर के तहत आदतन नशा तस्करों की नजरबंदी, ठउढर मामलों मे रिकवरी, नशा तस्कर की प्रॉपर्टी अटैच करने और प्रॉपर्टी को जब्त करना और उनकी अवैध सम्पति को ध्वस्त करने पर जोर दिया। उन्होंने सभी जिलों के संबंधित नोडल अधिकारियों, थाना अध्यक्षों और हरियाणा एनसीबी के इकाई प्रभारियों को राज्य और राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ तालमेल बढ़ाने पर जोर दिया। हरियाणा एनसीबी ने 860 आदतन नशा तस्करों की सूची राज्य सरकार को भेजी है ताकि उनको सरकारी कल्याणकारी योजनाओ से वंचित रखा जा सके। उन्होंने नशा तस्करों की अवैध तोर पर अर्जित सम्पति से समाज मे जड़ जमाने से रोकने पर जोर दिया। पुलिस महानिदेशक ने सभी यूनिटों के द्वारा इस वर्ष जनवरी से लेकर मई महीने तक किए गए कार्यों का ब्यौरा लेते हुए ज्यादा से ज्यादा मात्रा मे वाणिज्य मामलों की संख्या मे वृद्धि करना, पिछले मुकदमों मे अभी तक नहीं पकड़े गए नशा तस्करों की गिरफ़्तारी करना, माननीय अदालतों मे लंबित मामलों मे ज्यादा से ज्यादा तस्करों को सजा करवाना, निचले स्तर पर मानवीय और तकनीकी सूचनाओ का बहतरिन इस्तेमाल, पुलिस टीमों की दक्षता को बढ़ाने जैसे विषय शामिल रहे। पुलिस महानिदेशक ने टीमो की कार्यप्रणाली के बारे मे भी विस्तार से चर्चा करी और उनके सामने आने वाली परेशानियों के बारे, साइबर और अन्य अत्याधुनिक तकनीकों के तहत नशा तस्करों को ज्यादा से ज्यादा गिरफ्तार करना शामिल रहा। श्री सिंह ने आगे गुरुग्राम और एनसीआर मे बढ़ते सिंथेटिक ड्रग्स के बढ़ते प्रयोग पर चिंता जताई और ब्युरो की यूनिटो द्वारा उनपर कार्यवाही करने के दिशा निर्देश दिए। उन्होंने जागरूकता और पुनर्वास भी के जरिए नशे के प्रति समाज को जागरूकता लाने पर जोर दिया। उन्होंने जिला स्तर पर नशे से पीड़ित इलाकों मे जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। श्री सिंह ने बताया कि नशा पीड़ितों की मदद करने और अपने क्षेत्र में ड्रग पैडलिंग की गतिविधियों के बारे में जनता से जानकारी एकत्र करने के लिए प्रदेश में टोल फ्री एंटी-ड्रग हेल्पलाइन नंबर 9050891508, 1933 को नशे से पीड़ित इलाकों मे पहुचने पर जोर दिया। वहीं उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि अलग अलग प्रकार के ड्रग्स जैसे फार्मा ड्रग्स और सिन्थेटिक ड्रग्स के बारे में हम अपडेट रहना और ज्यादा से ज्यादा नशा तस्करों को पकड़ा जा सकें।

नैक्सस एलांते में शुरू हुआ 'डेनिम एंड स्नीकर फेस्ट' : स्टाइल, शॉपिंग और ऑफर्स का धमाका

संवाददाता
चंडीगढ़

15 मई से 15 जून 2025 तक चलने वाला फैशन फेस्टिवल

गर्मियों की छुट्टियों और कॉलेज सीजन की तैयारियों के बीच, चंडीगढ़ का प्रमुख लाइफस्टाइल मॉल नैक्सस एलांते लेकर आया है एक शानदार मौका झ 'डेनिम एंड स्नीकर फेस्ट', जो 15 मई से 15 जून 2025 तक आयोजित किया जा रहा है।

इस एक महीने चलने वाले फेस्टिवल में दुनियाभर के मशहूर ब्रांड्स जैसे टॉमी हिलफिगर, डीजल, लीवाइस, जैक एंड जोन्स, लाइफस्टाइल, शॉपर्स स्टॉप, प्यूमा, स्केचर्स, एज़िक्स, एडीडास, एल्डो और स्ट्राइड के लेटेस्ट डेनिम और स्नीकर कलेक्शन देखने को मिलेंगे। यहां हर उम्र और पसंद के लिए कुछ खास मौजूद है।

यह फेस्ट छुट्टियों के मौसम और स्कूल-कॉलेज के दोबारा खुलने से पहले का एक परफेक्ट मौका है, जब फैशनप्रेमी अपने वॉर्डरोब को नया अंदाज दे सकते हैं।

इस फेस्टिवल की खास बात हैं यहां चल रहे शॉप एंड विन प्रतियोगिताएं, स्पेशल डिस्काउंट ऑफर्स और एक्साइटिंग गिफ्ट्स हैं, जो आपकी हर शॉपिंग को खास और यादगार बना देंगे।